शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 307 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 7 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम की पांच विस और दो रास की सीटें हुई खाली पेज 3
प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारिया.... पेज 4
खाली पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया तेज करें आयोगों को भेजें अधियाचन : मुख्यमंत्री योगी पेज 5
कुछ चीजों का दान फायदे की जगह कर सकता है नुकसान पेज 12

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

विचार न करके कार्य करने वाले व्यक्ति को लक्ष्मी त्याग देती है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

नरेंद्र मोदी के अब रविवार को शपथ लेने की संभावना : सूत्र

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी 9 जून को भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। पहले खबर थी कि उनका शपथ ग्रहण एक दिन पहले 8 जून को होगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और इंडिया ब्लॉक ने चुनाव परिणामों की जांच करने और सरकार गठन के लिए रणनीति तैयार करने के लिए अपने संबंधित गठबंधन सहयोगियों के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार : ईएमयू ट्रेन में लगी आग, जानमाल का नुकसान नहीं

पटना (हि.स.)। बिहार में लखीसराय जिले के किऊल जंक्शन पर पटना से देवघर जा रही ईएमयू पैसेंजर ट्रेन में गुरुवार को अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई। मौके पर पहुंची रेलवे की टीम लगातार आग बुझाने की कोशिशों में जुटी हुई है। दानापुर डिवीजन के कई बड़े रेलवे अधिकारी भी मौके पर पहुंचे गए हैं।

असम कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

नवंबर में पंचायत चुनाव विकासखंडों का होगा पुनर्गठन

गुवाहाटी (हि.स.)। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद असम सरकार की आज पहली कैबिनेट की बैठक आयोजित हुई। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि नवंबर में असम में पंचायत चुनाव कराने का निर्णय लिया गया है। पंचायतों, जिला परिषदों, डेवलपमेंट ब्लॉकों आदि को एक ही विधानसभा क्षेत्र में लाने की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्रों के पुनर्गठन के बाद यह समस्या अधिक जटिल हो गई है, क्योंकि डीलिमिटेशन ब्लॉक हिसाब से नहीं हुआ था, बल्कि गांव के हिसाब से हुआ था। सभी ब्लॉकों का पुनर्निर्धारण पंचायत चुनाव से पहले होगा। अगस्त की 30 तारीख तक पुनर्निर्धारण का काम समाप्त हो जाएगा। सितंबर में वोटर लिस्ट तैयार होकर अक्तूबर के अंत में चुनाव की अधिसूचना जारी होगी। नवंबर के अंत में पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अरुणोदय योजना के दायरे में हर परिवार को लाने का चुनाव के दौरान वादा किया गया था। इसे लागू करने के लिए कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया। कितने लोगों को इस योजना के तहत लाया जाएगा, कितने रुपए खर्च होंगे आदि से संबंधित एक प्रतिवेदन एक महीने के भीतर तैयार करने के लिए वित्त मंत्री अजंता नेओग, मंत्री रनोज पेगू, बिमल बोरा, केशव महंत तथा रंजीत दास के नेतृत्व में एक कैबिनेट सब कमेटी गठित की गई है। यह कमेटी एक महीने के अंदर इस संदर्भ में परामर्श देगी। असम के प्रत्येक परिवार को यह लाभ दिया जाएगा। कैबिनेट में निर्णय लिया गया कि चराईदेव मैदाम को विश्व धरोहर घोषित करवाने के लिए वर्ल्ड हेरिटेज रिकमेंडेशन बॉडी द्वारा पॉजिटिव रिपोर्ट यूनेस्को को भेजा जाए, इसकी व्यवस्था की जाएगी। जुलाई में भारत की अध्यक्षता में यूनेस्को की दिल्ली में बैठक होगी। इसमें यूनेस्को के सदस्य प्रत्येक देशों से चराईदेव मैदाम को विश्व धरोहर घोषित करवाने में सहयोग करने को विदेश मंत्रालय द्वारा कहलवाया जाएगा। सभी देशों के एंबेसडरों से राज्य सरकार संपर्क करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव के समय निजूत मईना योजना के तहत इस बार मैट्रिक और हायर सेकेंडरी परीक्षा पास करने वाली छात्राओं को क्रमशः 10 हजार और 12 हजार रुपए देने की घोषणा की गई थी। कैबिनेट द्वारा आज इसे मंजूरी दे दी गई। अगले दो महीने के भीतर इन्हें रुपए देने की व्यवस्था की जाएगी। रुपए एक साथ दिए जाएं या मासिक किस्तों में इस पर विचार करने के लिए मंत्री रनोज पेगू की अध्यक्षता में एक कैबिनेट समिति बनाई गई है। इस समिति के परामर्श के अनुसार कार्य किए जाएंगे। 15 अगस्त को इस योजना की राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सितंबर महीने में माइक्रोफाइनेंस के तहत लिए गए 50 हजार रुपए तक के लोन -शेष पृष्ठ दो पर

नगांव, धुबड़ी के परिणाम जातीय जीवन के लिए अशुभ संकेत : सीएम

ग्वालपाड़ा (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि रकीबुल हुसैन की 10 लाख मतों के अंतर से जीत असम के जातीय जीवन के लिए एक अशुभ संकेत है। मुख्यमंत्री आज ग्वालपाड़ा में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने रकीबुल हुसैन की जीत को लेकर कहा कि धुबड़ी में अजमल भी 10 लाख मतों के अंतर से नहीं जीत सके। रकीबुल हुसैन ने इस बार धुबड़ी में 10 लाख वोटों से जीत दर्ज की। यह हमारे जातीय जीवन के सामने एक संकट को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि निचले असम और मध्य असम में जनसांख्यिकीय परिवर्तन कितना भयानक रूप ले चुका है, यह स्पष्ट हो गया है। चुनाव में कोई जीतेगा, कोई हारेगा। -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी सरकार में पांच कैबिनेट पद चाहती है टीडीपी

नई दिल्ली। गुरुवार को पार्टी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) संसदीय दल की बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से पार्टी नेताओं को पांच और केंद्र में उसकी सहयोगी जन सेना को दो कैबिनेट सीटें आवंटित करने का अनुरोध करने का निर्णय लिया गया। पार्टी नेताओं ने गुरुवार को यह बात कही। हाल ही में संपन्न आम चुनाव में नायडू के नेतृत्व वाली टीडीपी ने 25 लोकसभा -शेष पृष्ठ दो पर

ईसी ने हटाई आदर्श आचार संहिता

नई दिल्ली। गुरुवार को चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के लिए देश में लगाई आचार संहिता को खत्म कर दिया है। लेकिन जिस प्रदेशों में अभी विधान परिषद के चुनाव होना हैं, वहां आचार संहिता लागू रहेगी। देश में लोकसभा चुनाव सात चरणों में हुए। मंगलवार को लोकसभा चुनाव का परिणाम चुनाव आयोग ने घोषित किया। लोकसभा चुनाव के दौरान देशभर में चुनाव आयोग ने आचार संहिता लागू की थी। जिसे गुरुवार को हटा दिया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि अब लोकसभा चुनाव के परिणाम जारी हो चुके हैं, जो कि आप सबके सामने हैं। ईवीएम को कुछ दिन अब आराम करने देते हैं। अगले चुनाव में उसको फिर से निकालेंगे, वो फिर अपने काम पर लगेगी। उन्होंने ईवीएम पर उठने वाले सवालों पर कहा कि ईवीएम को हर चुनाव में कोसा जाता है। शायद उसका अविष्कार उसी मुहूर्त में हुआ है कि उसको हर बार संदेह का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना के स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में द्विवार्षिक/उपचुनावों के कारण आदर्श आचार संहिता लागू है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव लंबित है। उन्होंने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा ने सभी मुख्यमंत्रियों को आज दिल्ली बुलाया

नई दिल्ली। भाजपा ने अपने शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को दिल्ली बुलाया है। 7 जून को भाजपा हेडक्वार्टर में सभी मुख्यमंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं की बड़ी बैठक होनी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा जिन राज्यों में करारी हार का सामना करना पड़ा है इसको लेकर भी मंथन होगा। उत्तर प्रदेश से भाजपा को सबसे बड़ा झटका मिला है। जिसके बाद चर्चा तेज है कि यूपी में मिली करारी शिकस्त का ठीकरा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर फोड़ा जा सकता है। ऐसे में क्या अब सीएम योगी पर इस्तीफा देने का दवाब बनाया जाएगा? इसके अलावा दूसरा राज्य राजस्थान है जहां भाजपा का प्रदर्शन खराब रहा है। प्रचार के दौरान अमित शाह ने एक रैली में नेताओं से कहा था कि अगर उनके इलाके में पार्टी कमजोर हुई तो खामियाजा भुगतना पड़ेगा। ऐसे में क्या ये खामियाजा राजस्थान के मुख्यमंत्री को भी भुगतना पड़ सकता है। सीएम भजन लाल के घर भरतपुर से भी भाजपा को हार मिली है। कहा जा रहा है कि वो अपना क्षेत्र भी नहीं संभाल सके। महाराष्ट्र में महाविकास आघाडी के 30 सीटें जीतने पर भाजपा चिंता की मुद्रा में आ गई है। राज्य में भाजपा के सबसे बड़े नेता देवेंद्र फडणवीस ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश की है। हालांकि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखकर बावनकुले और सीएम एकनाथ शिंदे ने उनकी इस पेशकश को खारिज किया है। नतीजे के 24 घंटे के भीतर ही फडणवीस ने सबसे पहले इस्तीफे की पेशकश कर दी थी। -शेष पृष्ठ दो पर

एनडीए की सहयोगी नहीं बनेगी मेघालय की वीपीपी : बसाइयामोइत

शिलांग (हि.स)। मेघालय की *वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी* (वीपीपी) के अध्यक्ष अर्डेंट मिलर बसाइयामोइत ने गुरुवार को यहां कहा कि उनकी पार्टी भाजपा के नेतृत्व वाले *राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन* (एनडीए) में शामिल नहीं होगी। हमारी पार्टी धर्मनिरपेक्ष है और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है। वीपीपी के अध्यक्ष बसाइयामोइत ने दृढ़ता से कहा कि वे धर्म आधारित और नीति विरोधी राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन बनाने से परहेज -शेष पृष्ठ दो पर

नए चुने गए सांसदों में से 46 फीसदी पर क्रिमिनल केस : एडीआर रिपोर्ट

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने अपने विश्लेषण में दावा किया है कि लोकसभा के 543 नवनिर्वाचित सदस्यों में से 251 यानि 46 प्रतिशत के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज हैं और उनमें से 27 को कोर्ट से दोषी भी ठहराया गया है। बता दें कि लोकसभा चुनाव में अभी तक निर्वाचित सांसदों में इस साल सबसे अधिक नवनिर्वाचित सांसदों पर क्रिमिनल केस दर्ज होने के मामले सामने आये हैं। नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान सांसदों ने दायर हलफनामे में इसका खुलासा किया है। 2019 में कुल 233 नवनिर्वाचित सांसदों (43 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज होने की बात हलफनामे में स्वीकार की थी। इससे पहले 2014 के लोकसभा चुनाव में 185 (34 प्रतिशत) सांसदों ने, 2009 के लोकसभा चुनाव में 162 (30 प्रतिशत) सांसदों ने तथा 2004 के लोकसभा चुनाव में 125 (23 प्रतिशत) ने क्रिमिनल मामलों की घोषणा की थी। एडीआर के विश्लेषण के अनुसार, साल 2009 से आपराधिक मामले घोषित करने वाले सांसदों की संख्या में 55 प्रतिशत का इजाफा हुआ -शेष पृष्ठ दो पर

जेडीयू की अनावश्यक मांगों के आगे नहीं झुकेगी भाजपा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के परिणाम 4 जून को आ चुके हैं। भाजपा 240 सीटों के साथ सबसे बड़ा दल बनकर उभरी है लेकिन अपने दम पर सरकार बनाने से काफी दूर है। हालांकि, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के पास 293 हैं, जिसने सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुना है। वो 9 जून को प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। सरकार गठन से पहले मंत्रिमंडल को लेकर चर्चा तेज है, खासकर एनडीए के सहयोगी जेडीयू को लेकर। सूत्रों का कहना है कि भाजपा जेडीयू की अनावश्यक मांगों के आगे नहीं झुकेगी। भाजपा गठबंधन के नियमों और गठबंधन धर्म -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में टूटा कांग्रेस आप गठबंधन

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव खत्म होने के साथ ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस से अपना नाता तोड़ लिया है। आप नेता गोपाल राय ने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली में अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस के साथ गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए था। विधानसभा चुनाव हम अकेले लड़ेंगे। पार्टी ने यह फैसला ऐसे समय लिया है। जब संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में हैं। बता दें कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन के तहत लोकसभा चुनाव लड़ा था। दिल्ली के -शेष पृष्ठ दो पर

विश्व नेताओं ने मोदी की जीत का किया स्वागत, कहा–

शानदार रहेगा आपका तीसरा कार्यकाल

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देने का सिलसिला जारी है और विश्व नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी की जीत का स्वागत किया है। ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, न्यूजीलैंड और फिलीपीन सहित दुनियभार के कई नेताओं ने उनके नेतृत्व में भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करने का संकल्प लिया। मोदी रविवार को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने लोकसभा चुनाव में 293 सीट पर जीत दर्ज की है। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मोदी से बात कर उन्हें चुनाव में जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और भारत करीबी मित्र हैं। दोनों के बीच मजबूत रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध है। हम 2024 और उसके बाद भी अपनी साझेदारी को प्रगाढ़ करने को प्रतिबद्ध हैं। फिलीपीन के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस ने भी मोदी को नया जनादेश हासिल करने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक ने भारत को फिलीपीन का सच्चा मित्र साबित किया है और मैं आने वाले वर्षों में हमारी द्विपक्षीय और क्षेत्रीय साझेदारी को और मजबूत बनाने की आशा करता हूं। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो -शेष पृष्ठ दो पर

यूक्रेन ने रूस की तेल रिफाइनरी और ईंधन डिपो पर किया हमला

कीव। कीव द्वारा क्रेमलिन के युद्ध करने के तरीके को बाधित करने के चल रहे प्रयास और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप के सबसे बड़े युद्ध में पश्चिमी देशों के समर्थन की मांग के बीच यूक्रेनी ड्रोन ने रूसी सीमा क्षेत्रों में एक तेल शोधन संयंत्र और एक ईंधन डिपो पर हमला किया। निशाना बनाए गए क्षेत्रों के अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। जेलेंस्की गुरुवार को फ्रांस में डी-डे स्मरणोत्सव में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन सहित विश्व नेताओं के साथ शामिल होने वाले हैं। शुक्रवार को उन्हें फ्रांसीसी अधिकारियों से मिलना है। जेलेंस्की की यात्रा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की चेतावनी के एक दिन बाद हुई है जिसमें उन्होंने कहा था कि रूस अन्य देशों को लंबी दूरी के हथियार मुहैया करा सकता है ताकि वे पश्चिमी लक्ष्यों पर हमला कर सकें। यह धमकी तब आई जब -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

एनडीए के नवनिर्वाचित लोस सदस्यों की बैठक आज

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक शुक्रवार को संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित होगी। करीब साढ़े ग्यारह बजे होने वाली इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्यों के साथ एनडीए के लोकसभा सदस्य और उनके नेता शामिल होंगे। इस अहम बैठक में मंत्रिमंडल को लेकर चर्चा हो सकती है। इससे पहले गुरुवार को मंत्रिमंडल और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार के शपथ ग्रहण की तैयारियों को लेकर चर्चा का दौर चलता रहा। सुबह जेपी नड्डा के आवास पर हुई बैठक कई घंटों तक चली। इसमें अमित शाह, राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय महासचिव बी एल संतोष, विनोद तावड़े सहित कई नेता शामिल रहे। इस बैठक में मंत्रिमंडल पर विचार करने के साथ नौ जून को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही देश-दुनिया से आने वाले मेहमानों की सूची तैयार करने से लेकर अन्य प्रबंधन को लेकर चर्चा की गई। इसके बाद शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर एक बैठक शुरू हुई, जिसमें जेपी नड्डा और अमित शाह शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। उल्लेखनीय है कि बुधवार को प्रधानमंत्री आवास पर एनडीए नेताओं की बैठक हुई, जिसमें नरेंद्र मोदी को एनडीए का नेता चुना गया और प्रस्ताव पारित किया गया। सभी सहयोगी दलों ने नरेंद्र मोदी को अपना समर्थन पत्र सौंपा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करके कहा कि हमारे मूल्यवान एनडीए सहयोगियों से मुलाकात हुई। हमारा गठबंधन राष्ट्रीय प्रगति को आगे बढ़ाएगा और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करेगा। हम भारत के 140 करोड़ लोगों की सेवा करेंगे और एक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में काम करेंगे।

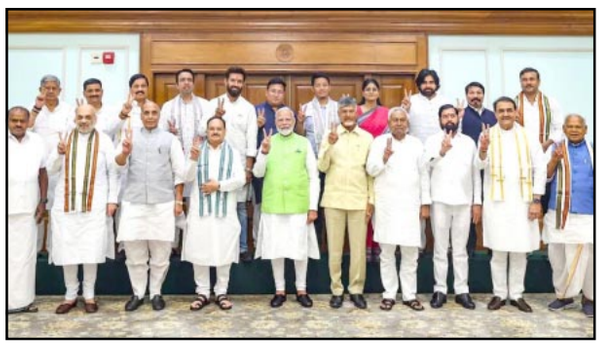

दुमदुमा में शादीशुदा महिला से दुष्कर्म, हत्या

तिनसुकिया (हिंस)। जिले के दुमदुमा में बलात्कार एवं हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार विवाहित महिला के साथ बलात्कार के बाद उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि घटना बाघजान थाना अंतर्गत बाघजान ऑयल इंडिया के ईपीएस के पास बीती रात में हुई। 32 वर्षीय विवाहित महिला दूसरे दिन की तरह बुधवार की शाम 7 बजे के आसपास पास की गुमटी में सोने गई थी। पुलिस को शक है कि महिला के साथ रास्ते में चाय बागान के बीच में गैंगरेप करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई होगी। हत्या के बाद महिला के शव को आरोपितों ने पानी में फेंक दिया होगा। आज सुबह मछली पकड़ने के लिए जा रहे स्थानीय लोगों ने शव को देखा। इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। असम चाय जनजाति छात्र संघ (आट्सा) ने इस नृशंस हत्या और रेप कांड में शामिल लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। साथ ही मामले की जांच शुरू की है।

हार से परेशान कांग्रेस लोगों को कर रही गुमराह : भाजपा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी के आरोपों पर पलटवार करते हुए इसे हार की हताशा करार दिया। भाजपा ने कहा कि नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से राहुल गांधी परेशान हैं। वे देश के निवेशकों को गुमराह कर रहे हैं। देश की जनता को राहुल गांधी पर भरोसा नहीं है। गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में भाजपा नेता पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। उनके नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। इस बात से राहुल गांधी परेशान हैं, इसलिए लोगों को भ्रम में डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है। पीयूष गोयल ने कहा कि आज लोगों के सामने सबसे बड़ा प्रश्न ये खड़ा हो रहा है कि जो-जो वादे राहुल गांधी ने किए थे उसका क्या हुआ? देश में कई जगहों पर हमारी बहनें-माताएं कांग्रेस के कार्यालय के बाहर खड़ी हैं। आज महिलाएं तेलंगाना, हिमाचल और कर्नाटक में कांग्रेस की सरकारों से पूछ रही हैं कि जो एक लाख रुपए प्रति महिला को देने का वादा किया गया था, वो क्यों नहीं पूरा कर रहे हैं। आज महिलाएं कांग्रेस की सरकारों से अपना हक और न्याय मांग रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत का बाजार विश्व के पांच बाजारों में एक है। भारत के बाजर में पब्लिक सेक्टर यूनिट (पीएसयू) लिस्टिंग लगभग चार गुना बढ़ा है। भारत की जनता भी गर्व महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि यूपीए की सरकार के समय भारत का मार्केट कैप 67 लाख करोड़ था जो मोदी सरकार के कार्यकाल में बढ़कर 415 लाख करोड़ हो गया। इसका सबसे बड़ा लाभ भारतीय निवेशकों एवं खुदरा व्यापारियों को हुआ। पहले बाजार में विदेशी एफडीआई होल्डिंग 21 प्रतिशत थी जो अब घटकर 15 प्रतिशत हो गई है। साफ है कि बाजार में भारतीय निवेशकों की हिस्सेदारी 79 से बढ़कर 84 प्रतिशत हो गई है। म्यूच्युअल फंड इंडस्ट्री साइज 2014 में 10 लाख करोड़ रुपए का था, आज 56 लाख करोड़ रुपए का हो गया है। छोटे निवेशकों बढ़ती हुई मार्केट का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी निवेशकों प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। आज छोटे निवेशक भारत के बढ़ते बाजार का लाभ उठा रहे हैं। विश्व में भारत का बाजार चीन के बाजार से ज्यादा भरोसेमंद है। विश्व का विश्वास भारत पर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अप्रैल और मई में मार्केट बढ़ रही थी, तब विदेशी निवेशकों ने बेचा और भारतीय निवेशकों ने खरीदा इसका लाभ भारतीय निवेशकों को हुआ। जब एक्जिट पोल की घोषणा हुई 6850 करोड़ रुपए का शेयर विदेशी निवेशकों ने खरीदा और भारत के निवेशकों ने बेच कर लाभ लिया।

असम के आठ जिलों के 246813 लोग बाढ़ से प्रभावित

नगांव (हिंस)। असम के आठ जिलों में बाढ़ की स्थिति अभी भी बनी हुई है। राज्य के कछार, करीमगंज, मोरीगांव, होजाई, नगांव, डिमा-हसाओ, हैलाकांदी, कार्बी आंगलोंग पश्चिम जिलांतर्गत 19 राजस्व सर्किल के 375 गांवों के 2,46,813 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। कपिली निशारी नदी के बाढ़ ने नगांव जिले के कामपुर राजस्व सर्किल में एक जटिल स्थिति पैदा कर दी है। कई लोगों को आपका घर छोड़कर आश्रय शिविरों में शरण लेनी पड़ी है। कामपुर राजस्व क्षेत्र के 129 गांवों के 1 लाख 40 हजार 224 नागरिक बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। प्रशासन ने अब तक 29 आश्रय शिविर बनाए हैं। उल्लेखनीय है कि कामपुर में बाढ़ कम होने के बावजूद बाढ़ प्रभावित परिवार अभी भी आश्रय शिविरों में शरण लिए हुए है। नगांव जिले के रंगलू हायर सेकेंडरी स्कूल में तीन सौ परिवार आश्रय लिए हुए हैं।

बस के आकार का क्षुद्रग्रह 14400 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा पृथ्वी की ओर, नासा ने किया अर्लट

नई दिल्ली। नासा की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला ने बताया है कि एक बस के आकार का क्षुद्रग्रह, जिसे 2024 जेपी 1 नाम दिया गया है, 14,400 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। इस क्षुद्रग्रह का आकार लगभग एक शहर की बस के बराबर है, तथा इस पर खगोलविदों द्वारा बारीकी से नजर रखी जा रही है, जो पृथ्वी के निकट स्थित उन पिंडों (एनईओएस) पर नजर रखते हैं, जो हमारे ग्रह के लिए संभावित रूप से खतरा पैदा कर सकते हैं। 2024 जेपी1 की खोज एनईओ निगरानी टीम के सतर्क प्रयासों से संभव हुई, जो ऐसे खगोलीय पिंडों की पहचान और सूचीकरण के लिए समर्पित एक समूह है। शक्तिशाली दूरबीनों और उन्नत ट्रैकिंग एल्गोरिदम के उपयोग से, वे इस क्षुद्रग्रह का पता लगाने और इसकी कक्षा की सटीकता के साथ गणना करने में सक्षम थे। आंकड़ों के अनुसार, 2024 जेपी1 के जल्द ही पृथ्वी के सबसे करीब पहुंचने की उम्मीद है, जो 7.07 मिलियन किलोमीटर की दूरी पर है। 14,400 किलोमीटर प्रति घंटे की गति हमारे सौर मंडल में अन्य वस्तुओं की तुलना में अपेक्षाकृत तेज है, लेकिन इस आकार के क्षुद्रग्रहों के लिए यह असामान्य नहीं है। जिस गति से 2024 जेपी1 यात्रा कर रहा है, वह अंतरिक्ष में अपनी यात्रा के दौरान उसके द्वारा सामना किए गए गुरुत्वाकर्षण प्रभावों का परिणाम है। क्षुद्रग्रह 2024 जेपी1 के मार्ग पर दुनिया भर की वेधशालाओं के एक नेटवर्क द्वारा नजर रखी जा रही है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और एशिया की सुविधाएं शामिल हैं। ये वेधशालाएं डेटा साझा करने और क्षुद्रग्रह के प्रक्षेप पथ को परिष्कृत करने के लिए सहयोग करती हैं। यह अंतर्राष्ट्रीय प्रयास सुनिश्चित करता है कि किसी भी संभावित जोखिम का उच्चतम स्तर की जांच के साथ मूल्यांकन किया जाए। 2024 जेपी1 के आने से वैज्ञानिकों को पृथ्वी के निकट स्थित क्षुद्रग्रह का करीब से अध्ययन करने का अवसर मिलेगा।

No. TE[Ex] Admn-2/2024/

EDUCATIONAL NOTICE
FOR ADMISSION INTO THE MODERN OFFICE MANAGEMENT [MOM] COURSE

Online Applications are invited from Female candidates for admission into 1st Semester of the 3 (three) years Diploma in Modern Office Management course of PCPS Girls' Polytechnic, Guwahati.

The applicant must fulfil the following criteria :-

1) Candidate must be a Permanent Resident of Assam.
2) Candidate must be Female.
3) Candidate must have passed H.S.S.L.C. (10+2) or equivalent examination in any stream, i.e. Science, Arts, Commerce.
4) Age as on 31/12/2024 -
   For UR/OBC/MOBC : 22 years, 6 months
   For SC/ST/PwD : 25 years, 6 months

Applicants are to fill up the online application form which is made available at **http://dte.assam.gov.in** in between **10/06/2024** to **24/06/2024.** Applicants must pay an amount of Rs. 500/- (Rupees five hundred) only as non-refundable application fee (instructions for payment will be available during online form fill-up).

Director of Technical Education, Assam, &
Secretary, State Council for Technical Education, Assam,
Kahilipara, Guwahati-19

-- Janasanyog /D/1240/24/7-Jun-24

पृष्ठ एक का शेष

नवंबर में पंचायत...

को लौटाने की व्यवस्था की जाएगी। वहीं, प्रसार भारती के साथ असम सरकार ने एक एमओयू साइन किया है। जिसके जरिए 52 एपिसोड का लाचित बरफूकन पर एक तथ्य चित्र प्रस्तुत किए जाएंगे। इसे दूरदर्शन के सभी नेशनल और रिजनल चैनलों पर प्रसारित किया जाएगा। इसपर 10 करोड़ रुपए राज्य सरकार खर्च करेगी और प्रसार भारती 10 करोड़ रुपए खर्च करेगी। अतिरिक्त राशि जरूरत के मुताबिक प्रसार भारती खर्च करेगी। कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया कि बेरोजगार मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर योजना के तहत दो लाख रुपए लोन के लिए आवेदन करने वालों को सितंबर माह के भीतर लोन दिए जाएंगे। पहले 30 हजार चयनित युवकों को खानापाड़ा में बुलाकर पहली किस्त का एक लाख रुपए दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 लाख नए लोगों को नए सिरे से राशन कार्ड की सुविधा देने संबंधी भी कैबिनेट में प्रस्ताव लिया गया। इनके अलावा भी कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

नगांव, धुबड़ी के परिणाम...

लेकिन क्या हम निचले असम, मध्य असम और उत्तर असम में बचेंगे या नहीं? मुख्यमंत्री को इस चुनाव के नतीजों में सांप्रदायिकता की बू आ रही है। उन्होंने कहा कि हिंदू समुदाय एक तरफ वोट देता है तो कहा जाता है कि हिंदुओं ने सांप्रदायिकता की है। लेकिन, रकीबुल हुसैन ने 10 लाख वोटों से बढ़त बना ली है, वहां एक भी हिंदू ने वोट नहीं डाला। उन्होंने नगांव और गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्रों में मतों के विभाजन का भी विश्लेषण किया और कहा कि भाजपा ने नगांव लोकसभा क्षेत्र के सभी हिंदू निर्वाचन क्षेत्रों में बढ़त बना ली है। लेकिन, लाहरीघाट, धिंग, रूपही और सामागुरी- इन चार निर्वाचन क्षेत्रों में, कांग्रेस पार्टी ने ढाई लाख वोटों से जीत हासिल की। उन्होंने आगे कहा कि नगांव और धुबड़ी के खतरनाक चुनाव परिणामों ने फिर साबित कर दिया है कि असम के सामाजिक ताने-बाने की नींव बहुत कमजोर है... रकीबुल हुसैन 10 लाख से अधिक वोटों से जीते। इसका क्या मतलब है? यह हमारे समाज और *जातीय जीवन* (राष्ट्रीय जीवन) के सामने खतरे को दर्शाता है। शर्मा ने दावा किया कि आप 10 लाख से अधिक वोटों से आगे चलने के बारे में सोचते हैं और वहां एक भी हिंदू ने वोट नहीं दिया; तो हमारे सामाजिक ताने-बाने के सामने कितना खतरा है? उन्होंने यह भी कहा कि बरदलै ने भी नगांव में मुस्लिम बहुल विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल कर जीत हासिल की, जबकि भाजपा ने सभी हिंदू विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल की। हुसैन ने मौजूदा सांसद और एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल को 10,12,476 वोटों के बड़े अंतर से हराया। कांग्रेस नेता को 14,71,885 वोट मिले जबकि एआईयूडीएफ प्रमुख को 4,59,409 वोट मिले। शर्मा ने कहा कि लाहोरीघाट, धींग, रूपोही और समागुरी (सभी मुस्लिम सीटें) ने कांग्रेस को 2-2.5 लाख के अंतर से विजयी बनाया है। इसलिए, अगर किसी तरह का प्रतिरोध नहीं हुआ, तो असम की स्थिति बहुत खतरनाक हो जाएगी। सीएम ने दावा किया कि यदि भाजपा या राष्ट्रवादी उत्साह वाले लोगों की ओर से कोई चुनौती नहीं आई तो असम बह जाएगा और कोई भी नहीं बचेगा।

मोदी सरकार में ...

सीटों में से 16, जन सेना ने दो और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के हिस्से के रूप में भाजपा ने तीन सीटें जीतीं। टीडीपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी आंध्र प्रदेश के लिए विशेष दर्जे की भी मांग करेगी क्योंकि 2014 में राज्य के विभाजन के कारण उसने अपना सबसे बड़ा राजस्व स्रोत - हैदराबाद - खो दिया है। पार्टी के एक सांसद ने कहा कि मंत्री पद के लिए हमारा अनुरोध उस विशेष पैकेज पर आधारित है जिसका वादा पुनर्गठन के समय आंध्र प्रदेश को किया गया था। विशेष दर्जे की आवश्यकता मूल रूप से राज्य में प्रमुख विकास परियोजनाओं के लिए केंद्रीय अनुदान है। विजयवाड़ा के बाहरी इलाके उंदावल्ली में नायडू के आवास पर हुई बैठक में, पार्टी ने पूरे कार्यकाल के दौरान एनडीए का समर्थन करने का वादा किया, भले ही भाजपा अपने विधायक दल के नेता के रूप में किसे चुने। प्राथमिकताओं की सूची में सबसे ऊपर आंध्र प्रदेश के पिछड़े सात जिलों के लिए अनुदान है - तीन उत्तर आंध्र से और चार रायलसीमा क्षेत्र से। टीडीपी नेताओं में से एक, कलामा श्रीनिवासुलु ने कहा विशेष विकास परियोजना (एसडीपी) फंड के हिस्से के रूप में, हमने विजयवाड़ा के लिए मेट्रो परियोजना में 50-50 हिस्सेदारी, सागरमाला परियोजना को पांच साल तक जारी रखने और राज्य और राष्ट्रीय विकास के लिए उद्योग और बिजली सब्सिडी के लिए केंद्र से अनुरोध करने का निर्णय लिया है।

ईसी ने हटाई ...

कि हम 12 मार्च को वहां गए थे, हमने संकेत दिया था कि सही समय पर चुनाव कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि हम वहां के लोगों को जल्द से जल्द अपनी सरकार बनाने और अपनी पसंद का प्रतिनिधि चुनने का मौका देंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से मुलाकात की। उन्होंने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 73 के तहत भारत के चुनाव आयोग द्वारा जारी अधिसूचना की एक प्रति राष्ट्रपति को सौंपी। इस प्रति में 18वीं लोकसभा के आम चुनावों के बाद लोकसभा के लिए चुने गए सदस्यों के नाम शामिल हैं।

भाजपा ने सभी...

दरअसल, अक्तूबर-नवंबर महीने में राज्य में 288 सदस्यों वाली विधानसभा के चुनाव होने हैं। पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश बरकरार रखने के लिए भाजपा को नई रणनीति से काम करना होगा। जिस दिन शपथ ग्रहण समारोह हो उस दिन सभी लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा भाजपा की कवायद ये रहती है कि पूरी पार्टी एकजुट दिखनी चाहिए। एनडीए की संसदीय दल की बैठक से पहले भाजपा के संसदीय दल की बैठक होगी। बैठक में भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री शामिल रहते हैं। साल 2014 में नरेंद्र मोदी जब पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने दिल्ली आए थे। उससे पहले उन्होंने भाजपा संसदीय दल की बैठक में हिस्सा लिया था। इसमें तमाम भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री शामिल हुए थे। वहां पर उन्होंने कहा था कि उन्हें जो कमान पार्टी की तरफ से मिली है उसके लिए वो तत्पर हैं। बैठक में देशभर में लोकसभा चुनाव को लेकर जो नतीजे आए हैं, उसको लेकर फीडबैक लिया जा सकता है। भारतीय जनता पार्टी की सीटें कम क्यों हुई हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र में अपने प्रदर्शन को दोहराने में भाजपा नाकामयाब हो गई।

एनडीए की सहयोगी ...

करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने वीपीपी की धर्मनिरपेक्षता और सभी धर्मों के प्रति सम्मान की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि वे देश और इसके लोगों का समर्थन करते हैं। अर्डेंट ने कहा कि वे अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए इंडी गठबंधन का समर्थन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वीपीपी ने अभी तक आधिकारिक तौर पर इंडी गठबंधन का भागीदार बनने का फैसला नहीं किया है। जरूरत पड़ने पर सहयोग पर विचार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि शिलांग संसदीय सीट पर वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी के उम्मीदवार डॉ. रिकी एंड्रयू जे. सिंगकॉन ने जीत हासिल की है। कांग्रेस उम्मीदवार एवं तीन बार के सांसद विंसेंट एच. पाला को डॉ. रिकी एंड्रयू जे सिंकोन ने 3,71,910 वोटों के अंतर से हराया।

नए चुने गए सांसदों ...

है। इस साल जीतने वाले 251 उम्मीदवारों में से 170 (31 प्रतिशत) पर हत्या, हत्या का प्रयास, बलात्कार, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध सहित गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण से पता चला कि यह 2019 लोकसभा चुनाव में 159 (29 प्रतिशत) सांसदों, 2014 लोकसभा चुनाव में 112 (21 प्रतिशत) सांसदों और 2009 लोकसभा चुनाव में 76 (14 प्रतिशत) सांसदों की तुलना में भी वृद्धि है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2009 के लोकसभा चुनाव से गंभीर आपराधिक मामले घोषित करने वाले सांसदों की संख्या में 124 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। विजयी सांसदों के खिलाफ दर्ज अपराधिक मामले का विश्वेषण करते हुए दावा किया गया है कि 27 विजयी उम्मीदवारों ने हलफनामे में घोषित किया है कि उन्हें आपराधिक मामलों में दोषी ठहराया गया है। इनमें से चार ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 के तहत हत्या से संबंधित मामले दर्ज करने का उल्लेख किया है। 27 सांसदों ने आईपीसी की धारा 307 के तहत हत्या के प्रयास से संबंधित मामले दर्ज होने की बात कही है। पंद्रह विजयी उम्मीदवारों ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित मामलों की घोषणा की है, जिनमें से दो पर आईपीसी की धारा 376 के तहत बलात्कार का आरोप है। इसके अलावा, चार विजयी उम्मीदवारों ने अपहरण से संबंधित मामले घोषित किए हैं और 43 ने अभद्र भाषा से संबंधित मामले घोषित किए हैं। एडीआर के अनुसार, 18वीं लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी भाजपा के 240 विजयी उम्मीदवारों में से 94 (39 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं। कांग्रेस के 99 विजयी उम्मीदवारों में से 49 (49 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं और समाजवादी पार्टी के 37 उम्मीदवारों में से 21 (45 प्रतिशत) पर आपराधिक आरोप हैं। रिपोर्ट के अनुसार डीएमके के 22 में से 13 (59 प्रतिशत), टीएमसी के 29 में से 13 (45 प्रतिशत), टीडीपी के 16 में से आठ (50 प्रतिशत) और शिवसेना के सात विजयी उम्मीदवारों में से पांच (71 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार भाजपा के 63 (26 प्रतिशत), सपा के 17 (46 प्रतिशत) और कांग्रेस के 32 (32 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसमें कहा गया है कि छह (27 प्रतिशत) डीएमके उम्मीदवार, सात (24 प्रतिशत) टीएमसी उम्मीदवार, पांच (31 प्रतिशत) टीडीपी उम्मीदवार और चार (57 प्रतिशत) शिवसेना उम्मीदवार गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं।

जेडीयू की अनावश्यक...

के तहत ही काम करेगी। गठबंधन धर्म का पालन करेगी। मंत्रालयों का बंटवारा हो या मंत्रियों की संख्या, सहयोगियों की चिंताओं का ध्यान रखेगी। वो अपने सभी सहयोगियों को साथ लेकर चलेगी। भाजपा निर्दलीय सांसदों और छोटे-छोटे दलों के संपर्क में है। जल्द ही एनडीए सांसदों की संख्या में इजाफा हो सकता है। एनडीए की सहयोगी तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने आंध्र प्रदेश में लोकसभा की 16 सीट जीतीं हैं। पार्टी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने सभी नवनिर्वाचित सांसदों को दिल्ली में शुक्रवार को होने वाली एनडीए की बैठक में शामिल होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सांसदों को चुनाव में जीत की बधाई दी। साथ ही कहा कि उम्मीद है कि आप सभी सभी गुरुवार रात को दिल्ली पहुंच जाएंगे। सरकार गठन से पहले जेडीयू के नेताओं की ओर से भी बयानबाजी तेज है। जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा की हमारी पुरानी मांग है। जनता ने एनडीए के पक्ष में जनादेश दिया है। जो लोग 17 महीने का अलाप लगा रहे थे और कह रहे थे कि हमारी पार्टी टूट जाएगी उनके लिए यह तमाचा है। परिवारतंत्र लोकतंत्र पर हावी होना चाह रहा था लेकिन जनता सब समझती है। प्रदेश में नीतीश कुमार की सरकार चल रही है। कल एनडीए ने पीएम मोदी को अपना नेता चुन लिया है।

दिल्ली में टूटा...

अलावा गुजरात, हिरयाणा और चंडीगढ़ में भी लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन हुआ। दिल्ली, गुजरात और हरियाणा में आप को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली है। पंजाब में पार्टी अकेले चुनाव लड़ी। वहां आप को तीन लोकसभा सीटों पर ही सफलता मिली है। इसके साथ ही गोपाल राय ने कहा कि आज विधायकों के साथ मीटिंग हुई है। परसों सभी पार्षदों के साथ बैठक होगी और 13 जून को दिल्ली के सभी कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी बैठक होगी। आचार संहिता के कारण विकास कार्य रुके हुए थे। फैसला हुआ है कि प्रत्येक शनिवार और रविवार को विधायक अपने इलाकों में विकास कार्यों को लेकर काम करेंगे।

शानदार रहेगा आपका...

लूला दा सिल्वा ने बधाई देते हुए कहा कि मोदी का तीसरा कार्यकाल सतत विकास को बढ़ावा देने, असमानताओं को दूर करने और दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने में सफल होगा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर पोस्ट किया कि ब्राजील और भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में अन्याय का सामना करने और भूख और गरीबी के खिलाफ लड़ाई में सहयोगी हैं। आइए हम ब्राजील में जी20 और आईबीएसए शिखर सम्मेलनों में मिलें और साथ मिलकर काम करना जारी रखें। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लुक्सन ने मोदी को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय चुनाव परिणाम में जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हार्दिक बधाई। दुनिया के सबसे बड़े मतदान में लोकतंत्र का जश्न देखना अद्भुत है। मैं न्यूजीलैंड-भारत संबंधों में सार्थक वृद्धि के लिए भारत सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने प्रधानमंत्री मोदी को चुनावी सफलता की बधाई देते हुए कहा कि उनका देश मानवाधिकारों, विविधता और कानून के शासन पर आधारित द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है। ट्रूडो ने एक्स पर लिखा कि भारतीय प्रधानमंत्री को उनकी चुनावी जीत के लिए बधाई। कनाडा दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए उनकी (मोदी की) सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है जो मानवाधिकारों, विविधता और कानून के शासन पर आधारित है। दोनों देशों के संबंधों में पिछले साल सितंबर में तब तनाव आ गया था जब ट्रूडो ने आरोप लगाया कि कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की *संभावित* संलिप्तता है। भारत ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे *बकसवास* और *प्रेरित* करार दिया था। एस्टोनिया की प्रधानमंत्री काजा कल्लास और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वोन डेर लेयेन ने भी प्रधानमंत्री को चुनाव में जीत दर्ज करने के लिए बधाई दी। इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष यायर लैपिड ने भारत के आम चुनाव को *लोकतंत्र की जीत* करार दिया। उन्होंने गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि भारत और इजराइल के संबंध लगातार मजबूत होते जाएंगे।

यूक्रेन ने रूस की...

उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन *नाटो* के सहयोगियों ने कहा कि वे यूक्रेन को रूसी क्षेत्र पर हमला करने के लिए कीव को दिए जाने वाले हथियारों का इस्तेमाल करने की अनुमति देंगे। यूक्रेन की सेना पूर्वी क्षेत्रों में हाल ही में रूस के हमले को रोकने के लिए लड़ रही है। रूस दो साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध के बाद लगभग 1,000 किलोमीटर की सीमा रेखा पर गोला-बारूद और सैनिकों की कमी का फायदा उठाना चाहता है। रूस की सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि बुधवार को रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में की गई पुतिन की टिप्पणी *हमारी विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव* है। मेदवेदेव ने अपने मैसेजिंग ऐप चैनल पर लिखा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों को दूसरों द्वारा रूसी हथियारों के सीधे इस्तेमाल के प्रभाव को महसूस करने दें। मेदवेदेव ने कहा कि पुतिन ने जानबूझकर रूसी हथियारों के संभावित प्राप्तकर्ता देशों का नाम नहीं बताया। उन्होंने कहा कि वे (हथियार) अमेरिका और उसके सहयोगियों को अपना दुश्मन मानने वाले किसी को भी दिए जा सकते हैं। रोस्तोव के गवर्नर वसीली गोलुबेव ने कहा कि रूस के रोस्तोव क्षेत्र में नोवोशाख्तिंस्क तेल शोधन संयंत्र पर रात में ड्रोन से हमला हुआ जिससे आग लग गई। उन्होंने कहा कि दूसरे हमले के कारण अग्निशमन कर्मियों को कुछ समय के लिए बाहर निकलना पड़ा। इसमें हुए नुकसान का अभी ठीक पता नहीं चला है। गोलुबेव ने कहा कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। एक अन्य सीमावर्ती क्षेत्र (बेलगोरोद) में एक ड्रोन ने रात में एक तेल डिपो पर हमला किया। गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैदकोव ने कहा कि इस हमले से एक तेल भंडार में विस्फोट हुआ और आग लग गई। उन्होंने कहा कि आग को जल्दी बुझा दिया गया और कोई हताहत नहीं हुआ। रिपोर्ट की पुष्टि करना तुरंत संभव नहीं था।

नरेंद्र मोदी के अब ...

लोकसभा चुनाव के बाद बैठकें की हैं। मोदी ने बुधवार को इस्तीफा दे दिया और अपने शपथ समारोह से पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना पत्र सौंप दिया। राष्ट्रपति ने प्रधान मंत्री और मंत्रिपरिषद के रूप में उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया और उनसे नई सरकार के कार्यभार संभालने तक अपने पद पर बने रहने का आग्रह किया। इसके अलावा, पहले दिन में यह खबर आई थी कि तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू, जिनके रविवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने की संभावना थी, अब 12 जून को शपथ लेंगे। नरेंद्र मोदी के शपथ समारोह के कारण, जो उस समय शनिवार (8 जून) को होने की उम्मीद थी।

असम की पांच विस और दो रास की सीटें हुईं खाली

गुवाहाटी (हिंस)। 18वीं लोकसभा चुनाव संपन्न होने के साथ ही असम की पांच विधानसभा और दो राज्यसभा की सीटें खाली हो गईं हैं। राजनीतिक दलों ने इन सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर चर्चा शुरू कर दी है। इन खाली हुई सीटों के लिए जल्द ही चुनाव कराए जाएंगे। संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में असम से चुने गए 14 सांसदों में से पांच असम विधानसभा के सदस्य हैं। इनमें से एक असम कैबिनेट में कैबिनेट मंत्री के रूप में भी काम कर रहे हैं। सांसद चुने गए पांच विधायकों में धोलाई के विधायक और परिवहन मंत्री परिमल शुक्लबैद्य, बिहाली के विधायक रंजीत दत्ता, सामागुरी के विधायक रकीबुल हुसैन, कोकराझाड़ विधायक जयंत बसुमतारी और बंगाईगांव के विधायक फणि भूषण चौधरी शामिल हैं। परिमल शुक्लबैद्य सिलचर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से, रंजीत दत्ता शोणितपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से, रकीबुल हुसैन धुबड़ी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से, जयंत बसुमतारी कोकराझाड़ लोकसभा क्षेत्र से और फणिभूषण चौधरी बरपेटा लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। राज्यसभा सांसद सर्बानंद सोनोवाल और कामाख्या प्रसाद तासा के भी इस लोकसभा चुनाव में लोकसभा सांसद चुने जाने के बाद असम में राज्यसभा की दो सीटें खाली हो गई हैं। सोनोवाल डिब्रूगढ़ लोकसभा सीट से और कामाख्या प्रसाद तासा नवगठित काजीरंगा लोकसभा सीट से निर्वाचित हुए हैं। ऐसे में असम विधानसभा की पांच सीटों पर उपचुनाव और राज्यसभा की दो सीटों पर चुनाव होना अवश्यंभावी हो गया है। अब स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि इन निर्वाचन क्षेत्रों में कौन किसको, किसको प्रोजेक्ट करेगा ? इसकी चर्चा शुरू हो गई है। विशेष रूप से, बंगाईगांव और सामागुरी के दो विधानसभा क्षेत्रों पर सभी दलों का ध्यान विशेष रूप से केंद्रित है। फणिभूषण चौधरी ने बंगाईगांव विधानसभा क्षेत्र से असम विधानसभा के लिए लगातार आठ बार निर्वाचित होकर इतिहास रच दिया है। इसी तरह सामागुरी विधानसभा सीट से कांग्रेस के रकीबुल हुसैन का गढ़ रहा है, वे यहां से पांच बार विधायक चुने गए। यह देखना दिलचस्प होगा कि ये दोनों निर्वाचन क्षेत्र अब किसके हाथों में जाते हैं। वहीं, यह देखना दिलचस्प होगा कि बिहाली विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस और भाजपा के उम्मीदवार कौन-कौन होंगे। यह निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्गठन के बाद अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है। तेजपुर के निवर्तमान सांसद पल्लब लोचन दास ने इस बार चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा कर चुके हैं।

दिवंगत बिरुबाला के घर पहुंचकर मुख्यमंत्री ने व्यक्त कीं संवेदनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को ग्वालपाड़ा जिलांतर्गत ठाकुरबिला स्थित दिवंगत पद्मश्री डॉ. बिरूबाला राभा के आवास पर पहुंचकर अपनी संवेदना व्यक्त की। दरअसल, 13 मई को डॉ. बिरूबाला का निधन हो गया था। लोकसभा चुनाव की व्यस्तता के बाद मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा आज उनके घर पहुंचे और परिजनों मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने दिवंगत बिरूबाला के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 13 मई का दिन असमवासियों के लिए बहुत ही गहरा शोक का दिन था। उस दिन समाज से डायन की हत्या जैसी कुप्रथा को पुरी तरह से समाप्त करने और वैज्ञानिक मानसिकता से समाज को रास्ता दिखाने वाली पद्मश्री के सम्मान से अलंकृत बिरूबाला राभा का निधन हो गया था। बिरूबाला राभा ने समाज के जीवन में जो योगदान दिया है, उसका आकलन आने वाले समय में पीढ़ियों तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न व्यस्तता के कारण उनके परिवार तक अपनी संवेदना व्यक्त करने का अवसर नहीं मिला। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के साथ मैं खड़ा रहूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा पूरा मानना है कि बिरूबाला राभा के आदर्शों और कार्यों को अगर हम कायम रख सकें तो यही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस दिशा में हम भी अपनी सरकार से आवश्यक कदम

बेहोशी की हालत में मिला चालक, कार लेकर चोर फरार

होजाई (हिंस)। शिवसागर जिले के आमगुड़ी निवासी कार चालक को बेहोशी की हालत में होजाई जिलांतर्गत लमडिंग रेलवे स्टेशन के समीप से बरामद कि जाने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार कार चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया है। पुलिस इस मामले की गुत्थी को सुलझाने में लगी हुई है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि शिवसागर जिलांतर्गत आमगुड़ी निवासी पलाश दत्त नामक व्यक्ति को बेहोशी की हालत में लमडिंग रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर पाया गया। जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। होश में आने पर पलाश दत्त ने पुलिस को बताया कि उसकी कार (एएस-03एफ-5484) लमडिंग स्टेशन से वाहन चोर लेकर फरार हो गए। लमडिंग स्टेशन पर खाना खाने के बाद पलाश दत्त बेहोश हो गया। जिसके बाद उसे रेलवे ट्रैक पर फेंककर चोर कार लेकर फरार हो गए। घटना के संबंध में पलाश द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस कार चोरी मामले में शामिल चोरों की तलाश कर रही है।

धेमाजी में हेरोइन के साथ आठ गिरफ्तार, हेरोइन बरामद

धेमाजी (हिंस)। धेमाजी सदर पुलिस ने धेमाजी में हेरोइन के साथ के आठ युवकों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनर सहित 19.2 ग्राम हेरोइन जब्त की गई। पुलिस ने आज बताया कि सभी युवकों को पुलिस ने ड्रग्स के नशे के आदी होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उन्हें धेमाजी सदर थाना से लगभग दो किमी दूर तुलसीबाड़ी में एक गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार युवकों की पहचान कृष्णा सैकिया (26), सचिंद्र सुतिया (35), बिनोद दिहिंगिया (21), दीपज्योति संगमा (19), भरत बोरा (19), मोंटू बोरा (24), शाहिदुल इस्लाम (40) और सद्दाम हुसैन (25) के रूप में हुई है। इनमें से शाहिदुल इस्लाम और सद्दाम हुसैन नगांव जिले के रहने वाले हैं। ये दोनों मछली के व्यापार के सिलसिले में धेमाजी में रहते हैं। उनके पास से प्रतिबंधित नशीले पदार्थों के साथ छह मोबाइल फोन और एक बाइक जब्त करने में पुलिस ने कामयाबी हासिल की। पुलिस गिरफ्तार युवकों से पूछताछ कर रही है।

मारवाड़ी सम्मेलन प्रांतीय नेतृत्व ने किया रंगिया का दौरा

रंगिया। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, संगठन मंत्री मनोज काला, प्रान्तीय सहायक मंत्री माखनलाल अग्रवाला ने गत बुधवार की संध्या रंगिया शाखा का अनोपचारिक दौरा किया। मारवाड़ी सम्मेलन रंगिया शाखा के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, सचिव जितेन्द्र जाजोदिया ने सदस्य निर्मल सीकरिया के साथ हरिराम क्याल के निवास स्थान पर अगुवाई की। जहां रंगिया महिला मंडल की संयोजिका श्रीमती कांता क्याल की उपस्थिति मे विभिन्न सांगठनिक मुद्दो पर चर्चा की गई। प्रांतीय पदाधिकारियो ने वर्तमान रंगिया शाखा द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों की प्रशंसा की तथा सदस्यता विस्तार से लेकर सामाजिक समरसता आदि विषयो पर चर्चा के बाद जलपान के साथ बैठक संपन्न की गई। (नि सं)

पुत्र के हमले में गंभीर रूप से घायल पिता की इलाज के दौरान मौत

दरंग (हिंस)। दरंग जिलांतर्गत सिपाझाड़ में पुत्र के द्वारा धारदार दाव से किए गए हमले में गंभीर रूप से घायल पिता की देर रात इलाजरत अवस्था में मौत हो गई। ज्ञात हो कि सिपाझाड़ के ग्वालझाड़ गांव में मंगलवार की रात शशांक शर्मा ने धारदार दाव से अपने माता-पिता पर जानलेवा हमला किया था। गंभीर रूप से घायल माता-पिता को गुवाहाटी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर इलाज के दौरान पिता इंद्रकांत शर्मा की बीती देर रात को मौत हो गई। इंद्रकांत की पत्नी का अभी भी गंभीर अवस्था में इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार पति-पत्नी दोनों को गंभीर हालत में सिपाझाड़ से गुवाहाटी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

हिंदी बाल फिल्म *यू आर माइन* का पोस्टर जारी

गुवाहाटी (हिंस)। सुबीर राजीब प्रोडक्शंस और रैट रेस फ्रेम्स के सहयोग से बनी फिल्म फिल्म *यू आर माइन* का पोस्टर गुवाहाटी में जारी किया। गुरुवार को हुए इस कार्यक्रम में अभिनेत्री सुष्मिता मुखर्जी और मिश्मी की मुख्य भूमिका में सुपर डांसर ख्यात बाल कलाकार फ्लोरिना गोगोई, अथर्व विश्वकर्मा, संकलिता राय, सिद्धार्थ मुखर्जी, पार्थ दत्ता सहित कलाकार और क्रू सदस्य मौजूद रहे। सुमन अधिकारी की निर्देशित और सुबीर दत्ता की निर्मित *यू आर माइन* असम के माजुली की खूबसूरत जगह पर बनी एक दिल को छू लेने वाली कहानी है। यह कहानी एक 12 वर्षीय लड़की मिश्मी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे उसके गांव के लोग बहुत प्यार करते हैं। छोटी उम्र में अनाथ हो गई मिश्मी अपनी प्यारी नानी के साथ रहती है। वह प्रकृति और अपने सपनों से गहरा जुड़ाव रखती है। मासूमियत और कल्पना से भरी उसकी जिंदगी एक मार्मिक मोड़ लेती है, जब वह अपने सपनों और अपनी दुनिया की वास्तविकताओं को समझती है। फिल्म को संकलिता रॉय ने लिखा है और सुमन अधिकारी, राजीब रॉयचौधरी और दुदुल सैकिया का संगीत और गीत सुमन अधिकारी ने लिखे हैं।

चोरी और डकैती मामले में शामिल आठ गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के हेलेम इलाके में पुलिस की एक टीम ने अभियान चलाकर चोरी और डकैती मामले में शामिल शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गोहपुर के हेलेम में एक बड़े डकैतों के गिरोह को पकड़ा गया है। हेलेम पुलिस ने ट्रक एवं स्कार्पियों सहित आठ शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। हेलेम पुलिस ने उत्तरी असम के सबसे बड़े चोरों के गिरोहों में से एक का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह उपरी असम के विभिन्न हिस्सों में डकैती और चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। हेलेम थाना क्षेत्र के ब्रह्मजान में एक अंग्रेजी शराब की दुकान को लूटने की योजना बनाते समय आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया।

बोकाजान में आठ करोड़ की 40 हजार याबा टैबलेट जब्त

कार्बी आंगलोंग (हिंस)। बोकाजान में 40 हजार याबा टैबलेट को पुलिस ने जब्त कर लिया है। टैबलेट के साथ एक महिला समेत दो तस्करों को गिरफ्तार भी किया गया है। पुलिस ने आज बताया कि बोकाजान पुलिस के नशा विरोधी अभियान के दौरान बोकाजान के डिलाई में भारी मात्रा में याबा की गोलियां जब्त की गईं। डिलाई पुलिस ने नाका तलाशी के दौरान डिमापुर से आ रही (एएस-14ई-9137) नंबर की एक ऑल्टो गाड़ी से याबा की 40 हजार गोलियां जब्त कीं।

लग्जरी वाहन से पशुओं की तस्करी

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी थाने की पुलिस मवेशी तस्करों के खिलाफ जो मजबूत भूमिका निभा रही है, उसके बीच तस्कर नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। धुबड़ी जिले के गोलकगंज इलाके में तस्कर लक्जरी वाहनों के जरिए मवेशियों की तस्करी की कोशिश की। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर गोलोकगंज पुलिस ने बीती रात छापा मारा और लग्जरी वाहनों सहित पांच मवेशियों को छुड़ाया। गोलकगंज के उत्तर रायपुर में रास्ट्रीय राजमार्ग-17 पर, गोलकगंज पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गौरीपुर की ओर आते समय टाटा इंडिगो वाहन (एएस-01बीजे-8620) को रुकने का आदेश दिया। लेकिन, पुलिस के आदेश को धता बताते हुए तस्कर कार रास्ट्रीय राजमार्ग-17 पर तेज रफ्तार से भागने लगे।

रंगिया में विभिन्न संगठनों ने किया पौधरोपण

रंगिया (निसं)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अपराह्न करीब 3.30 बजे कामरूप जिला संवाददाता संस्था ने रंगिया प्रेस क्लब के सहयोग से रंगिया के तुलसीबाड़ी स्थित ऐतिहासिक आरिमत्त गढ़ परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस को केंद्रीय रूप से मनाया गया। जिसके लिये आयोजित आम सभा मे रंगिया के महकमाधिपति देवाशिष गोस्वामी, महकमा पुलिस अधिकारी विश्वजीत डेका, आसू के केंद्र कार्यालय सचिव भवज्योति डेका, वरिष्ठ समाजसेवी व रंगिया राईजमेल कृषक शहीद भवन के सचिव पविन कलिता, पवित्र कलिता, आरिमत्त भवन के अध्यक्ष ननीधर कलिता के साथ काफी संख्या मे समाजबंधुओ ने भाग लिया। वही रंगिया सदर थाना के प्रभारी अजम बर्मन, तुलसीबाड़ी पुलिस चौकी के प्रभारी प्रांजल नाथ, आसू की कामरूप जिला समिति के सलाहकार गोलोक राजवंशी, रेड क्रास सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. खबीरूद्दीन अहमद, मारवाड़ी सम्मेलन रंगिया शाखा के

अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, मारवाड़ी युवा मंच रंगिया शाखा के अध्यक्ष आशिक सुरेका की उपस्थिति मे आरिमत्त गढ़ की वर्तमान स्थिति व पर्यावरण दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला। वही ऐतिहासिक गढ़ परिसर पर करीब तीस पौधो का रोपण तथा सुरक्षा की व्यवस्था की गई। इस कार्यक्रम मे कामरूप जिला पत्रकार संस्था के अध्यक्ष प्रकाश डेका तथा रंगिया प्रेस क्लब के अध्यक्ष जितेन्द्र जाजोदिया ने फारूक हुसैन, अंकुर कलिता, तृष्णा दास, तन्मय दास, भास्कर कलिता, महेंद्र कलिता के साथ सक्रिय सहयोग किया। वही मारवाड़ी सम्मेलन तथा मारवाड़ी युवा मंच, रंगिया शाखा ने रंगिया प्रेस क्लब के सहयोग प्रत्येक महिना फलों के वृक्ष हेतु पौधरोपण करने की घोषणा किया।

साईकिल पर ले जा रहे अवैध ईमारती लकड़ी जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली के बाह्य सीमा चौकी टुकड़ावस्ती को मिली गुप्त सूचना के आधार पर भारत-भूटान पिलर संख्या-166/3 से लगभग 10 किलोमीटर भारत की ओर सशस्त्र सीमा बल व वन विभाग रूनीखाता की संयुक्त टीम के द्वारा समुदिशा-2 फॉरेस्ट एरिया में रात्रि गस्ती अभियान चलाया गया, जिस दौरान अवैध रूप से कटे हुए (लगभग 685 सीएफटी) लकड़ियों को छः साईकिल पर लाद कर ले जा रहे लकड़कट्टों को देख कर टीम ने उनका पीछा किया, अपनी ओर आ रहे एसएसबी और फॉरेस्ट की टीम को देखते ही लकड़कट्टे साइकिल और उसमें लदी लकड़ियों को छोड़कर जगंल मे भाग गए. तदोपरान्त उनकी खोज टीम द्वारा की गई परन्तु वे नहीं मिले। कटी हुई लकड़ी व साइकिलों को जब्त किया गया। जब्त किए गए लकड़ी व साइकिलों को वन विभाग कार्यालय रूनीखाता को अग्रिम कार्रवाई हेतू सूपुर्द कर दिया गया। वही पिलर संख्या-166/2 से लगभग 9.5 किलोमीटर भारत की ओर सीमा चौकी टुकड़ावस्ती व फॉरेस्ट बीट ऑफिस देवश्री की संयुक्त टीम के द्वारा कुसूमदिशा-2

फॉरेस्ट एरिया में रात्रि गस्ती अभियान के दौरान टाटा पिकअप वाहन (नं.-एएस -15सी-4714) पर लादे लगभग 190 सीएफटी इमारती लकड़ी को जब्त किया गया है। जब्त किए गए लकड़ी व पिकअप वाहन को फॉरेस्ट बीट ऑफिस देवश्री को अग्रिम कार्रवाई हेतू सूपुर्द कर दिया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर भारतीय वन क्षेत्रों में गस्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

महिलाओं के लिए लायंस उमंग की स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला आयोजित

गुवाहाटी। मानव एवं समाज सेवा के साथ-साथ महिलाओं के उत्थान में जुटी लायंस क्लब का गुवाहाटी उमंग की ओर से महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में सदस्याओ ने हिस्सा लिया। इस मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में जानी-मानी गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. कंचन मुरारका ने महिला संबंधित विभिन्न रोगों के संदर्भ में सदस्ययाओ को जागरूक किया। साथी उन्होंने स्त्री रोग से संबंधित विभिन्न बीमारियों के निवारण की अहम जानकारियां भी साझा की। अध्यक्ष कंचन पोद्दार ने बताया कि इससे पूर्व क्लब की 11वीं कार्यकारिणी एवं साधारण सभा का आयोजन किया गया, जिसमें पिछले कुछ महीनो में हुए कार्यों की जानकारी दी गई। इस बैठक में भावी कार्यक्रमों के अलावा कई अन्य मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर लायंस जिला 322 जी की जिलापाल (निर्वाचित) सीमा गोयनका, अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी, पायल चड्ढा, उर्वशी गर्ग, प्रीति भजनका, रितु बांका, श्वेता खंडेलिया, डॉ. कंचन मुरारका, सरिता गाड़ोदिया, आशा मुरारका, संगीता भड़ेच, नीलम जालान, सरोज खेतान, संतोष मिंडा, रेनू अग्रवाल, शीतल जैन, निशा जिंदल, दीपाली हंसारियां, सरोज जालान, ज्योति खेमका, अनिमा गोयल, माया दूधोरिया, सविता गोयल, शालू चौधरी, शालू अग्रवाल आदि सदस्याए मौजूद थी।

कामरूप जिला पत्रकार संघ ने मनाया पर्यावरण दिवस

रंगिया (विभास)। कामरूप जिला पत्रकार संस्था के सौजन्य से तथा रंगिया प्रेस क्लब और स्थानीय विभिन्न स्वेच्छा सेवी संगठनों के सहयोग से बुधवार को रंगिया के तुलसीबाड़ी स्थित आरिमत्तों गढ़ में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में रंगिया के महकमाधिपति देबाशीष गोस्वामी, महकमा पुलिस अधिकारी विश्वजीत डेका, रंगिया थाना प्रभारी अजय बर्मन, रायजमेल कृषक शहिद स्मृति रक्षा समिति के सचिव तथा सेवानिवृत अध्यापक पबिन कलिता, कामरूप जिला पत्रकार संस्था के अध्यक्ष प्रकाश डेका, रंगिया प्रेस क्लब के अध्यक्ष जितेंद्र जाजोदिया सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अध्यापक पबिन कलिता ने कहा कि यदि मानव जाति को जीवित रखना है तो हमें प्रकृति की रक्षा करनी होगी। रंगिया के स्वाभिमान ऐतिहासिक आरिमत्तो गढ़ के संगरक्षण की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि इतिहासिक इस गढ़ की रक्षा नहीं कर पाने से हमारी जाती का परिचय जीवित नहीं रह पाएगा। वहीं दूसरी ओर रंगिया के महकमाधिपति देवाशीष गोस्वामी ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि वातावरण में पेड़ों की कमी और ग्लोबल वार्मिंग होने के फलस्वरूप गर्मी ने मनुष्य का जीवन को दयनीय बना दिया है,

उन्होंने टिप्पणी करते हुए लोगों से पर्यावरण को प्रदुषण से बचाने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करने के अलावा सभी को प्लास्टिक का वर्जन करने का आह्वान किया। ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के संबंध में उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी गढ़ का इतिहास नहीं जानती, दिन-ब-दिन यह धरोहर खत्म होती जा रही है इसके बचाव के लिए हम सभी के साथ नई पीढ़ी को भी आगे आना होगा। कार्यक्रम में उपस्थित रंगिया महकमा पुलिस अधिकारी विश्वजीत डेका ने आरिमत्तों गढ़ का इतिहास जानकर गर्व महसूस किया और समाज को प्रदुषण मुक्त करने के साथ आरिमत्तों गढ़ के विकास में सहयोग करने का आश्वासन देते हुए उन्होंने एक टिप्पणी की। आरिमत्तों भवन, तरनी के अध्यक्ष ननिधर कलिता ने इस कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा कि सरकार ने ऐतिहासिक आरिमत्तों गढ़ को संरक्षित करने के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया था, परन्तु अभी तक सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। मौके पर अखिल असम छात्र संस्था के कार्यालय सचिव भवज्योति डेका, तुलसीबाड़ी बहुमुखी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्रभारी अध्यक्ष गीतारानी डेका, कामरूप जिला छात्र संस्था के सलाहकार गोलोक राजवंशी, बैद्यगढ़ आंचलिक छात्र संस्था के महासचिव नवज्योति कलिता, रंगिया रेड क्रॉस सोसाइटी के मुख्य सचिव डॉ. खबीरुद्दीन अहमद, शंकरदेव शिशु निकेतन, तुलसीबाड़ी के प्राचार्य सोमनाथ दत्त, रंगिया सदर थाना प्रभारी अजय बर्मन, तुलसीबाड़ी पुलिस चौकी के भारप्राप्त अधिकारी प्रांजल नाथ, रंगिया एस. डी. इलेक्ट्रॉनिक्स के मालिक सलाम अहमद, मारवाड़ी युवा मंच रंगिया शाखाध्यक्ष आशिक सुरेका, मारवाड़ी सम्मेलन की रंगिया शाखा के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, सामाजिक कार्यकर्ता उमेश कलिता, तुलसीबाड़ी जातीय विद्यालय के कार्यवाहक अध्यक्ष भास्कर कलिता, वरिष्ठ नागरिक पवित्र कलिता, रंगिया आंचलिक पंचायत की पूर्व अध्यक्ष शिप्रा दास, सामाजिक कार्यकर्ता रमजान अली, लाचित ज्योति संघ और गुवाहाटी के मणिकंचन सोसाइटी के पदाधिकारियों ने भी भाग लेकर पौधरोपण किया । कामरूप जिला पत्रकार संस्था के अध्यक्ष प्रकाश डेका द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में सचिव तारणी चरण कलिता, रंगिया प्रेस क्लब के अध्यक्ष जितेंद्र जाजोदिया और सचिव फारूक अहमद ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां तेज, ऐतिहासिक पल के साक्षी होंगे कई राष्ट्राध्यक्ष, दुनियाभर से बधाइयों का तांता

नई दिल्ली, (हि,स,)। अठारहवीं लोकसभा चुनाव के बाद लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद संभालने जा रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता नरेन्द्र मोदी के सप्ताहांत होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। पड़ोसी देशों के कई राष्ट्राध्यक्ष इस ऐतिहासिक पल के साक्षी होंगे। अभी तक नेपाल, भूटान, श्रीलंका और बांग्लादेश के राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित किया गया है। शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों के बीच बताया गया है कि आमंत्रित किए जाने वाले विदेशी नेताओं में बांग्लादेश, श्रीलंका, भूटान, नेपाल और मॉरीशस के शीर्ष नेता शामिल हो सकते हैं। इस बीच श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के मीडिया विभाग ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति को शपथ ग्रहण समारोह के लिए आमंत्रित किया है और विक्रमसिंघे ने आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। प्रधानमंत्री मोदी की बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से फोन पर बात हुई है। राजनयिक सूत्रों का कहना है कि इस बातचीत में मोदी ने हसीना को भी शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री मोदी की नेपाल के प्रधानमंत्री से भी बातचीत हुई और उन्हें औपचारिक निमंत्रण आज भेजा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि 2014 में नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में सार्क देशों के नेता उपस्थित हुए थे। द्वितीय कार्यकाल के श्रीगणेश पर 2019 के शपथ ग्रहण समारोह में बिम्सटेक देशों के नेता शामिल हुए थे। इस बीच भाजपा के शीर्ष नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 18वीं लोकसभा के चुनाव में जीत हासिल करने पर विश्व के नेताओं से बधाई संदेश मिलने का सिलसिला जारी है। वह लगातार शुभकामनाओं के लिए एक्स हैंडल पर आभार भी ज्ञापित कर रहे हैं। उन्होंने लातविया के राष्ट्रपति का आभार जताते हुए कहा है कि आपके गर्मजोशी भरे संदेश के लिए धन्यवाद। हम लातविया के साथ अपनी दोस्ती को महत्व देते हैं और इस साझेदारी को और गहरा करने के लिए तत्पर हैं। मॉरीशस गणराज्य के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ की एक्स पोस्ट के जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ जी आपके हार्दिक संदेश के लिए धन्यवाद। मॉरीशस हमारी पड़ोसी प्रथम नीति, विजन सागर और ग्लोबल साउथ के लिए हमारी प्रतिबद्धता के बीच महत्वपूर्ण भूमिका

निभाता है। मैं हमारी विशेष साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने के लिए मिलकर काम करने की आशा करता हूं।" भूटान के प्रधानमंत्री त्सेरिंग तोबगे की पोस्ट के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा, "मेरे मित्र प्रधानमंत्री त्सेरिंग तोबगे आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। भारत-भूटान संबंध निरंतर मजबूत होते रहेंगे।" नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड की पोस्ट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "प्रधानमंत्री कॉमरेड प्रचंड जी आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। भारत-नेपाल मैत्री को मजबूत करने के लिए निरंतर सहयोग की आशा है।" श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की पोस्ट के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा, "धन्यवाद, श्री रानिल विक्रमसिंघे। मैं भारत-श्रीलंका आर्थिक साझेदारी पर हमारे निरंतर सहयोग की आशा करता हूं।" श्रीलंका के कार्यकारी राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे की पोस्ट के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा, "आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद, मेरे मित्र महिंदा राजपक्षे। जैसे-जैसे भारत-श्रीलंका साझेदारी नई ऊंचाइयों को छू रही है, मैं आपके निरंतर सहयोग की आशा करता हूं।" श्रीलंका के फील्ड मार्शल सरथ फोन्सेका की पोस्ट के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा, "धन्यवाद श्री सरथ फोन्सेका। श्रीलंका के साथ हमारे संबंध विशेष हैं। हम इसे और प्रगाढ़ तथा मजबूत बनाने के लिए श्रीलंका की जनता के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।" इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की पोस्ट के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा, "आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी। हम भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो साझा मूल्यों और हितों पर आधारित है। वैश्विक कल्याण के लिए मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।" मालदीव के राष्ट्रपति डॉ, मोहम्मद मुइजू की पोस्ट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "धन्यवाद राष्ट्रपति मोहम्मद मुइजू। मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में हमारा मूल्यवान साझेदार और पड़ोसी है। मैं भी अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए निकट सहयोग की आशा करता हूं।" जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस की पोस्ट के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा, "प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस, आपका धन्यवाद। भारत-जमैका संबंधों की पहचान सदियों पुराने लोगों के आपसी संबंधों से है। मैं अपने लोगों के कल्याण के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।" बारबाडोस की प्रधानमंत्री सुश्री मिया अमोर मोटली की पोस्ट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटली, आपका धन्यवाद। मैं अपने लोगों के कल्याण के लिए भारत और बारबाडोस के बीच एक मजबूत साझेदारी के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।"

लोकसभा चुनाव में 'एफएमओआर' से महाराष्ट्र में हुआ भाजपा को नुकसान

नागपुर, (हि.स.)। इस बार के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को नुकसान पहुंचाने वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र का नंबर आता है। राज्य में लोकसभा की 48 सीटों में एनडीए को 17 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। 2019 के चुनाव में 23 सीटें जीतने वाली भाजपा महज 9 सीटों पर सिमट गई। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक सुनील कुहीकर ने इस के लिए 'एफएमपओआर' यानी फारमर (किसान), मराठा आंदोलन, ओबीसी फैक्टर और रियूमर (अफवाह) इन चार मुद्दों को अहम करार दिया। देश में पहली बार 2014 में जब नरेन्द्र मोदी कि अगुवाई मे भाजपा ने हुंकार भरी थी तो किसी जमाने में कांग्रेस का गढ़ कहलाने वाला महा-राष्ट्र सत्ता की इमारत में लगे खंभे की तरह साथ खड़ा दिखाई दिया था। उस समय की अविभाजित शिवसेना और भाजपा ने राज्य में 48 में से 43 सीटें हासिल कर कांग्रेस और एनसीपी के छक्के छुड़ा दिए थे। मगर 4 जून को घोषित लोकसभा चुनाव के परिणाम में भाजपा और उसके सहयोगी दल शिवसेना (शिंदे गुट) एनसीपी (अजित पवार) सभी का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। नतीजतन भाजपा को 9, शिवसेना को 7 और एनसीपी (अजित पवार) को एक सीट हासिल हुई। वरिष्ठ पत्रकार सुनील कुहीकर का कहना है कि राज्य में किसान, मराठा आंदोलन, ओबीसी फैक्टर और अफवाहों के चलते भाजपा और उसके सहयोगी दलों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। बतौर कुहीकर राज्य के मराठवाड़ा में भाजपा एक भी सीट नहीं जीत पाई। इसकी अहम वजह मराठा आरक्षण आंदोलन है। राज्य सरकार ने जिस तरह आंदोलन को मैनेज किया, उसी वजह से उसे इस क्षेत्र की 8 सीटें खोनी पड़ी। आंदोलन

के दबाव में मराठा समाज का 10 प्रतिशत कोटा तो आ गया, मगर कोर्ट में फंस गया। एक समय ऐसा आया कि मराठा आरक्षण को लेकर राज्य के ओबीसी नाराज हो गए। ओबीसी समाज भाजपा का एक ठोस वोट बैंक रहा है, सो मराठा आरक्षण के राजनीतिक निहितार्थ भी निकाले गए। नतीजतन मराठा और ओबीसी दोनों भाजपा से नाराज हो गए। कुहीकर का मानना है कि इसका चुनाव पर खासा असर पड़ा है। साथ ही राज्य कि बड़ी आबादी खेती-किसानी से जुड़ी है। पश्चिमी महाराष्ट्र गन्ना बेल्ट, उत्तरी महाराष्ट्र प्याज, विदर्भ और मराठवाड़ा सोयाबीन और कपास के लिए जाना जाता है। सभी क्षेत्रों में किसानों की नाराजगी साफ देखी जा सकती है। किसान पहले से ही क्लाइमेंट चेंज की वजह से परेशान है और कृषि नीतियों से उसपर दोहरी मार पड़ रही है। चुनाव के दौरान विपक्ष की फैलाई अफवाह पर कुहीकर ने कहा कि राज्य में दलित आबादी लगभग 11 फीसदी है। प्रचार के दौरान यह आरोप लगे कि भाजपा संविधान बदलना चाहती है, आरक्षण छीन लेगी। ऐसी अफवाह से पार्टी को काफी नुकसान हुआ। वह कहते हैं कि कुछ कारण राजनीतिक भी रहे। शि-वसेना और एनसीपी का दो धड़ों में बटना और भाजपा की विचारधारा से अलग रहे अजित पवार का भाजपा के साथ बैठना जनता को नागवार गुजरा। पश्चिम महाराष्ट्र और कोंकण के लोग कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी के बेहद करीब हैं। भाजपा के बड़े नेता विदर्भ से आते हैं। नतीजतन इन इलाकों में भाजपा वैसी नहीं घुल पाई जैसे इंडी गठबंधन के दल हिले-मिले हुए हैं। इसके चलते शिवसेना और एनसीपी का टूटना और दो धड़ों में बांटा जाना लोगों को रास नही आया। ईडी और सीबीआई के छापों से भी लोग खासे नाराज नजर आए। बतौर कुहीकर इन सभी वजह से इस बार भाजपा और उसके सहयोगी दलों का चुनाव में काफी नुकसान हुआ है। इस अलावा उम्मीदवारों के चयन में भी भाजपा से चूक हुई है। कुहीकर ने आगाह किया है कि यदि लोकसभा चुनाव से सबक नहीं लिया गया तो आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए को और बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

चुनाव जनता का है, जनता ही लड़ती है, जनता ही जीतती है : प्रियंका गांधी वाड्रा

नई दिल्ली, (हि.स.)। एक दिन पहले कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने राहुल गांधी को लेकर एक भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। चुनाव के बाद बुधवार को यह उनका पहला पोस्ट था। इसी तरह का दूसरा भावुक पोस्ट गुरुवार को प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया एक्स पर उत्तर प्रदेश के कांग्रेस कार्यकताओं के लिए लिखा है, जिसमें उन्होंने कहा कि चुनाव जनता का है, जनता ही लड़ती है, जनता ही जीतती है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट लिखकर उत्तर प्रदेश (यूपी) के कांग्रेस कार्यकताओं का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने कार्यकताओं को सलाम किया है। सोशल मीडिया अकाउंट पर उन्होंने लिखा, यूपी कांग्रेस के मेरे सभी साथियों को मेरा सलाम। मैंने आपको धूप और धूल में

कड़ी मेहनत करते हुए देखा, आप झुके नहीं, आप रुके नहीं, कठिन से कठिन दौर में आपने लड़ने की हिम्मत दिखाई। आपको प्रताड़ित किया गया, आप पर फर्जी मुकदमे लगाये गये, जेल में डाला गया, बार-बार नजरबंद किया गया मगर आप डरे नहीं। कई नेता डर के चले गये, आप टिके रहे। प्रियंका गांधी ने लिखा, मुझे गर्व है आप पर और यूपी की जागरूक जनता पर, जिसने इस देश की गहराई और सच्चाई को समझा और हमारे संविधान को बचाने का ठोस संदेश पूरे भारत को दिया। आपने आज की राजनीति में एक पुराना आदर्श फिर से स्थापित किया है कि जनता के मुद्दे सर्वोपरि हैं, इनको नकारने की कीमत भारी होती है। चुनाव जनता का है, जनता ही लड़ती है, जनता ही जीतती है।"

दिल्ली जल संकट: सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश से 137 क्यूसेक पानी छोड़ने के लिए कहा

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश को कल से हर दिन 137 क्यूसेक पानी दिल्ली को छोड़ने का आदेश दिया है। जस्टिस प्रशांत मिश्रा की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने हरियाणा सरकार से कहा कि वह अपने क्षेत्र में पड़ने वाली नहर से पानी दिल्ली तक पहुंचने में सहयोग करे। सुप्रीम कोर्ट 10 जून को अगली सुनवाई करेगा। कोर्ट ने 10 जून तक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। आज सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की तरफ से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट को बताया कि कोर्ट के आदेश के मुताबिक हुई मीटिंग में हिमाचल प्रदेश पानी देने को तैयार है, लेकिन हरियाणा की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया। तब जस्टिस केवी विश्वनाथन ने हरियाणा सरकार की ओर से पेश विक्रमजीत बनर्जी से कहा कि अगर हम इतने गंभीर मुद्दे पर संज्ञान नहीं लेते हैं तो इसका क्या मतलब है। अगर जरूरत पड़ी तो इसके लिए हम मुख्य सचिव को कहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 3 जून को अपर यमुना रिवर बोर्ड से दिल्ली में जल संकट के मद्देनजर केंद्र, दिल्ली, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के प्रतिनिधियों की बैठक 5 जून को बुलाने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि यमुना रिवर बोर्ड की बैठक में इस बात पर विचार हो कि दिल्ली वालों को कैसे जल संकट से निजात मिल सकती है। सुनवाई के दौरान हिमाचल प्रदेश सरकार ने कहा था कि उसे दिल्ली को अतिरिक्त पानी देने में कोई परेशानी नहीं है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि दिल्ली में पानी की बबार्दी भी एक अहम मुद्दा है।

आपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर अकाल तख्त का संदेश, राजनीतिक रूप से मजबूत होना होगा

चंडीगढ़, (हि.स.)। आपरेशन ब्लू स्टार की 40वीं बरसी पर आज अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह ने कौम के नाम संदेश जारी किया। इसमें कहा गया है कि सिखों के मामलों पर दिल्ली की तरफ हाथ फैलाने की बजाए कि धर्म की सेध लेकर चलने वाली राजनीति को दोबारा खड़ा किया जाए। कौम खुद को राजनीतिक रूप से मजबूत करे। इस अवसर पर आयोजित शह-दी समागम में सांसद सरबजीत सिंह खालसा, पूर्व सांसद सिमरनजीत सिंह मान, संत बलजीत सिंह दादूवाल, मुतवाजी जत्थेदार ध्यान सिंह मंड, भाई जरनैल सिंह सखीरा, अमरबीर सिंह ढोट आदि मौजूद रहे। संदेश में कहा गया है कि अगस्त 1982 में सिखों को धर्म युद्ध मोर्चा के लिए मजबूर होना पड़ा। इसको कुचलने के लिए देश में आपातकाल के समय अकाली दल की तरफ से किए गए विरोध का बदला सिख कौम से लेने

के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1984 में 1 से 6 जून तक हरिमंदिर साहिब दरबार साहिब में भारतीय सेना की मदद से हमला करवाया। निहत्थे सिखों को निशाना बनाया गया। अकाल तख्त साहिब को खंडित किया गया। दमदमी टकसाल के 14वें मुखी जरनैल सिंह भिंडर-ावाला के नेतृत्व फौज का मुकाबला करते हुए शहादत पाई। यह सैन्य हमला सिख कौम के लिए तीसरा घल्लूघारा था। संदेश में आरोप लगाया गया है कि कौम के इंसाफ के लिए लड़ने वाले बंदी सिखों को दशकों पहले सजाएं पूरी होने के बावजूद जेलों से रिहा नहीं किया जा रहा है। श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने कहा कि सिख कौम और खालसा राज के कारण अंग्रेज हुकूमत 100 साल तक पंजाब पर राज नही कर पाई थी। इसे देखते हुए उस वक्त के नेताओं ने वादा किया था कि सिखों को अलग राज दिया जाएगा। मगर, ऐसा हुआ नहीं।

पंजाब में 2027 में बनेगी पंथक सरकार: जत्थेदार ध्यान सिंह मंड

चंडीगढ़, (हि.स.)। सरबत खालसा के माध्यम से बने अकाल तख्त साहिब के मुतवाजी जत्थेदार ध्यान सिंह मंड अपनी टकसाली फौज लेकर आज दरबार साहिब पहुंचे। इस अवसर पर संगरूर के पूर्व सांसद व अकाली दल अमृतसर के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान, फरीदकोट के सांसद सरबजीत सिंह खालसा तथा खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह का परिवार भी मौजूद रहा। मंड ने कहा कि पंजाब के लोगों ने खालिस्तानी विचारधारा को स्वीकार कर लिया है। पंजाब में दो सीटों पर पंथक सांसद चुने गए हैं। यह शिरोमणि अकाली दल बादल के अंत की शुरूआत है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब के लोगो को पंथक विचारधारा के साथ जोड़ा जाएगा। वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में पंथक सरकार बनेगी और पंजाब की विधानसभा में पंथक

विधायक बैठे हुए नजर आएंगे। पंथक विचारधारा के माध्यम से अब शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को बादलों से मुक्त करवाने के लिए भी लड़ाई लड़ी जाएगी। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में फरीदकोट से चुने गए निर्दलीय सांसद सरबजीत सिंह खालसा ने कहा कि राजनीतिक दलों ने मुझसे संपर्क किया है। मगर फरीदकोट की जनता से बात करके ही कोई फैसला लूंगा। रही बात कांग्रेस की, उनके कारण तो पिता बेअंत सिंह ने कुबार्नी दी, उनके साथ जाने के बारे में कैसे सोच सकता हूं। कांग्रेस को समर्थन देने का कोई सवाल ही नहीं पैदा होता।

बांग्लादेशी सांसद की हत्या का मामला, 27 दिनों बाद भी नहीं मिला शव

कोलकाता, (हि.स.)। बांग्लादेशी सांसद अनवारुल अजीम अनार का शव वारदात के 27 दिनों बाद भी नहीं ढूंढा जा सका है। कोलकाता में अनार 12 मई को आए थे और 13 मई से लापता थे। बाद में पता चला कि उनकी हत्या कर दी गई है, लेकिन अभी तक उनका शव नहीं बरामद किया जा सका है। सांसद के शव की तलाश जारी है। राज्य सीआईडी के एक सूत्र ने बताया कि गोताखोरों ने बागजोला नहर में खोज जारी रखा है, वहीं पुलिसकर्मियों के एक दल को जलाशय के पास झाड़ियों में शव के टुकड़े तलाश करने के काम में लगाया गया। अनार की स्थानीय न्यू टाउन इलाके के एक फ्लैट में कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि इस आरोपित ने बांग्लादेश के स-ांसद के शरीर को 80 टुकड़ों में काटा और उन्हें हल्दी के साथ मिला कर

न्यू टाउन के आसपास एक नहर सहित विभिन्न स्थानों पर फेंक दिया। राज्य सीआईडी (अपराध जांच विभाग) के एक अधिकारी ने कहा, तलाश आज (गुरुवार) भी जारी रहेगी। हम नहर के अन्य हिस्सों में भी तलाश जारी रखेंगे। हमारे सहकर्मियों ने नहर के किनारे झाड़ियों और अन्य इलाकों में भी तलाश की। उन्होंने बताया कि जांचकर्ता उस मांस की जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, जो न्यू टाउन स्थित फ्लैट के सेप्टिक टैंक से बरामद किया गया था। सांसद को आखिरी बार 13 मई को इसी फ्लैट में प्रवेश करते हुए देखा गया था। उन्होंने कहा, जांच से पता चला है कि अपराध में कई औजारों, मुख्य रूप से धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने इन्हें स्थानीय दुकानों से खरीदा था। हम गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर उनका पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस न्यू टाउन के उस फ्लैट से प्राप्त उंगलियों के निशान का मिलान करने की योजना बना रही है, जहां बांग्लादेशी सांसद की कथित रूप से हत्या की गई थी। अधिकारी ने बताया कि अनार की बेटी संभवतः अगले सप्ताह की शुरूआत में शहर पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि वे मांस की डीएनए जांच करवा कर उसका अनार की बेटी के साथ जल्द से जल्द मिलान कराने की योजना बना रहे हैं।

मोदी ने मेक्सिको की नवनिर्वाचित राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम को बधाई दी

नई दिल्ली, (हि.स.)। कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्लाउडिया शीनबाम को मेक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि मेक्सिको की पहली निर्वाचित महिला राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम को बधाई। यह मेक्सिको के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है और राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुअल

लोपेज ओब्रेडोर के शानदार नेतृत्व को भी श्रद्धांजलि है। मोदी ने कहा कि निरंतर सहयोग और साझा प्रगति की आशा है।

विश्व हिन्दी परिषद का उद्देश्य हिन्दी को राष्ट्र और विश्व भाषा बनाना

नई दिल्ली, (हि.स.)। विश्व हिन्दी परिषद की बैठक में हिन्दी को राष्ट्र और विश्व भाषा बनाने के संकल्प को दोहराया गया। गत दिवस हरियाणा भवन में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध अदिति महाविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. संध्या वात्स्यायन ने की। बैठक में 25-26 जुलाई को होने वाले श्री अरविन्द से संबंधित सम्मेलन की रूप-रेखा तैयार की गई। विश्व हिन्दी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय देश का अग्रणी विश्वविद्यालय है। इस नाते राष्ट्र उत्थान से संबंधित गतिविधियों में दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षकों का बढ़-चढ़ कर भाग लेना महत्वपूर्ण मायने रखता है। विश्व हिन्दी परिषद के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों की इस बैठक में परिषद के

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देवी प्रसाद मिश्र संगठन विस्तार से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं को रखा।

मिश्र ने कहा कि विश्व हिन्दी परिषद का उद्देश्य हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का प्रयोग तथा हिन्दी को अन्य भारतीय भाषाओं के समन्वय से आगे बढ़ाना है। कम से कम एक लाख लोगों से जुड़ना तथा हिन्दी को राष्ट्र एवं विश्व भाषा बनाना साथ अन्य भारतीय भाषाओं के उत्थान एवं विकास के लक्ष्य को जन आंदोलन बनाना परिषद का उद्देश्य है। बैठक में प्रो. ममता वालिया, प्रो. प्रदीप, प्रो. हंसराज सुमन, प्रो. शशि, डॉ. दीनदायल, डॉ. प्रतिभा राणा, डॉ. प्रवीण, कौशल पांडे, संजीत (शोधार्थी), अभिलाष (शोधार्थी), श्रीकान्त, प्रतिष्ठा,पारुल आदि ने प्रमुखता से अपनी बात रखी।

बढ़ती गर्मी में आग की घटनाओं को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय सख्त, राज्यों को दिशा-निर्देश का पालन करने की दी सलाह

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के डीजीएचएस डॉ. अतुल गोयल ने देश भर में विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं द्वारा अपनाए गए हीट वेव की स्थिति, आग और विद्युत सुरक्षा उपायों की तैयारियों का आकलन करने के लिए राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के साथ गुरुवार को एक आभासी बैठक की। इसमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गर्मी के मौसम में अस्पतालों में आग को रोकने के उपायों और हीटवेव तैयारियों की समीक्षा की। बढ़ती गर्मी में आग लगने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को सख्त कदम उठाने के निर्देश जारी किए। मंत्रालय ने राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से समर्पित हीट स्ट्रोक रूम,ओआरएस कॉर्नर सुनिश्चित करने और आईएचआईपी के माध्यम से निगरानी को मजबूत करने के लिए लगातार समीक्षा करने का आग्रह किया गया। इसके साथ राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों को सभी

स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं पर महत्वपूर्ण अग्नि और विद्युत सुरक्षा उपायों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने को कहा है। मंत्रालय ने कहा कि 27 मई 2024 को आईएमडी के पूवार्नुमान के अनुसार जून 2024 में दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक मासिक तापमान होने की संभावना है।

जून महीने के दौरान उत्तर पश्चिम भारत के अधिकांश क्षेत्रों और मध्य भारत के आसपास के हिस्सों में सामान्य से अधिक गर्मी वाले दिन रहने की संभावना है। इसलिए राज्य स्वास्थ्य विभागों को सलाह दी गई है कि वे गर्मी से संबंधित बीमारियों के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों की तैयारी को मजबूत करने पर दिशा निर्देश (एचआरआई) यानी क्या करें और क्या न करें और आ-ईईसी पोस्टर टेम्पलेट्स के साथ एक सार्वजनिक स्वास्थ्य सलाह जारी करें। गर्मी से होने वाली मौतों में शव पर-ीक्षण संबंधी दिशा-निर्देश देश भर के सभी एम्स और मेडिकल कॉलेजों में किया जाए। गर्मी के स्वास्थ्य प्रभावों को रोकने और प्रतिबंधित करने के लिए स्वास्थ्य सुविधा और एम्बुलेंस तैयारियों के मूल्यांकन के लिए चेकलिस्ट तैयार कर उसे सुनिश्चित करें।

अमावस्या पर भस्म आरती के दौरान हुआ भगवान महाकाल का विशेष श्रृंगार

उज्जैन, (हि.स.)। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के मंदिर में गुरुवार को ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल का रजत मुकुट, रुद्राक्ष की माला से श्रृंगार किया गया। भगवान महाकाल को शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुण्डमाल, रुद्राक्ष की माला के साथ सुगंधित पुष्प से बनी फूलों की माला धारण कराई की और फल व मिष्ठान का भोग लगाया गया। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर पुण्य लाभ कमाया। परम्परा के मुताबिक गुरुवार को तड़के चार बजे महाकालेश्वर मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का दूध, दही, घी, शक्कर, पंचामृत और फलों के रस से जलाभिषेक किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल

अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट, मुंड माला धारण करवाई गई। अमावस्या तिथि पर भस्मआरती में भगवान महाकाल के शीष पर सर्प विराजमान कराकर कुछ ऐसा श्रृंगार किया गया कि सभी श्रद्धालु देखते रह गए। भगवान महाकाल को त्रिपुंड लगाकर, रुद्राक्ष की माला पहनाकर और पूजन सामग्री से श्रृंगारित किया गया। इसके बाद महानिवार्णी अखाड़े की और से भगवान महा-काल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। लोगों ने नंदी महाराज का दर्शन कर उनके कान के समीप जाकर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण होने का आशीर्वाद मांगा। इस दौरान श्रद्धालुओं ने जय श्री महाकाल के जयकारे लगाए, जिससे पूरा परिसर गुंजायमान हो गया।

गुजरात के श्रद्धालुजनों ने भेंट की चांदी की दो सिल्लियां - गुरुवार को भस्म आरती में शामिल होने गुजरात के मेहसाणा से आए श्रद्धालु सिद्धराज सिंह चावड़ा ने भगवान महाकाल के दर्शन किए। साथ ही सत्तू गुरुजी की प्रेरणा से चांदी की दो सिल्लियां (वजन लगभग एक किलोग्राम) भगवान को अर्पित की। श्रद्धालु सिद्धराज सिंह ने बताया कि वे नियमित अंतराल से भगवान के दर्शन के लिए उज्जैन आते हैं। यहां उन्हें भगवान की साक्षात अनुभूति होती है और असीम शांति मिलती है। मंदिर के सहायक प्रशासनिक अधिकारी आरके तिवारी ने दानदाता का विधिवत रसीद प्रदान कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए राजद जिलाध्यक्ष ने अपने पद से दिया इस्तीफा

अररिया (हिंस)। अररिया से लोकसभा चुनाव में राजद प्रत्याशी शाहनवाज आलम के हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए राजद जिलाध्यक्ष मनीष यादव ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इस्तीफा राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह को पत्र प्रेषित कर दी है। पत्र की प्रतिलिपि उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद को प्रेषित की है। राजद जिला अध्यक्ष मनीष यादव ने प्रदेश अध्यक्ष को भेजे अपने पत्र में कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव के तुलना में इस बार राजद का परफॉर्मेंस बढ़िया रहा। वोट बैंक में एक लाख का इजाफा किया गया। राजद प्रत्याशी को 5 लाख 80 हजार 52 मत प्राप्त हुए और महज 20 हजार वोट के मामूली अंतर से चुनाव हार गए। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि यदि राजद को जीत मिलती तो उसका श्रेय उन्हें मिलता और ऐसे में जब हार हुई है।

खाली पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया तेज करें आयोगों को भेजें अधियाचन : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ (हिंस)। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के तत्काल बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को शासन स्तर के सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव अपने विभाग के शीर्ष अधिकारी हैं। विभाग से जुड़ी हर एक व्यवस्था, हर एक परियोजना, प्रत्येक प्रकरण के लिए आपकी जवाबदेही है। अत: समयबद्धता, गुणवत्ता सुनिश्चित करना आपकी जिम्मेदारी है। विभागीय मंत्रीगणों के साथ बेहतर संवाद-समन्वय बनाये रखें। जनहित के प्रकरणों को अनावश्यक लंबित न रखें। उन्होंने कहा कि जिन भी विभागों में रिक्तियां हैं और नियुक्ति की जानी हैं, वहां से तत्काल अधियाचन चयन आयोगों को भेजा जाए। नियुक्ति प्रक्रिया में सरलता के लिए ई-अधियाचन की व्यवस्था लागू की गई है, उसका उपयोग करें। नियुक्ति के लिए अधियाचन भेजने से पूर्व नियमावली का सूक्ष्मता से परीक्षण कर लिया जाए। चयन आयोगों से संपर्क बनाएं, त्रुटिपूर्ण अधियाचन न भेजें। चयन प्रक्रिया की समय-सीमा तय करें। वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही समाप्त होने वाली है। सभी विभागों द्वारा वर्तमान बजट में प्राविधानित धनराशि का यथोचित खर्च किया जाना सुनिश्चित किया जाए। समय से आवंटन और समय से खर्च होना चाहिए। वित्त विभाग द्वारा इसकी विभागवार समीक्षा की जाए। बजट आवंटन और खर्च के नियमों का सरलीकरण भी अपेक्षित है, इस पर यथोचित कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि जीएसटी संग्रह के प्रयासों को तेज करने की आवश्यकता है। फील्ड में तैनात अधिकारियों को टारगेट दें। इनके परफॉर्मेंस को ही इनकी पदोन्नति, पदस्थापना का आधार बनाया जाए। तकनीक का प्रयोग बढ़ाएं। कर चोरी किसी भी दशा में न हो। तेज गर्मी, लू का मौसम चल रहा है। ऐसे में पूरे प्रदेश में गांव हो या शहर, कहीं भी अनावश्यक बिजली कटौती नहीं होनी चाहिए। बिजली तभी कटे, जब बहुत जरूरी हो। ट्रांसफार्मर जलने, तार गिरने, ट्रिपिंग जैसी समस्याओं का अविलंब निस्तारण किया जाए। अधिकारी फोन अटेंड करें, कहीं भी विवाद की स्थिति न बनने पाए। यदि ऐसा हो तो वरिष्ठ अधिकारी तत्काल स्वयं मौके पर पहुंचें। सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध को कड़ाई से लागू करें। सेफ सिटी परियोजना से जुड़े कार्यों को समय से पूरा कराएं। नगरों में कहीं भी पेयजल का संकट न होने पाए। स्ट्रीट डॉग की समस्या का स्थायी समाधान तलाशें। सीएम योगी ने कहा कि बरसात के दृष्टिगत नालों की सफाई करा ली जाए। सिल्ट जमा न हो, ताकि बारिश में जलभराव न हो। मलिन बस्तियों में साफ-सफाई की अत्यधिक आवश्यकता है। यहां नियमित फॉगिंग भी कराई जाए। सॉलिड वेस्ट प्रबंधन के लिए ठोस प्रयास करें। खनन कार्य में संलग्न वाहनों में किसी भी दशा में ओवरलोडिंग न हो। यह नियमविरुद्ध भी है और दुर्घटनाओं का कारक भी बनता है। इस दिशा में सख्ती की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बालू, मोरम, गिट्टी जैसे उपखनिजों का आम आदमी से सीधा जुड़ाव है। अब बरसात के मौसम में खनन कार्य स्थगित रहेगा। ऐसे में यह सुनिश्चित कराएं कि इनकी कीमतों में अनावश्यक बढ़ोतरी न हो। विभिन्न विकास परियोजनाएं भी इससे प्रभावित होती हैं। उपखनिजों का कृत्रिम अभाव पैदा करने वाले कालाबाजारियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाए।

किडनी कांड के आरोपी डॉक्टर धनखड़ को जेल भेजा

झुंझुनू (हिंस)। झुंझुनू में किडनी पेशेंट महिला का गलत ऑपरेशन करने के आरोपित डॉ. संजय धनखड़ को गुरुवार को झुंझुनू कोर्ट में पेश किया गया। वहां से डॉक्टर को जेल भेज दिया गया। पुलिस ने डॉ. संजय धनखड़ को गुजरात के राजकोट से गिरफ्तार किया था। इसके बाद 5 जून को कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया था। रिमांड पूरा होने के बाद गुरुवार को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। झुंझुनू जिले के मंडावा थाना क्षेत्र के नूंआ गांव की रहने वाली ईद बानो का ऑपरेशन हुआ था। ईद बानो ने धनखड़ अस्पताल में ऑपरेशन कराया। डॉ. संजय ने ऑपरेशन के दौरान संक्रमित किडनी की जगह सही किडनी निकाल दी थी। डॉक्टर ने 15 मई को सर्जरी की। 17 मई को मरीज के यूरिन में मवाद आने लगा और दर्द बढ़ गया। परिजनों ने डॉक्टर से पूछा तो उसने जयपुर जाने को कहा और चेताया कि एसएमएस अस्पताल में सर्जरी के लिए कुछ मत बताना। परिजनों ने मरीज को 21 मई को जयपुर में भर्ती कराया। यहां जांच में पता चला कि बाईं ओर की किडनी निकाली है जबकि संक्रमण दाईं ओर की किडनी में था। इसके बाद महिला को छुट्टी दे दी गई थी। इसके बाद प्रशासन 30 मई को फिर से महिला को जयपुर के एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवाया है। अब महिला का इलाज जयपुर में चल रहा है। झुंझुनू जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने चिकित्सा विभाग को पत्र लिखा है, जिसमें राजस्थान मेडिकल काउंसिल से डॉ. धनखड़ का रजिस्ट्रेशन रद्द करने की सिफारिश की है। मामला उजागर होने के बाद धनखड़ हॉस्पिटल को सीज कर दिया है। साथ ही अस्पताल के रजिस्ट्रेशन को भी रद्द कर दिया है। किडनी कांड की जांच के लिए कलेक्टर ने पांच डॉक्टरों की कमेटी बनाई थी। कमेटी ने जांच में डॉ. संजय धनखड़ को दोषी माना है।

कंगना रानौत को थप्पड़ मारने वाली सीआईएसएफ कांस्टेबल निलंबित

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सांसद एवं अभिनेत्री कंगना रानौत को थप्पड़ मारने वाली महिला कांस्टेबल को सीआईएसएफ ने निलंबित कर दिया है। दिल्ली पहुंचने के बाद कंगना रानौत ने एक वीडियो जारी करके कहा कि वह सुरक्षित हैं, लेकिन उन्हें पंजाब में बढ़ रहे आतंकवाद और उग्रवाद की चिंता है। कंगना रानौत मंडी लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित होने के बाद आज दिल्ली जाने के लिए चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर पहुंचीं। सिक्योरिटी जांच के बाद कंगना जब अंदर प्रवेश करने लगीं तो सीआईएसएफ की महिला कांस्टेबल कुलविंदर कौर ने उन्हें थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद कुलविंदर कौर सिक्योरिटी कैबिन से बाहर आकर किसान आंदोलन के दौरान दिए गए कंगना के बयान पर

आपत्ति जताई। कुलविंदर ने कहा कि उसकी मां भी किसान आंदोलन में शामिल थी, लेकिन सौ रुपये दिहाड़ी पर नहीं गई थी। कुलविंदर कौर बैरीकेड के आसपास ऊंची आवाज में कंगना को धमकाते हुए घूमती रही, जिसे वहां मौजूद अन्य सुरक्षा कर्मियों ने हिरासत में ले लिया। इसके बाद कंगना चंडीगढ़ से दिल्ली के लिए रवाना हो गई। दिल्ली पहुंचकर कंगना रानौत ने एक वीडियो जारी करके कहा कि वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं, लेकिन उन्हें पंजाब में लगातार बढ़ रहे आतंकवाद व उग्रवाद की चिंता है। इस बीच सीआईएसएफ ने महिला कांस्टेबल कुलविंदर कौर को निलंबित करके विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है। सीआईएसएफ ने कुलविंदर कौर के खिलाफ स्थानीय पुलिस को भी शिकायत दे दी है। चंडीगढ़ एसपी (डिटेक्टिव) केएस संधू ने कहा कि सीआईएसएफ कमांडेंट ने मुझे बुलाया है, मैं जांच के लिए एयरपोर्ट जा रहा हूं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कंगना रानौत के मामले में कहा कि सीआईएसएफ के अधिकारियों ने इस मामले में जांच रिपोर्ट मांगी है।

लोस चुनाव : पीतल नगरी मुरादाबाद को 72 सालों में मिली पहली महिला सांसद

लखनऊ (हिंस)। 18वीं लोकसभा के गठन के लिए 2024 के आम चुनाव प्रदेश की दो ऐसी सीटें हैं जहां सात दशकों बाद पहली बार महिला प्रत्याशियों ने जीत का स्वाद चखा है। इनमें से एक सीट पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मुरादाबाद है। इस बार प्रदेश की 80 सीटों पर कुल 851 प्रत्याशियों ने अपनी किस्मत आजमाई थी। इसमें 80 महिला उम्मीदवार शामिल थीं। कुल 7 महिला प्रत्याशियों ने जीतकर कुर्सी पर कब्जा जमाया है। बता दें, लोकसभा सीटों के लिहाज से सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में 34 सीटें ऐसी हैं जहां आज तक कभी कोई महिला उम्मीदवार नहीं जीती। पीतल नगरी मुरादाबाद में पहला संसदीय चुनाव 1952 में हुआ। इस सीट पर अब तक हुए पिछले 17 चुनाव में किसी महिला को यहां का प्रतिनिधित्व करने का अवसर जनता ने नहीं दिया। आखिरकार 72 वर्षों बाद 2024 में मुरादाबाद से कोई महिला उम्मीदवार जीतकर दिल्ली पहुंची है। इस चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) की टिकट पर रुचिवीरा मैदान में थी। रुचिवीरा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी बीजेपी के कुंवर सर्वेश सिंह को 105, 762 वोटों के अंतर से शिकस्त दी। रुचिवीरा को 637, 363 (49.67त्न) वोट मिले। वहीं सर्वेश सिंह के खाते में 531, 601 (41.43 प्रशित) वोट हासिल हुए। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के मोहम्मद इरफान 92, 313 (7.19 प्रतिशत) वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे। चुनाव में 12 प्रत्याशी मैदान में थे, जिसमें 2 महिलाएं थी। चुनाव में कुल 12, 83, 185 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव में 62.30 फीसदी वोटिंग हुई। मुरादाबाद संसदीय सीट के 72 वर्षों संसदीय सफर में कुल 260 उम्मीदवारों ने चुनावी अखाड़े में अपनी किस्मत आजमाई। इसमें कुल 12 महिलाएं शामिल थीं। 1989 के चुनाव में पहली बार इंद्रा मोहिनी कांग्रेस की टिकट पर चुनाव में उतरी। इंद्रा को 163, 843 वोट मिले। वो दूसरे नंबर पर रही। 1991 के चुनाव में 27 प्रत्याशी मैदान में थे, जिसमें सिर्फ 1 महिला थी। निर्दलीय महिला प्रत्याशी विजय लक्ष्मी को 732 वोट मिले। 1996 के आम

चुनाव में कुल 37 प्रत्याशियों में इंद्रा मोहिनी अकेली महिला प्रत्याशी थी। इंद्रा मोहिनी को 19643 वोट मिले। वो चौथे नंबर पर रही। 1998 के चुनाव में जिम्मी उर्फ जमुना सैनी मैदान में उतरी। जिम्मी को 689 वोट हासिल हुए। 1999 के आम चुनाव में कांग्रेस की टिकट पर रीना कुमारी और निर्दलीय साधना ने अपनी किस्मत चुनाव मैदान में आजमाई। रीना को 63, 762 और साधना को 414 वोट मिले। 14वीं लोकसभा के वर्ष 2004 में हुए चुनाव में लेबर पार्टी सेक्यूलर (एलपी-एस) की टिकट पर आशापाल और निर्दलीय फईम अख्तर मैदान में उतरी। आशा को 5479 और फईम को 1548 वोट मिले। 2009 के आम चुनाव में रिंकी सैनी निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मैदान में थी। रिंकी को 2185 वोट मिले। 2014 के चुनाव में मुरादाबाद सीट से 18 प्रत्याशी मैदान में उतरे। कांग्रेस की टिकट पर बेगम नूर बानो ने अपनी किस्मत आजमाई। बेगम नूर बानो को 19, 732 वोट मिले। ये चुनाव बीजेपी के कुंवर सर्वेश कुमार ने जीता था। बेगम नूर बानो चौथे नंबर पर रही। 17वीं लोकसभा के चुनाव में कुल 12 प्रत्याशी मैदान में उतरे। इसमें एक भी महिला प्रत्याशी नहीं थी। चुनाव समाजवादी पार्टी (सपा) के डॉ. एसटी हसन ने जीता था। 18वीं लोकसभा के चुनाव नतीजों में जिन सात महिला प्रत्याशियों को जीत मिली है।

बाबूलाल मरांडी का हेमंत सोरेन पर पलटवार

कहा, जेल का खेल शुरू करने वाले खुद शिकार हो गए

रांची (हिंस)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेलों में कैदियों की बदतर और चिंताजनक स्थिति संबंधी बयान के लिए पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर पलटवार किया है। बाबूलाल ने कहा है कि जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सत्ता के अहंकार में सैकड़ों निर्दोषों को जेल में डाला। तब उन्हें ना तो मानवाधिकार का ख्याल आया, ना जेल के अंदर के बदतर हालात का। बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर इस आशय का बयान साझा करते हुए कहा कि लोगों को उठा कर जेल में डालने की हेमंत की बड़ी तमन्ना थी। ईश्वर का न्याय देखिए कि जिस *जेल के खेल* को उन्होंने शुरू किया, अपने कुकर्मों के कारण वह भी उसी का शिकार हो

गए। बाबूलाल ने हेमंत को जेल में पर्याप्त सुविधाएं दिए जाने को लेकर भी बात रखी है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि हेमंत सोरेन अब बेकार में ही मानवाधिकार और आदिवासी बंधुओं की चिंता में दुबले हुए जा रहे हैं। जब संथाल में सैकड़ों आदिवासी बेटियों को लव जिहाद में फंसाया गया, शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए, गाड़ियों से कुचला गया, तब उन्हें आदिवासियों की याद नहीं आई? मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को टैग करते हुए बाबूलाल ने कहा है कि अगर हेमंत को जेल में कथित यातनाएं दी जा रही हैं तो न्यायालय से अनुरोध कर वे अपने बैरक का सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करवाएं। बाबूलाल ने हेमंत को आश्वस्त करते हुए कहा कि जेल मैनुअल के अनुसार उन्हें सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए वे उनके पक्ष में खड़े रहेंगे। चंपाई सोरेन सरकार को जेल मैनुअल के अनुसार सारी सुविधाएं देने के लिए मजबूर कर देंगे। सोशल मीडिया (फेसबुक) के जरिए गुरुवार को हेमंत सोरेन की ओर से फादर स्टेन स्वामी को याद किया गया। इसमें चिंता जाहिर करते हुए कहा गया कि केंद्र सरकार द्वारा झूठे आतंकवाद के आरोपों पर न तो उन्हें जमानत मिली और न ही समुचित उपचार सुविधा। जेल की स्थितियों से उनका स्वास्थ्य बिगड़ा और स्टेन की मौत 5 जुलाई 2021 को हो गयी, जिस तरह से कमजोर वर्ग के लिए आवाज उठाने वाले स्टेन को उपेक्षा और अन्याय से चुप कराया गया, आज उसी तरह का जुल्म हेमंत के साथ हो रहा है। हेमंत सोरेन के इसी पोस्ट पर बाबूलाल मरांडी ने प्रतिक्रिया दी है।

पूर्ववर्ती कांग्रेस राज में भर्ती हुए राज्य कर्मचारियों की होगी जांच

जयपुर (हिंस)। राज्य सरकार ने पूर्व कांग्रेस सरकार के समय हुई सरकारी भर्तियों की जांच करवाने का निर्णय किया है। इसके लिए कार्मिक विभाग ने उन सभी संबंधित सरकारी विभागों को पत्र लिखा है, जिनमें पिछले पांच साल में कर्मचारियों की भर्तियां हुई हैं। आदेश के तहत पिछले पांच वर्षों में परीक्षाओं के जरिये बने लोकसेवकों की शैक्षणिक दस्तावेज की जांच की जाएगी। इसके लिए हर विभाग में एक इंटरनल कमेटी बनाए जाने के भी निर्देश दिए हैं। कार्मिक विभाग के प्रमुख शासन सचिव हेमंत गेरा की ओर से गुरुवार को विभिन्न विभागों को जारी आदेशों में लिखा गया है कि राज्य सरकार के ध्यान में लाया गया है कि विगत पांच वर्षों में विभिन्न विभागों में की गई भर्तियों में फर्जी शैक्षणिक योग्यता के दस्तावेज प्रस्तुत कर एवं डमी कैंडिडेट को परीक्षा में बैठाकर कतिपय अभ्यर्थियों द्वारा सरकारी नौकरियां प्राप्त की गई हैं। अत: प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए प्रत्येक विभाग द्वारा विगत पांच वर्षों में की भर्ती किए गए कर्मचारियों के संदर्भ में आंतरिक कमेटी गठित कर यह जांच कर लें कि परीक्षा देने वाला एवं नौकरी करने वाला लोक सेवक दोनों एक ही व्यक्ति हैं। साथ ही भर्ती किए गए कर्मचारियों के शैक्षणिक पात्रता के दस्तावेज एवं आवेदन के समय प्रस्तुत आवेदन पत्र, फोटों, हस्ताक्षर आदि की भी भली भांति जांच करवाई जाए। जांच के उपरांत जिन कर्मचारियों की भर्ती के संबंध में सूचना संदिग्ध प्रकट हो, उसकी सूचना स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप को उपलब्ध कराई जाए। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के पांच साल के कार्यकाल में पेपर लीक, डमी कैंडिडेट और नकल होने के प्रकरण काफी सामने आए। लाइब्रेरियन ग्रेड थर्ड, कनिष्ठ अभियंता सिविल, रीट 2021, पुलिस कॉन्स्टेबल 2021, वनरक्षक, वरिष्ठ अध्यापक ग्रुप ए, बी, सी परीक्षाओं के पेपर तो आउट हुए थे।

मुख्यमंत्री की दो टूक आमजन के कार्यों में अनदेखी कतई बर्दाश्त नहीं

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनाव आचार संहिता समाप्त होने के बाद गुरुवार को फिर से *जनता दर्शन* शुरू किया। मुख्यमंत्री योगी के सरकारी आवास पर बड़ी संख्या में पीड़ित पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर एक फरियादी के पास पहुंचकर उनकी पीड़ा जानी। फिर संबंधित अधिकारियों को तत्काल निस्तारण के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजन से जुड़े कार्य निश्चित समय सीमा में हों। किसी भी कार्यों में अनदेखी कतई बर्दाश्त नहीं होगी। जनता से जुड़े मुद्दे सरकार की प्राथमिकता में हैं। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में युवा भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर युवा से न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत परेशानी पूछी, बल्कि उनसे कई मुद्दों पर वार्तालाप भी किया। युवाओं ने विभिन्न मुद्दों पर उनके साथ बातें साझा कीं। मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देश दिया कि जनता से जुड़े जो भी मुद्दे न्यायालय में लंबित हैं, उनमें अपना पक्ष प्रस्तुत करते हुए प्रभावी पैरवी सुनिश्चित कराई जाए।

अन्याय से परेशान जनता ने उप्र और अयोध्या में भाजपा के खिलाफ वोट किया : अखिलेश यादव

लखनऊ (हिंस)। अयोध्या की जनता का मैं धन्यवाद देता हूं। उनका दु:ख दर्द आपने समय-समय पर देखा होगा। लोगों को मुआवजा नहीं दिया, अन्याय किया, इसीलिए अयोध्या और आसपास के क्षेत्र में जनता ने भाजपा के खिलाफ मतदान किया। यह बातें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कही। वे गुरुवार को दिल्ली में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। अखिलेश यादव ने कहा कि अग्निवीर व्यवस्था तुरंत खत्म होनी चाहिए। बहुत से नौजवान जिनको रोजगार नहीं मिल पाया और वह फौज में जाना चाहते थे, उन्हें उम्र की छूट भी देनी चाहिए। जनता ने मुद्दों पर वोट दिया। सरकारें बना करती हैं, गिरा करती हैं, सब गिनती का सवाल होता है। संविधान, आरक्षण और लोकतंत्र

मजबूत होना चाहिए। सपा अध्यक्ष ने कहा कि नेताजी रहते तो हमारे-आपके लिए, सबके लिए खुशी की बात होती।

बालगृह में बंद अतीक की बेटी को कोर्ट में पेश करने का निर्देश

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राजकीय बाल (बालिका) गृह सिंधी खेड़ा आश्रय लखनऊ में रह रही अतीक अहमद की बेटी आफरीन को शुक्रवार 7 जून को सवा दो बजे हर हाल में कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जे जे मुनीर तथा न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ ने आफरीन व एक अन्य की तरफ से दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याची का कहना है कि बाल कल्याण समिति की 20 दिसंबर 23 की रिपोर्ट पर याची आफरीन को बाल गृह में रखा गया।

पांच पुलिसकर्मी *कांस्टेबल ऑफ दी मंथ* के अवार्ड से सम्मानित

जयपुर (हिंस)। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने गुरुवार को पुलिस कमिश्नरेट में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले पांच पुलिसकर्मियों को *कांस्टेबल ऑफ दी मंथ* के अवार्ड से सम्मानित किया। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस का ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास-अपराधियों में भय की भावना जनता में साकार हो। इसके लिए जयपुर पुलिस लगातार प्रयासरत है। कांस्टेबल ऑफ दी मंथ पुरस्कार से पुलिसकर्मियों के मनोबल में बढोतरी के साथ-साथ पुलिसकर्मी बेहतर व सराहनीय कार्य करने के प्रेरित होंगे। कांस्टेबल ऑफ दी मंथ अवार्ड की शुरुआत मार्च माह से की गई थी।

फ्रांस की न्यायिक अधिकारी ने पति के साथ उतारी मां गंगा की आरती, गंगा किनारे श्रमदान भी किया

वाराणसी (हिंस)। काशी भ्रमण पर आई फ्रांस की न्यायिक अधिकारी रोमी सरकार ने गुरुवार को अपने पति और नमामि गंगे के सदस्यों के साथ दशाश्वमेध घाट पर मां गंगा की आरती उतारी। इसके बाद नमामि गंगे टीम के साथ घाट पर किनारे पड़े माला फूल और अन्य निर्माल्य को साफ करने के लिए श्रमदान भी किया। भारतीय मूल की न्यायिक अधिकारी ने दशाश्वमेध घाट से भव्य-दिव्य गंगा द्वार तक घाटों की नैसर्गिक सुंदरता देख इसकी सराहना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत के लिए गंगा महज नदी नहीं, बल्कि राष्ट्र की जीवनधारा है। नदियां संस्कृति की संरक्षक और संवाहक भी हैं। हमें मिलकर नदियों का संरक्षण करना है। इस दौरान न्यायिक अधिकारी के पति डॉ. सचिन रोहिला, कथक नृत्यांगना सोनी चौरसिया भी मौजूद रहीं। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि गंगा के प्रति हमारे जो सरोकार हैं, उसे समझना होगा। इसे ईमानदारी से निभाना भी पड़ेगा।

सुहाग की रक्षार्थ सुहागिन महिलाओं नें की वट वृक्ष की पूजा

बिहारशरीफ (हिंस)। पति की लंबी उम्र, तरक्की व सफलता के लिए हर सुहागिन महिला पूजा पाठ करती हैं। ईश्वर से सुहाग की रक्षा की कामना करते हुए महिलाएं उपवास भी रखती हैं। उन्हीं में से एक है वट सावित्री व्रत। सुहागिन महिलाओं के लिए ये व्रत बेहद ही खास होता है। इस दिन महिलाएं पूरे विधि-विधान से पूजा करते हुए सभी नियमों का पालन करती हैं। इस दौरान कुछ महिलाएं निर्जला उपवास रखती है। व्रत रखने के साथ-साथ सुहागिनें वट वृक्ष यानी बरगद के पेड़ की भी नियमनुसार पूजा करती हैं। गुरुवार को बिहारशरीफ शहर के विभिन्न मंदिरों के समीप वट वृक्ष की पूजा एवं आरती वंदना करके पति की लंबी आयु की कामना सुहागिनों ने की। बिहारशरीफ शहर के अलावा नालंदा जिला के सभी अनुमंडल, प्रखंडों व ग्रामीण क्षेत्रों में वट वृक्ष की पूजा श्रद्धा भाव से की गई। माना जाता है कि वट वृक्ष की पूजा करने से पति की लंबी आयु और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसमें

ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवों का वास होता है। इसलिए व्रत रखने वाली महिलाओं को तीनों देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। सौभाग्यवती भव का आशीर्वाद मिलता है। ज्योतिषाचार्य दिवाकांत पांडेय बताते हैं कि यदि आपके वैवाहिक जीवन में परेशानियां चल रही हैं तो इस दिन बरगद के पेड़ की पत्ति के साथ 21 परिक्रमा लगानी चाहिए। इसके अलावा बरगद के पेड़ के नीचे घी का दीपक जलाएं। जिससे मनोकामना पूर्ण होती है।

संपादकीय

अप्रत्याशित जनादेश

आम चुनाव का जनादेश बेहद अप्रत्याशित रहा। बेशक भाजपा-एनडीए के पक्ष में स्पष्ट बहुमत लगता है, लेकिन भाजपा अपने बूते बहुमत के जादुई आंकड़े को छूती नहीं लगती। भाजपा अभी तक 243 सीटों पर विजयी रही है, जबकि मतगणना जारी थी। बहुमत के लिए कमोबेश 272 का आंकड़ा अपेक्षित है। दूसरी ओर कांग्रेस 97 सीटें जीती थी। यह आंकड़ा 2019 की 52 सीटों से लगभग दोगुना है। यह आलेख लिखने तक 'इंडिया' गठबंधन ने 228 सीटें जीत कर देश को चौंका दिया है। भाजपा को सबसे बड़ा झटका उप्र में लगा, जहां वह 70 से अधिक सीटें जीतने की रणनीति पर काम कर रही थी, लेकिन अब आंकड़ा 35 के करीब थमता लगता है। सपा और कांग्रेस 40 सीटों से भी आगे थीं। उप्र ने भाजपा की स्पष्ट जीत के तमाम समीकरण उलट दिए हैं। पार्टी नेतृत्व समझ ही नहीं पा रहा है कि आखिर उप्र में ऐसा झटका क्यों लगा? उप्र के अलावा पश्चिम बंगाल में 'दीदी' का करिश्मा एक बार फिर चला और भाजपा सबसे शानदार जीत हासिल करने में नाकाम रही है। ममता बनर्जी की पार्टी 'तृणमूल कांग्रेस' कुल 42 सीटों में से 32 सीट पर निर्णायक तौर पर आगे थी। राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब आदि राज्यों में भी, भाजपा के लिए, खूब उलटफेर हुए। तमिलनाडु और पंजाब में तो भाजपा 'शून्य' रही है। दक्षिण भारत की पहली उम्मीद केरल साबित होता लगता है, जहां भाजपा 2 सीटों पर आगे थी। अब की बार आंध्रप्रदेश, केरल में भाजपा का खाता खुलता लग रहा है। हालांकि तेलंगाना में भाजपा बेहतर प्रदर्शन करती लग रही है, लेकिन कर्नाटक का प्रदर्शन वैसा नहीं रहा, जिसकी अपेक्षा थी। आंध्रप्रदेश में तेलुगूदेशम पार्टी-भाजपा गठबंधन को विधानसभा में प्रचंड बहुमत मिला है, लिहाजा नए मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू होंगे। बेशक गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड आदि राज्यों में भाजपा ने लगभग 'क्लीन स्वीप' किया है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा पहली बार बहुमत हासिल करने में नाकाम रही है। अब भाजपा आत्ममंथन करेगी कि अयोध्या वाली संसदीय सीट पर उसका प्रत्याशी क्यों पराजित हो गया? क्या राम मंदिर से अधिक प्रभाव अन्य जातियों और मुद्दों का रहा? बहरहाल अकेली भाजपा न तो 370 का लक्ष्य हासिल कर पाई और 400 पार तो बहुत दूर की कौड़ी है। हम अपने आलेखों में जिक्र करते रहे हैं कि संविधान बदलने और लोकतंत्र खत्म होने सरीखे मुद्दों ने उप्र, राजस्थान, हरियाणा जैसे राज्यों के ग्रामीण अंचलों में लोगों को सोचने पर विवश किया था, लिहाजा वोट भाजपा के पक्ष में नहीं डाले जाएंगे। ऐसा ही कुछ हुआ है कि भाजपा पराजित हुई है। इनसे आरक्षण का मुद्दा भी शंकित हुआ। उसके मद्देनजर भी वोट बदले गए। बेशक नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लें, क्योंकि भाजपा-एनडीए के पक्ष में फिलहाल 298 सीटों का समर्थन है। इनमें करीब 240 सीटें भाजपा की हैं और 227 सीटें कांग्रेस नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन के पक्ष में हैं। गौरतलब यह है कि टीडीपी की 16 और जद-यू की 14 सीटें एनडीए और मोदी सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने चंद्रबाबू नायडू से फोन पर बात की है। शरद पवार भी नायडू और नीतीश के संपर्क में बताए जाते हैं। क्या तोडफ़ोड़ का खेल शुरू हो गया है? क्या यह अनिश्चितता केंद्र सरकार की स्थिरता पर सवाल साबित हो सकती है? 2024 के जनादेश ने साबित किया है कि कांग्रेस इस देश से कभी भी खत्म नहीं की जा सकती। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी केरल की वायनाड और रायबरेली सीटों से जीत रहे हैं। कांग्रेस को इस चुनाव में 97 सीटें मिलती दिख रही हैं। इस चुनाव में अखिलेश यादव की सपा ने भी जबरदस्त जीत हासिल कर अपना नेतृत्व साबित किया है। अब ओडिशा में भी भाजपा सरकार बनेगी। जनता ने नवीन पटनायक के विकल्प के तौर पर भाजपा का शासन चुना है। कोई जीता, कोई हारा, लेकिन भारत देश का सबसे बड़ा लोकतंत्र निर्विवाद रूप से विजयी रहा। लोकसभा चुनाव का एक संदेश यह भी है कि आम आदमी पार्टी के पक्ष में सहानुभूति की कोई लहर नहीं चली। दिल्ली में सभी सात सीटें भाजपा जीत रही थी, जबकि पंजाब में भी आप कुछ खास नहीं कर पाई।

> भाजपा अभी तक 243 सीटों पर विजयी रही है, जबकि मतगणना जारी थी। बहुमत के लिए कमोबेश 272 का आंकड़ा अपेक्षित है। दूसरी ओर कांग्रेस 97 सीटें जीती थी। यह आंकड़ा 2019 की 52 सीटों से लगभग दोगुना है। यह आलेख लिखने तक 'इंडिया' गठबंधन ने 228 सीटें जीत कर देश को चौंका दिया है। भाजपा को सबसे बड़ा झटका उप्र में लगा, जहां वह 70 से अधिक सीटें जीतने की रणनीति पर काम कर रही थी, लेकिन अब आंकड़ा 35 के करीब थमता लगता है। सपा और कांग्रेस 40 सीटों से भी आगे थीं। उप्र ने भाजपा की स्पष्ट जीत के तमाम समीकरण उलट दिए हैं। पार्टी नेतृत्व समझ ही नहीं पा रहा है कि आखिर उप्र में ऐसा झटका क्यों लगा? उप्र के अलावा पश्चिम बंगाल में 'दीदी' का करिश्मा एक बार फिर चला और भाजपा सबसे शानदार जीत हासिल करने में नाकाम रही है। ममता बनर्जी की पार्टी 'तृणमूल कांग्रेस' कुल 42 सीटों में से 32 सीट पर निर्णायक तौर पर आगे थी। राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब आदि राज्यों में भी, भाजपा के लिए, खूब उलटफेर हुए। तमिलनाडु और पंजाब में तो भाजपा 'शून्य' रही है।

वर्ष बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी

पर्यावरण के बड़े खतरों से निपटने के लिये कोशिशें भी बड़ी हों

ललित गर्ग

> इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है।

इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिए यह खास दिवस मनाया जाता है और देश एवं दुनिया में पर्यावरण संरक्षण की याद दिलाई जाती है। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इस वर्ष बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। वर्तमान समय में पर्यावरण के समक्ष तरह-तरह की चुनौतियां गंभीर चिन्ता का विषय बनी हुई हैं। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इस बार पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है, जबकि अनेक देश युद्ध की विभीषिका के कहर से जूझ रही है और दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ता तापमान, असंतुलित पर्यावरण जैसी चिंताओं से रू-ब-रू है। पर्यावरण को समर्पित यह खास दिन हमें प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने एवं उसके प्रति संवेदनशील होने के लिए प्रेरित करता है। विश्व पर्यावरण दिवस 1974 से ही मनाया जाता है, जब संयुक्त राष्ट्र ने पहली बार इसकी घोषणा की थी। सऊदी अरब 2024 में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह की मेज़बानी करेगा, जिसका थीम होगी 'हमारी भूमि, हमारा भविष्य।' यह थीम भूमि और इकोसिस्टम को बहाल करने, जैव विविधता की रक्षा करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक सामूहिक प्रयास पर जोर देती है। इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस का विषय है 'भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता।' मानवता भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। इस वर्ष का विषय का फोकस 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है। ग्लोबल वार्मिंग का खतरनाक प्रभाव अब साफतौर पर दिखने लगा है। देखा जा सकता है कि गर्मियां आग उगलने लगी हैं और सर्दियों में गर्मी का अहसास होने लगा है। असंतुलित पर्यावरण विनाश का कारण बन रहा है। आजकल जब उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्से रेकार्ड गर्मी से तप रहे हैं तब पश्चिम बंगाल और केरल में भयानक बारिश हो रही है। इस तरह एक साथ इतनी तेज बारिश से नुकसान होता है। बढ़ते शहरीकरण विकास योजनाओं और जिंदगी से जुड़े हर क्षेत्र में पानी की जरूरतें बढ़ रही है। दूसरी तरफ पानी के कुदरती स्रोत कम होते जा रहे हैं। हमें पानी के इस्तेमाल के तौर-तरीकों में तुरंत बदलाव करते हुए संयम बरतने की जरूरत है। खेती में पानी के इस्तेमाल, पानी को इकट्ठा करने और उन्हें भूगर्भीय स्रोतों तक पहुंचाने के तौर-तरीकों और पानी के आम इस्तेमाल को बदलना होगा। नई सरकार को इस पर ज्यादा ध्यान देना होगा क्योंकि पानी की उपलब्धता के सारे समीकरण बदल गए हैं। तापमान का 50 डिग्री पार करना जटिल एवं गंभीर पर्यावरणीय घटना है। फ्रिज, एसी, कूलर और कारों की बिक्री बढ़ने से बिजली की खपत बढेगी। यह स्थिति कोयले, पेट्रोल, डीजल के इस्तेमाल को बढ़ायेगी। ऐसे में लगातार ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रही धरती और गर्म हो जाएगी। देश-दुनिया में गर्मी के नए रेकार्ड बनेंगे। इन दिनों कई शहरों का तापमान रेकार्ड तोड़ चुका है। इससे दिहाड़ी मजदूर, किसान और मेहनतकश लोगों को जूझना पड़ रहा है। वहीं ज्यादा बारिश वाले क्षेत्रों में पानी की कमी हो रही है तो सूखी जगहों पर बेतहाशा बारिश। इन घटनाओं की वजह को समझना होगा, उसे गंभीरता से लेना होगा। नई बनने वाली सरकार को पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान देना होगा। जलवायु परिवर्तन के अलावा कई समस्याएं मानव निर्मित भी है। माना कि बादल फटने, जंगलों में आग जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन अपेक्षाकृत नए माने जाने वाले हिमालय एवं पहाड़ी क्षेत्रों में नए बांध और सड़क बनाए जाने से होने वाले नुकसान ज्यादा सामने आ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन ऐसा मसला है जिसमें पर्यावरण से होने वाला खतरा किसी देश की सीमा या उसकी हैसियत नहीं देखता। सबको बराबर नुकसान होता है।

इसलिए विश्व के सभी देशों एवं विशेषतः विकसित एवं शक्तिसम्पन्न देशों को उदार एवं दूरगामी नजरिया अपनाना होगा। अपने-अपने स्वार्थों को नजरअंदाज करते हुए विश्व मानवता को केन्द्र में रखना जरूरी है। कई बिंदुओं पर दुनिया पीछे जा रही हैं। दुनियाभर में जो युद्ध चल रहे हैं, उनकी वजह से भी सारे समीकरण बदल गये हैं। पहले कोविड ने नुकसान पहुंचाया, उसके बाद रूस-युक्रेन युद्ध और इस्राइल-गाजा का मामला चल रहा है। युद्धों का पर्यावरण पर सबसे घातक असर पड़ता है और यही जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण भी बनते हैं। पर्यावरण का अर्थ संपूर्ण प्राकृतिक परिवेश से है जिसमें हम रहते हैं। इसमें हमारे चारों ओर के सभी जीवित और निर्जीव तत्व शामिल होते हैं, जैसे कि हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे, जानवर और अन्य जीव-जंतु। पर्यावरण के घटक परस्पर एक-दूसरे के साथ जुड़कर एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं। हालांकि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और मानव जीवनशैली के लिए इनके गलत उपयोग से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। दूषित पर्यावरण उन घटकों को प्रभावित करता है, जो जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं। ऐसे में पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने, प्रकृति और पर्यावरण का महत्व समझाने की आज बड़ी आवश्यकता है, इस दृष्टि से विश्व पर्यावरण दिवस मनाना केवल आयोजनात्मक न होकर प्रयोजनात्मक बने, यह अपेक्षित है। बदलते मौसम का ग्लेशियर पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। सदियों से ग्लेशियर पिघलकर नदियों के रूप में लोगों को जीवन देते रहे हैं। लेकिन पिछले दो-तीन दशकों में पर्यावरण के बढ़ रहे दुष्परिणामों के कारण इनके पिघलने की गति में जो तेजी आई है, वह चिंताजनक है। ऐसे में मुंबई समेत दुनिया के कई हिस्सों एवं महानगरों-नगरों के डूबने की आशंका तेजी से बढ़ चुकी है। इसका खुलासा अमरीकन नेशनल अकादमी ऑफ साइंस ने किया है। औद्योगिक गैसों के लगातार बढ़ते उत्सर्जन और वन आवरण में तेजी से हो रही कमी के कारण ओजोन गैस की परत का क्षरण हो रहा है। इस अस्वाभाविक बदलाव का प्रभाव वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तनों के रूप में दिखलाई पड़ता है। सार्वभौमिक तापमान में लगातार होती इस वृद्धि के कारण विश्व के ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं। ग्लेशियर के तेजी से पिघलने के कारण महासागर में जलस्तर में ऐसी ही बढ़ोतरी होती रही तो महासागरों का बढ़ता हुआ क्षेत्रफल और जलस्तर एक दिन तटवर्ती स्थल, भागों और द्वीपों को जलमग्न कर देगा।

दृष्टि कोण

मोदी ब्रांड की छवि पर जो आघात हुआ है, उससे देश ही नहीं दुनिया भी हैरान है

भारत की राष्ट्रीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पहला दशक काफी बड़े और कड़े फैसलों वाला रहा और उनके निर्णयों और नेतृत्व की धमक देश में ही नहीं पूरी दुनिया में रही जिसके चलते वह समूचे विश्व में सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में उभरे। लेकिन साल 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम उनके लिए आश्चर्य लेकर आये जब उनकी पार्टी भाजपा ने लोकसभा में अपना बहुमत खो दिया और सरकार बनाने के लिए दूसरे दलों पर निर्भर हो गयी। इन चुनाव परिणामों ने मोदी की अजेय रहने वाले नेता की छवि पर बहुत बड़ा असर डाला है जिसकी गूंज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुनाई दे रही है। देखा जाये तो भारत में तो विपक्ष मोदी को राजनीतिक रूप से नुकसान पहुँचाना चाहता ही था साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कई ऐसी शक्तियां थीं जोकि मोदी की ग्लोबल लीडर के रूप में पुख्ता होती छवि को नुकसान पहुँचाना चाहती थीं। कह सकते हैं कि भारत में विपक्ष को और विदेशों में भारत विरोधी शक्तियों को कहीं ना कहीं अपने मिशन में थोड़ी-बहुत कामयाबी मिल गयी है। लेकिन यह भी सत्य और एक तथ्य है कि मोदी की कार्यशैली मक्खन पर नहीं अपितु पत्थर पर लकीर खींचने की है इसलिए वह तीसरे कार्यकाल में अपने कामकाज से विरोधियों को तगड़ा जवाब अवश्य ही देंगे। चुनाव परिणाम यह भी दर्शाते हैं कि 'अबकी बार 400 पार' के नारे की ही नहीं बल्कि 'मोदी है तो मुमकिन है' और 'जो राम को लाये हैं हम उनको लाएंगे' जैसे नारों की भी हवा पूरी तरह निकल गयी है।

चुनाव प्रचार की बात हो या भाजपा के संकल्प पत्र में किये गये वादों की, सब कुछ 'मोदी की गारंटी' के ही इर्दगिर्द केंद्रित था इसलिए कहा जा सकता है कि मोदी ब्रांड की छवि पर सीधा असर पड़ा है। इसलिए अब समय आ गया है जब भाजपा को सिर्फ मोदी नाम के सहारे रहने की बजाय और भी पहलुओं पर काम करना पड़ेगा। जबसे मोदी केंद्र की राजनीति में आये हैं तबसे यही देखने को मिलता है कि पंचायत से लेकर संसद तक के चुनाव पर भाजपा सिर्फ मोदी नाम के सहारे ही रहती है। भाजपा ने चुनाव में 'मोदी की गारंटी' के अलावा 'विकास भी और विरासत भी' का नारा दिया था और करोड़ों लोगों के गरीबी रेखा से बाहर निकलने तथा भारत के सांस्कृतिक गौरव की बहाली की दिशा में उठाये गये कदमों का हवाला दिया था फिर भी वह स्पष्ट बहुमत से बहुत दूर रह गयी। दूसरी ओर, भाजपा की सीट घटने से सिर्फ पार्टी के ही नेता हैरान और परेशान नहीं हैं बल्कि कई विदेशी नेता भी इस बात से हैरान हैं कि दिन-रात अपने देश के लिए काम करते रहने वाले प्रधानमंत्री को चुनावों में जनता ने क्यों सजा दे दी है। आप दुनिया भर की समाचार वेबसाइटों को देखेंगे तो सभी ने मोदी की सीटें घटने पर हैरानी जताई है। इन चुनाव परिणामों ने मोदी के विदेशों में रुतबे को निश्चित रूप से प्रभावित किया है। दरअसल, जिस तरह का माहौल बनाया गया था उसमें ना तो देश में और ना ही दुनिया में किसी को इस तरह के चुनाव परिणामों की अपेक्षा थी। यही कारण है कि भाजपा तो अपने चुनावी प्रदर्शन पर मंथन कर ही रही है दुनिया के भी कई बड़े नेता भारत के चुनाव परिणामों को लेकर चर्चा कर रहे हैं और इसके कारणों की समीक्षा कर रहे हैं। हम आपको यह भी बता दें कि साल 2024 में दुनिया के अधिकांश देशों में चुनाव होने हैं। कई छोटे-बड़े देशों में जून महीने की शुरुआत तक चुनाव हो चुके हैं और अमेरिका सहित कई अन्य देशों में चुनाव इस साल के अंत से पहले होने हैं। एक खास बात यह है कि अब तक जितने देशों में चुनाव हुए हैं उनमें से ज्यादातर में सरकारें वापस सत्ता में नहीं लौटी हैं लेकिन मोदी दस साल राज करने के बाद भी तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में लौट आये हैं। भले उनकी सीटों की संख्या कम हो गयी है लेकिन काम करने के लिए उनके पास स्पष्ट जनादेश है। मोदी ने जब 2014 में भारत सरकार की कमान संभाली थी तबसे दुनिया के तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्ष बदल चुके हैं लेकिन मोदी सत्ता में कायम हैं जिसका सीधा मतलब यही है कि जनता को उनके नेतृत्व और उनकी नीतियों में विश्वास है। यह विश्वास ही तो है कि विपक्ष के घोषणापत्र में की गयी फ्री की तमाम सौगातों की बजाय जनता ने मोदी के वादों को तवज्जो दी है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल की आखिरी कैबिनेट बैठक की बात करें तो उसमें उन्होंने साफ कहा है कि हार-जीत राजनीति का हिस्सा है और नंबरगेम चलता रहता है। उन्होंने कहा है कि लेकिन इस सबका असर देश के विकास पर नहीं पड़ना चाहिए। वैसे देखा जाये तो लोकतंत्र में नंबरगेम ही मायने रखता है लेकिन मोदी के लिए इसका खास महत्व नहीं है। इस बात को हम गुजरात के उदाहरण से भी समझ सकते हैं। मोदी के मुख्यमंत्री रहते हुए भाजपा ने 2002 में 127 सीटों पर जीत हासिल की थी उसके बाद पार्टी अगले चुनाव में 117 सीटों पर और उसके बाद 116 सीटों पर पहुँच गयी थी। यही नहीं, मोदी के दिल्ली आने के बाद गुजरात में जो पहला विधानसभा चुनाव हुआ था उसमें भाजपा 99 सीटों पर आ गयी थी लेकिन 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने गुजरात में अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये थे। नंबरगेम ऊपर नीचे होता रहा लेकिन मोदी ने गुजरात के विकास को जरा भी प्रभावित नहीं होने दिया।

कुछ अलग

गठबंधन युग की वापसी

अठारहवीं लोकसभा चुनाव के परिणाम के शुरुआती रुझानों से स्पष्ट है कि सत्तारूढ़ पाटा भारतीय जनता पाटा (भाजपा) को अप्रात्याशित हार का सामना करना पड़ा है। भाजपा ने चुनाव के पहले एनडीए की छतरी बड़ी कर ली थी अन्यथा वह सीधे चुनाव परिणाम में विपक्ष से हार जाती। अभी तो जनता दल (यू) और तेलगु देशम पाटा जैसी दो बड़ी सहयोगियों के कारण सरकार बनाने में वह सफल हो जाएगी। क्योंकि चुनाव पूर्व गठबंधन को 292 सीटों पर बढ़त है जो बहुमत से 20 सीट ज्यादा है। एनडीए गठबंधन में सबसे बड़ी पाटा भाजपा ही है और उसे 240 सीटें मिलने के आसार हैं जबकि इंडिया गठबंधन को भले ही 234 सीटें मिलने का अनुमान है किन्तु उसमें सबसे बड़ी पाटा कांग्रोस का 100 का आंकड़ा भी पार होता नहीं दिख रहा है। यही कारण है कि एनडीए की सरकार बनती दिख रही है। अब एक बार फिर गठबंधन युग की वापसी हुईं है। भाजपा को सबसे ज्यादा नुकसान उत्तर प्रादेश में उठाना पड़ा जहां वह 80 सीटों के जीतने का दावा कर रही थी। उत्तर प्रादेश में समाजवादी पाटा और कांग्रोस गठबंधन ने मिलकर 43 सीटें जीत लीं जबकि भाजपा को 33 सीटों से ही संतोष करना पड़ा। भाजपा को उत्तर प्रादेश पर बहुत भरोसा था किन्तु वहां के मतदाताओं ने पाटा को निराश किया। यदि ऐसा हुआ है तो इसके लिए मतदाताओं की भाजपा के प्राति निराशा ही जिम्मेदार हैं। भाजपा ने जो काम किया उसका प्राचार भी वह ठीक से नहीं कर पाईं जबकि विपक्ष ने महंगाईं, बेरोजगारी और आरक्षण के मुद्दे पर मतदाताओं को रिझाया। उप्रा के अलावा राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र में भी उसे वैसी सफलता नहीं मिली। जैसी कि 2019 में मिली थी। भाजपा के लिए तो यह आत्ममंथन का समय है। उसे ओडिशा में भले ही बड़ी सफलता मिली है लेकिन साथ ही उसने नवीन पटनायक की असफलता से बड़ा सबक भी सीखना चिहए कि वैसे कोईं दल अपने कार्यंकर्ताओं, नेताओं की उपेक्षा करने पर किस गति को प्राप्त होता है। नवीन बाबू अब अपनी ही पाटा पर बोझ बन गए थे। कार्यंकर्ताओं से मिलते नहीं थे और पुराने नेताओं की बात नहीं मानते थे। ऐसा नहीं है कि यह चुनाव भाजपा को ही सबक सिखाने के लिए आया है। भाजपा तो फिर भी कह सकती है कि दस वर्षो में उसे 10 वर्षो के सत्ता विरोधी लहर से जूझना पड़ा किन्तु यह भी सच है कि अकेले प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ने की रणनीति भी भाजपा को बदलनी पड़ेगी। राज्यों में नेतृत्व यदि विकसित नहीं किया जाएगा तो यही हाल होगा। मध्य प्रादेश में यदि पाटा ने पूरी तरह विपक्ष का सफाया करने में सफलता हासिल की तो वहां के स्थानीय नेताओं की सव्रियता को श्रेय जाता है। उप्रा में भाजपा के पास अकेले योगी के अलावा कोईं चेहरा ही नहीं है और उन्हें भी पूरी छूट नहीं है। चर्चा तो यह भी है कि राज्य में अफसरशाह ही राज्य सरकार से नाराज है। कारण है कि एक सेवानिवृत्त आईंएएस अधिकारी को मुख्य सचिव बनाए जाने से कईं वरिष्ठ आईंएएस अधिकारी अपने भविष्य को चौपट होते देख रहे हैं। मजे की बात तो यह है कि जिस सेवानिवृत्त अधिकारी को राज्य का मुख्य सचिव बनाया गया है वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इच्छाओं के विपरीत नौकरशाहों का मुखिया बना है। जब राज्य के मुख्यमंत्री को खुली छूट नहीं मिलेगी तो उसके सिर हार का ठीकरा फोड़ना भी उचित नहीं होगा। बहरहाल भाजपा के लिए उत्तर प्रादेश के अलावा महाराष्ट्र, राजस्थान और हरियाणा में भी झटका लगा है। इसलिए उसको आत्ममंथन करने की ज्यादा जरूरत है। आत्ममंथन की जरूरत तो कांग्रोस को भी है जो मध्य प्रादेश, आंध्र प्रादेश, कर्नाटक, दिल्ली, हिमाचल और ओडिशा में अप्रात्याशित रूप से हारी है।

देश दुनीया से

बढ़ती पर्यावरणीय चेतना

> पर्यावरण राजनीतिक दलों का प्रमुख मुद्दा नहीं बना, परन्तु दोनों प्रमुख दलों ने अपने-अपने घोषणापत्रों में इसे अंतिम पृष्ठों पर स्थान जरूर दिया। लोकसभा चुनाव में बिगड़ा पर्यावरण भले ही प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया हो, परन्तु पिछले 5-6 महीनों की घटनाओं पर नजर डालें तो ऐसा लगता है कि अब पर्यावरणीय चेतना बढ़ रही है। कई सामाजिक संगठनों एवं जन आंदोलनों ने स्वतंत्र या संयुक्त रूप से जारी अपने प्रयत्नों में पर्यावरण के मुद्दों का जिक्र किया एवं चुनाव प्रचार के समय प्रत्याशियों से इस पर चर्चा भी की। दिल्ली के लगभग 2500 से ज्यादा रहवासी कल्याण संगठनों (रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) ने संयुक्त रूप से 'यूनाईटेड रेजीडेंट ज्वाइंट एक्शन ऑफ दिल्ली' के बैनर तले लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर 24 बिंदुओं वाला एक नागरिक घोषणापत्र जारी किया जिसमें प्रमुख मुद्दा दिल्ली को प्रदूषण एवं ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने का था।

हालांकि पर्यावरण के नाम पर हमारे राजनीतिज्ञ आम तौर पर मुंह बिचकाते हैं और अक्सर इसे विकास के बरअक्स खड़ा कर देते हैं, लेकिन सत्तर-अस्सी के दशक के बाद आम लोगों ने इस मसले को तरजीह देना शुरू कर दिया है। हाल के आम चुनाव में भी कई स्थानों पर पर्यावरण के मुद्दों को उछाला गया है। इस आलेख में पर्यावरण के मसले को खंगालने का प्रयास करेंगे। इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस, 05 जून के एक दिन पूर्व देश की लोकसभा के चुनाव परिणाम घोषित होने से प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया में इसकी बहुलता रहेगी एवं पर्यावरण किनारे पर। इस लोकसभा चुनाव में बिगड़ा पर्यावरण राजनीतिक दलों का प्रमुख मुद्दा नहीं बना, परन्तु दोनों प्रमुख दलों ने अपने-अपने घोषणापत्रों में इसे अंतिम पृष्ठों पर स्थान जरूर दिया। लोकसभा चुनाव में बिगड़ा पर्यावरण भले ही प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया हो, परन्तु पिछले 5-6 महीनों की घटनाओं पर नजर डालें तो ऐसा लगता है कि अब पर्यावरणीय चेतना बढ़ रही है। कई सामाजिक संगठनों एवं जन आंदोलनों ने स्वतंत्र या संयुक्त रूप से जारी अपने प्रयत्नों में पर्यावरण के मुद्दों का जिक्र किया एवं चुनाव प्रचार के समय प्रत्याशियों से इस पर चर्चा भी की। दिल्ली के लगभग 2500 से ज्यादा रहवासी कल्याण संगठनों (रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) ने संयुक्त रूप से 'यूनाईटेड रेजीडेंट ज्वाइंट एक्शन ऑफ दिल्ली' के बैनर तले लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर 24 बिंदुओं वाला एक नागरिक घोषणापत्र जारी किया जिसमें प्रमुख मुद्दा दिल्ली को प्रदूषण एवं ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने का था। दिल्ली के अलावा मुम्बई में भी कई संगठनों (नेट कनेक्ट), वायर फाउंडेशन, सागर शक्ति, वेटलेंड्स एंड हिल्स तथा एलायंस फार रिवर्स के प्रमुख कार्यकर्ताओं ने अपने अभियान में सभी राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर मांग की कि वे पर्यावरण एवं प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के प्रयासों का उल्लेख अपने घोषणापत्रों में जरूर करें। इसी प्रकार 86 नागरिकों तथा जनआंदोलन से जुड़े संगठनों ने एक राष्ट्रीय मंच के तहत आम चुनाव 2024 के संदर्भ में एक जन घोषणापत्र जारी किया। इसमें देश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों के साथ परिस्थितिकी सुरक्षा (इकोलाजिकल कंजर्वेशन) सुनिश्चित करने की मांग भी की गई। इसके तहत विलुप्त होती प्रजातियों को बचाना, वायु, जल एवं भूमि प्रदूषण तथा भोज्य पदार्थों में कीटनाशी की विषाक्तता रोकने तथा प्लास्टिक पर रोक लगाने की बातें प्रमुख हैं। ऊर्जा की बचत एवं पर्यावरण सुरक्षा के नियम-कानूनों को सख्त करने के साथ-साथ चुनाव तथा मानव अधिकार आयोग के समान एक स्वतंत्र, संवैधानिक इकाई, राष्ट्रीय पर्यावरण आयुक्त बनाने का सुझाव भी दिया गया। देश के पर्यावरण से जुड़े 70 समूहों ने हिमालय क्षेत्र को सुरक्षित रखने हेतु वहां बांध, रेलवे, जलविद्युत, चार लेन राजमार्ग एवं वन कटाई पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। साथ ही यह भी सुझाव दिया गया कि योजनाओं के लिए जनमत संग्रह एवं सार्वजनिक

विचार-विमर्श अनिवार्य बनाया जाए। इसी वर्ष के प्रारम्भिक महीनों में लद्दाख के करीब 30 हजार लोगों ने कडक़ती ठंड में अपने वन, पानी, भूमि एवं रोजगार आदि के लिए प्रसिद्ध पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के नेतृत्व में प्रदर्शन एवं आंदोलन किया। पर्यावरण संरक्षण को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग भी की गई। इसे देखकर पश्चिम बंगाल के कुछ नेताओं ने दार्जिलिंग के लिए इसी प्रकार की मांग रखी। पर्यावरण सुरक्षा हेतु विभिन्न संगठनों की मांग के साथ-साथ पर्यावरण चेतना के कई प्रसंग भी सामने आए। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आत्माराम सनातन धर्म कालेज में आयोजित युवा संसद में छात्र-छात्राओं ने दिल्ली के दमघोंटू प्रदूषण को चुनावी मुद्दा बनाने की बात बेबाकी से रखी। मुम्बई में कई क्षेत्रों में मतदाताओं ने दलों के प्रत्याशियों के सामने प्रदूषण कम करने एवं हरियाली बचाने के प्रयास करने हेतु कहा। कुछ प्रत्याशियों ने अपने वादों में साफ हवा रखने का जिक्र भी किया। राजेंद्र नगर (हैदराबाद के पास) स्थित तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों ने सरकार के उस आदेश का विरोध किया जिसमें हाईकोर्ट भवन बनाने हेतु लाखों पेड़ काटे जाना प्रस्तावित था। इसे लेकर जनवरी माह में कई दिनों तक प्रदर्शन किए गए एवं पेड़ों से लिपटकर उन्हें बचाने का संकल्प लिया गया। चिमटघाटी गांव (झारखंड) के लोगों ने सरकारी स्वीकृति के बाद भी सडक़ इसलिए नहीं बनने दी कि इससे पेड़ काटे जाने थे। उन्होंने कहा कि ये पेड़ हमारे पूर्वजों की विरासत हैं, जिसे ऐसे ही आगे की पीढ़ी को सौंपना है। उज्जैन (मध्य प्रदेश) के कोठी रोड पर पुराने पेड़ों को काटने का विरोध लोगों ने किया एवं 2 मई को तख्तियां लेकर प्रदर्शन भी किया। कलेक्टर एवं पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर से चर्चा कर पेड़ों को बचाने हेतु गुहार लगाई। हरिओम वृक्ष मित्र सेवा समिति तथा एक फेसबुक समूह 'रूपांतरण' ने भी काफी सक्रियता दर्शाई। खेरवाडी गांव (शिवाजी नगर क्षेत्र, पुणे) के 10 हजार लोगों ने पानी की समस्या से त्रस्त होकर चुनाव के बहिष्कार का निर्णय लिया एवं जगह-जगह 'पानी नहीं तो वोट नहीं' के पोस्टर लगाए। ये सारे प्रसंग पर्यावरणीय चेतना को दर्शाते हैं। ऐसी ही चेतना यदि विकसित होती रही तो आगामी चुनाव में पर्यावरण का मुद्दा बनना लगभग निश्चित लगता है। इन प्रयासों के बावजूद हमें यह ध्यान रखना है कि अभी भी पर्यावरण के लिए काफी कुछ किया जाना शेष है, क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग के कारण विश्व भर के हालात काफी नाजुक हो गए हैं। ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। ग्लेशियर विहीन देशों की संख्या तेजी से बढने लगी है। पर्यावरण के प्रति जागरूकता की अभी भी बड़ी जरूरत है। केवल सरकारी प्रयासों से पर्यावरण की सुरक्षा नहीं हो पाएगी। इसके लिए नागरिक समाज को आगे आना होगा। युवाओं को इस क्षेत्र में बड़ी भागीदारी निभानी है। युवाओं को संकल्प लेना चाहिए कि वे अपनी-अपनी शादी पर कम से कम एक सौ पौधे रोपेंगे तथा उनका पालन-पोषण भी सुनिश्चित करेंगे।

आप का नजरीया

छोटा हिमाचल, सबक बड़े

हिमाचल की जनता देश से अलग अपनी लोकतांत्रिक भूमिका में स्पष्ट है। एक साथ लोकसभा चुनाव के गले में सांप की तरह पड़े उपचुनावों को यहां के मतदाता ने अलग-अलग परिप्रेक्ष्य में देखा, समझा और फैसला दिया। ऐसे हम न तो पूरा जश्न मनाने की छूट भाजपा को देते हैं और न ही कांग्रेस को यह हक देते हैं कि वह इतरा सके। पूरा प्रदेश दिल्ली सरकार के लौटने के लिए कदमताल करता रहा और इस तरह 2019 की आबोहवा में फिर से संसद को आशा भरी निगाहों से हिमाचल देख रहा है। इतना ही नहीं, शिमला में सुक्खू सरकार को बचाए रखने के पक्ष में संवैधानिक मर्यादा का अलख भी जगा है। भले ही छह उपचुनावों में कांग्रेस अपनी दो सीटें गंवा रही है, लेकिन सियासी डाके में इज्जत बचाकर मुख्यमंत्री सुक्खू ने कुछ कांटे हटाए, तो कहीं अपनी भूमि अर्जित की। जिन चार सीटों पर कांग्रेस जीत रही है, वहां मुख्यमंत्री का चेहरा भी जीत रहा है, बल्कि शिद्दत से अगर उपचुनाव हुए तो सुखविंदर सुक्खू ने अपने ताज और जीत के राज को परवान चढ़ाया। यह दीगर है कि प्रदेश की सबसे अहम लड़ाई को वह धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र में सुधीर शर्मा के सामने हार गए। इस तरह उपचुनावों में जीत हासिल करके दो बागी सुधीर शर्मा और इंद्रदत लखनपाल निश्चित रूप से बड़े नेता घोषित हो रहे हैं। कहीं तो कांग्रेस ने बहुत कुछ खोया है और इसलिए जब पुनः विधानसभा सत्र के आर-पार चुनाव खड़े होंगे, तो भाजपा की ओर से जली कटी सुनाने के लिए भाजपा के दो विधायक बढ़ेंगे। खास तौर पर चुनावी आरोप-प्रत्यारोप की दुखती रगें जब चीखेंगी तो प्रदेश के सामने राजनीति का एक अलग ब्यौरा आएगा। बहरहाल, पूरे चुनाव पर दृष्टिपात करें तो भाजपा का संगठन, उसकी चुनाव जीतने के प्रति निष्ठा और नेतृत्व की बेजोड़ मिसाल सामने आती है। यह पार्टी लोकसभा में सौ फीसदी सफलता हासिल करती है, जबकि राज्यसभा की एक सीट के अतिरिक्त विधानसभा में दो विधायक भी कांग्रेस से छीन लेती है। अभी परिदृश्य में तीन और घायल उपचुनाव घूम रहे हैं। तीन निर्दलीयों के माध्यम से भाजपा को अगले चुनाव की तैयारी करनी है, तो लोकसभा में नई सरकार के पदचाप में हिमाचल को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व की आशा पूरी करनी है। जिस तरह लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के दिग्गज नेता आनंद शर्मा को पटकनी देते हुए कांगड़ा ने डा. राजीव भारद्वाज को गले लगाया और सुधीर शर्मा को जीत का हार पहनाया, उसके पीछे एक गहन आक्रोश सरकार के प्रति देखना होगा। कांगड़ा ने सुक्खू सरकार और कांग्रेस आलाकमान को संदेश दिया है, तो हमीरपुर ने राजेंद्र राणा को पटकनी देकर यह बता दिया कि सुजानपुर अब जिला से मुख्यमंत्री का पद खोना नहीं चाहता। एक वोट पीएम, एक वोट सीएम का नारा यूं तो भाजपा की ओर से ही गूंजा था, लेकिन राजेंद्र राणा को पुराना हिसाब चुकता करना पड़ा। गगरेट में सार्वजनिक छवि खोने का हर्जाना चैतन्य शर्मा को चुकाना पड़ा, तो कुटलैहड़ में वीरेंद्र कंवर से पीछा छुड़ा कर भाजपा ने अवसर गंवा दिया। बहरहाल, कांग्रेस से भाजपा में आकर हारे चार पूर्व विधायकों के पास न अब जमीन बची और न ही जमीर तो इसलिए कि हिमाचल ने दलबदल की परिभाषा को काफी हद तक अस्वीकार कर दिया।

जो बाइडन ने पीएम मोदी से फोन पर क्या बात की अमेरिकी एनएसए के भारत दौरे समेत इन मुद्दों पर भी हुई चर्चा

वॉशिंगटन ।
लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आ चुके हैं। भाजपा नीत एनडीए बहुमत हासिल करने के बाद अब सरकार बनाने की प्रक्रिया में जुट चुकी है। नरेंद्र मोदी एक बार फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे। रुझानों के बाद दुनिया भर के नेता पीएम मोदी को बधाई दे रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी फोन पर पीएम मोदी को जीत की बधाई दी। इस बीच दोनों नेताओं ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान की नई दिल्ली की आगामी यात्रा को लेकर चर्चा की।

बाइडन ने दी पीएम मोदी को बधाई – इससे पहले जो बाइडन ने पीएम मोदी और एनडीए को लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करने पर बधाई दी। अमेरिका के व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा, राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए को लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत की बधाई दी। बाइडन ने सबसे बड़े लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आगे बढ़कर भाग लेने के लिए भारतीय नागरिकों की भी सराहना की । दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका के बीच रिश्तों को और मजबूत करने पर जोर दिया। बयान में आगे कहा गया, दोनों नेताओं ने अमेरिका-भारत व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने और स्वतंत्र और समृद्ध भारत-प्रशांत क्षेत्र के अपने साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। दोनों नेताओं के बीच अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान की नई दिल्ली की आगामी यात्रा को लेकर भी चर्चा हुई।

पीएम मोदी ने दी प्रतिक्रिया – राष्ट्रपति बाइडन की बधाई पर पीएम मोदी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, मेरे मित्र राष्ट्रपति जो बाइडन के फोन कॉल से खुशी हुई। मैं उनकी बधाई और भारतीय लोकतंत्र के प्रति उनकी सराहना को बहुत महत्व देता हूं। उन्होंने आगे कहा, भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक साझेदारी आने वाले वर्षों में नए मील के पत्थर के रूप में साबित होंगे। हमारी साझेदारी मानवता के हित और वैश्विक भलाई के लिए एक ताकत बनी रहेगी। जो बाइडन ने इससे पहले सोशल मीडिया एक्स पर भी पीएम मोदी को जीत की बधाई दे चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

राजनीतिक विचारों के कारण किया गया हमला, स्लोवाकिया के पीएम का विपक्ष पर गोलीबारी का आरोप

ब्रातिस्लावा । यूरोपीय देश स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की पिछले महीने हत्या करने की कोशिश की गई थी। उनको विश्वास ही नहीं हो रहा कि किसी अकेले पागल शख्स ने उनकी हत्या करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा है कि पिछले महीने उनकी हत्या का प्रयास अकेले पागल शख्स ने किया था। स्लोवाकिया विपक्ष के कार्यकर्ता पर आरोप प्रधानमंत्री का सोशल मीडिया पर भाषण का एक अंश साझा किया गया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि स्लोवाकिया विपक्ष के एक कार्यकर्ता ने उनके राजनीतिक विचारों के कारण उनकी हत्या करने की कोशिश की थी। उन्होंने आगे कहा, मेरे पास यह मानने का कोई कारण नहीं है कि यह एक अकेले पागल व्यक्ति द्वारा किया गया हमला था। 15 मई को हुआ था हमला बता दें, पीएम फीको पर 15 मई को मध्य स्लोवाकिया के हंडलोवा शहर में एक बंदूकधारी ने हमला कर दिया था। हमले के बाद यह उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि फीको की माने तो वह कई महीनों से स्लोवाकिया में एक सरकारी राजनेता के खिलाफ हत्या के प्रयास की संभावना के बारे में सार्वजनिक रूप से चेतावनी दे रहे थे। जुलाई तक काम पर वापस आएंगे फिको ने यह भी कहा कि अगर उनकी हालत सही होती है, तो वह जून के अंत या जुलाई की शुरुआत में काम पर वापस आ जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि 71 साल के हमलावर के प्रति उन्हें कोई नफरत नहीं है और न ही वह उसके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई करेंगे। राजनीतिक रूप से असफल विपक्ष ने बढ़ावा दिया उन्होंने कहा कि यह साफ है कि वह केवल बुराई और राजनीतिक घृणा के संदेशवाहक थे, जिसे राजनीतिक रूप से असफल और निराश विपक्ष ने बढ़ावा दिया था। यूरोपीय संसद के चुनावों से पहले राजनीतिक संचार पर रोक से पहले अंतिम दिन फिको का भाषण प्रकाशित हुआ था।

रिपोर्ट में बड़ा दावा- कैंसर से जूझ रहीं केट मिडलटन नहीं लौटेंगी शाही कामकाज पर

लंदन । ब्रिटेन के राजकुमार प्रिंस विलियम की पत्नी प्रिंसेस ऑफ वेल्स केट मिडलटन कैंसर से जूझ रही हैं और फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। उम्मीद जताई जा रही थी कि कुछ दिनों में वह वापस शाही कामकाजों को देखने लगेंगी, लेकिन शायद अब ऐसा नहीं होगा। अमेरिकी मीडिया की मुताबिक मिडलटन शायद कभी अपने शाही कर्तव्यों पर वापस नहीं आएंगी। कार्यक्रमों में रहती थीं सबसे आगे एक रिपोर्ट में सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि वह शायद कभी उस भूमिका में वापस नहीं आएंगी, जिसमें लोगों ने उन्हें पहले देखा था। एक समय था जब वेल्स की राजकुमारी अपने पति प्रिंस विलियम के साथ शाही कार्यक्रमों में सबसे आगे रहती थीं। अब अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि केट ने हाल ही में कीमोथेरेपी करवाई है। इसलिए वह वर्तमान में इस बात पर ध्यान दे रही हैं कि जब वह वापस आएंगी तो क्या कर पाएंगी। यहां तक कि शाही विशेषज्ञ रिचर्ड फिट्जविलियम्स का कहना है कि अगर केट अपने शाही कर्तव्यों पर वापस आती हैं, तो यह फैसला पूरी तरह से डॉक्टरों की सलाह पर लिया जाएगा। पिछले महीने की शुरुआत में, एक सूत्र ने बताया था कि केट मिडलटन इस साल कोई शाही कामकाज में शामिल नहीं होंगी। सूत्र ने कहा था कि केट के लिए कोई प्लान नहीं है।

पारडुबिस में यात्री और कार्गो ट्रेन की टक्कर में चार की मौत, पीएम फियाला ने शोक जताया

प्राग । चेक गणराज्य पारडुबिस में एक यात्री ट्रेन और कार्गो ट्रेन की टक्कर में चार यात्रियों की मौत हो गई। इस हादसे 26 लोग घायल भी हुए हैं। क्षेत्रीय गवर्नर ने इस घटना की जानकारी दी। घटना के बाद बचावदल कर्मी मौके पर पहुंचे। इस घटना पर चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री पेट्र फियाला ने शोक व्यक्त करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पीएम फियाला ने कहा, पारडुबिस में दो ट्रेनों की टक्कर एक बड़ा दुर्भाग्य है। हम सभी पीड़ितों और घायलों के बारे में सोच रहे हैं। यात्री ट्रेन के विवरण को साझा करते हुए पारडुबिस के गवर्नर मार्टिन नेटोलिकी ने कहा कि इसका संचालन रेल कंपनी रेजियोजेट द्वारा किया जाता था। उन्होंने फेसबुक पर पोस्ट करते हुए कहा, रेजियोजेट ट्रेन और मालगाड़ी के बीच आमने-सामने की टक्कर में कई लोगों की जान चली गई और दर्जनों घायल हो गए। समाचार एजेंसियों ने इस घटना का फुटेज जारी किया। इस फुटेज के अनुसार, एक गाड़ी ट्रैक से हटती हुई दिखाई दे रही है। पुसिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें पोस्ट करते हुए आपातकालीन सेवा वाहनों की लाइन और हेलीकॉप्टर दिखाया।

इजराइली सेना ने गाजा में एक स्कूल के अंदर हमास के ठिकानों को बनाया निशाना, हमले में 32 की मौत

यरूशलम ।
इजराइल की सेना ने बताया कि उन्होंने गाजा पट्टी में एक स्कूल के अंदर हमास के ठिकानों को निशाना बनाया। हमास से जुड़े मीडिया ने इस हमले का जिक्र करते हुए कहा कि कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों घायल हैं। यह हमला नुसीरत क्षेत्र में किया गया। हालांकि, इस हमले के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। स्थानीय मीडिया ने इस हमले में कम से कम 39 लोगों के मरने की सूचना दी। वहीं, फलस्तीन न्यूज एजेंसी ने बताया कि इस हमले में 32 लोगों की मौत हुई है।

इजराइली सेना ने स्कूल पर किया हमला

इजराइली सेना ने बताया कि उनके लड़ाकू विमानों ने फलस्तीनियों को सहायता प्रदान करने वाली संयुक्त राष्ट्र एजेंसी द्वारा संचालित स्कूल पर हमला किया। हमले के बाद इजराइली सेना ने बिना सबूत पेश किए दावा किया कि हमास और इस्लामिक जिहाद ने स्कूल को अपने अभियानों के लिए कवर के तौर पर इस्तेमाल किया। सेना ने बताया कि हमले से पहले नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए, जिसमें हवाई निगरानी और अतिरिक्त खुफिया जानकारी शामिल हैं। बता दें कि नुसीरत शर्णार्थी कैंप गाजा पट्टी के बीचोबीच में स्थित है। यह 1948 में अरब-इजराइल युद्ध के समय का बना हुआ फलस्तीनी शर्णार्थी शिविर है। इजराइली सेना ने स्कूल का एक ग्राफिक प्रकाशित किया, जिसमें स्कूल की छत पर संयुक्त राष्ट्र लिखा हुआ था। इस ग्राफिक में स्कूल के उपरी मंजिल को निशाना बनाकर किए गए हमले का भी विवरण था।

पिछले साल से जारी है इजराइल-हमास संघर्ष

पिछले साल सात अक्तूबर को हमास ने इजराइल में घुसकर हमले किए, जिसमें लगभग 1,160 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में ज्यादातर इजराइली नागरिक ही शामिल थे। हमले के बाद हमास के आतंकी 250 से ज्यादा इजराइली और विदेशियों को बंधक बनाकर गाजा ले गए। हालांकि, इस संघर्ष के बीच हमास ने कुछ बंधकों को रिहा भी कर दिया था, लेकिन इजराइल का मानना है कि अभी भी 99 बंधक हमास के कब्जे में हैं।

अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन, 12 से ज्यादा लोग गिरफ्तार

वॉशिंगटन। कैलिफोर्निया के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन करने पर 12 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इजराइल-गाजा पर संघर्ष को लेकर फलस्तीन समर्थक छात्रों ने जबरन विश्वविद्यालय अध्यक्ष के कार्यालय में खुद को बंद कर लिया था। जिसके बाद छात्रों और अधिकारियों के बीच झड़प हो गई। सुबह साढ़े 5 बजे छात्रों ने धावा बोला करीब 10 छात्रों ने सुबह साढ़े 5 बजे विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यालय की बिल्डिंग में दाखिल हुए थे और हथियारों से लैस करीब 50 छात्रों ने बिल्डिंग को चारों और से घेर लिया। इसके बाद सभी छात्र 'फलस्तीन को आजाद करो' के नारे लगाने लगे। इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिब्रेट स्टैनफोर्ड ग्रुप ने लिखा, 'छात्रों के एक समूह ने विश्वविद्यालय अध्यक्ष के कार्यालय को घेर लिया और छात्रों ने इजराइल-गाजा युद्ध से जुड़ी कंपनियों को स्कूल से अलग करने सहित अन्य मांगें की। पुलिस को इमारत के अंदर दाखिल होने में 2 घंटे लग गए स्टैनफोर्ड के मुताबिक छात्रों के प्रदर्शन शुरू होने के बाद पुलिस को बिल्डिंग में अंदर घुसने के लिए लगभग दो घंटे लग गए। जिसके बाद बल पूर्वक 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया, इस दौरान एक अधिकारी को चोट लग गई। जबकि इमारत को काफी क्षति हुई है। स्कूल प्रशासन बोला- छात्रों के कृत्य से काफी दुख है सैलर स्कूल के प्रोवोस्ट जैनी मार्टिनेज ने बयान देते हुए कहा कि छात्रों के इस कृत्य से मैं काफी दुखी और चिंतित हूं। जिन आरोपी छात्रों को गिरफ्तार किया गया है उन्हें निलंबित किया जाएगा और साथ ही कई सीनियर छात्रों को अब स्कूल में डिग्री पूरी नहीं करने दी जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने जानकारी देते हुए बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से फलस्तीन समर्थक शिविर और हमास के हमले से पीड़ितों के लिए इजराइल के समर्थन में प्रदर्शन कारियों को परिसर से हटा दिया गया है।

चीन के दौरे पर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ, शेनजेन सिटी में किया निवेशकों की बैठक को संबोधित

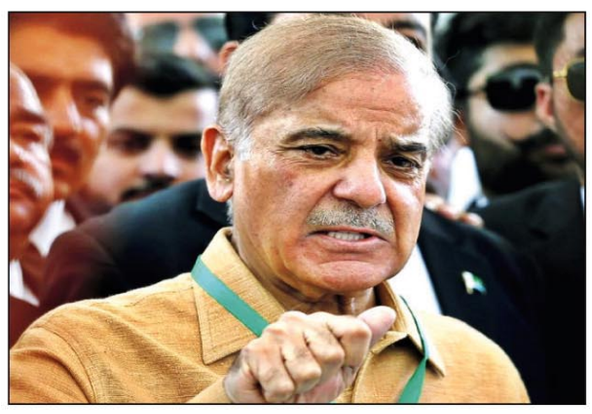

इस्लामाबाद ।
हाई-टेक सिटी शेनझेन में निवेशकों की बैठक को संबोधित करते हुए शहबाज शरीफ ने चीनी कर्मियों को आतंकियों हमलों से सुरक्षा देने का आश्वासन दिया। मार्च में पाकिस्तान के बेशम में हुए आतंकी हमलों में पांच चीनी कर्मी और उनके पाकिस्तानी ड्राइवर की मौत हो गई थी। इस घटना का जिक्र करते हुए शरीफ ने कहा कि ऐसी नौबत फिर नहीं आएगी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ चीन के दौरे पर हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अन्य नेताओं से मुलाकात के लिए पीएम शरीफ बीजिंग पहुंच चुके हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के चीन के दौरा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच के संबंध को बेहतर करना, पाकिस्तान को आर्थिक संकट से बाहर निकालना और निवेश की संभावनाओं बातचीत करना है। बता दें कि पीएम शरीफ चार जून से ही चीन की पांच दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने हाई-टेक सिटी शेनजेन का दौरा किया और निवेशकों की बैठकों को संबोधित भी किया। शहबाज शरीफ इस दौरान चीन के प्रीमियर ली कियांग और अन्य नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। वह यहां पाकिस्तान-चीन मैत्री और व्यापार कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। पीएम शरीफ चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर पर काम करने वाले चीनी कंपनियों के सीईओ से भी मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की भी संभावना है। हाई-टेक सिटी शेनझेन में निवेशकों की बैठक को संबोधित करते हुए शहबाज शरीफ ने चीनी कर्मियों को आतंकियों हमलों से सुरक्षा देने का आश्वासन दिया। दूसरी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद 72 वर्षीय शहबाज शरीफ अपनी पहली चीन यात्रा पर हैं। पाकिस्तान-चीन बिजनेस फोरम में शरीफ ने चीनी निवेशकों को पूरी सुविधा देने और पाकिस्तान में चीनी व्यक्तियों, परियोजनों और निवेशकों की सुरक्षा भी आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पाकिस्तान में चीनी श्रमिकों की रक्षा के लिए कई सुरक्षा उपाए किए।

क्सास में भारतीय-अमेरिकी व्यक्ति पर लगा घृणा अपराध का आरोप, हो सकती है 10 साल की जेल

वॉशिंगटन ।
अमेरिका के टेक्सास में एक भारतीय-अमेरिकी व्यक्ति पर संघीय घृणा अपराध का आरोप लगाया गया है। दरअसल, व्यक्ति पर एक सिख गैर-लाभकारी संगठन के कर्मचारी को धमकियां देने का भी आरोप है। आरोपी की पहचान 48 वर्षीय भूषण अठाले के तौर पर की गई है। न्याय विभाग की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि भूषण अठाले को खतरनाक हथियार का इस्तेमाल करने की धमकी देने और संघ द्वारा संरक्षित गतिविधियों में हस्कतक्षेप करने का भी आरोप लगाया गया है। इस मामले में उन्हें अधिकतम 10 साल की सजा हो सकती है।

बयान में कहा गया कि अंतरराज्यीय धमकी भेजने के लिए भी उन्हें पांच साल की सजा हो सकती है। इन दोनों आरोपों में उन्हें 250,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लग सकता है। बता दें कि 17 सितंबर 2022 में अठाले के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि अठाले ने एक ऐसे नंबर पर फोन किया था, जो अमेरिका में सिखों नागरिक

अधिकार की रक्षा करता है।

अठाले ने कुल सात वॉइस नोट भेजे, जिसमें सिखों के प्रति अत्यधिक घृणा व्यक्त की गई। इस साल मार्च में भी अठाले ने एक वॉइसमेल छोड़ा, जिसमें उन्होंने सिखों के साथ मुस्लिमों को भी निशाना बनाया। न्याय विभा ने बताया कि अठाले का धार्मिक-आधारित टिप्पणियां और धमकियां देने का लंबा इतिहास रहा है। इससे पहले भी उसने एक नेटवर्किंग साइट का इस्तेमाल कर कहा था कि वह पाकिस्तान और मुस्लिमों से नफरत करता है।

सुनीता विलियम्स ने उड़ान भरने से पहले कैलिप्सो कैप्सूल से कह दी ऐसी बात, अब हो रही वायरल

वॉशिंगटन ।
भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने इतिहास रचा। उन्होंने एक बार फिर अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी। हालांकि, उड़ान से पहले उन्होंने कैलिप्सो से कहा कि हमें अंतरिक्ष ले चलो और वापस भी ले आओ।

बता दें, भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स तीसरी बार अपने सहयोगी बैरी बुच विलियम्स के साथ अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई हैं। दोनों ने बोइंग कंपनी के स्टारलाइनर यान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की ओर उड़ान भरी।

अब संदेश हो रहा वायरल

सुनीता ने उड़ान भरने से पहले मिशन कंट्रोल को संदेश भेजकर कहा था- चलो चलते हैं, कैलिप्सो। हमें अंतरिक्ष ले चलो और वापस ले आओ।

सुनीता की मां बोनी पांड्या ने एक मीडिया चैनल को बताया कि उड़ान भरने से कुछ घंटे पहले उनकी बेटी काफी सकारात्मक थी और अंतरिक्ष में

उड़ान भरने को लेकर बहुत ही खुश थी। वहीं, नासा ने नया अपडेट देते हुए कहा कि सुनीता और बुच विलमोर दोनों कक्षा में स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान पर शुरुआती परीक्षण करने में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। पहले छह घंटे बहुत ही दिलचस्प रहे हैं।

5 जून को शुरू हुआ सुनीता का अंतरिक्ष अभियान

सुनीता विलियम्स का स्टारलाइनर अभियान पांच जून को केप कैनावेरल अंतिक्ष स्टेशन से शरू हुआ। भारतीय समयानुसार यह अभियान रात आठ बजकर 22 मिनट पर शुरू हुआ। यह यान अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में छह जून रात 9 बजकर 45 मिनट पर पहुंचेगा। इस अभियान में विलियम्स के साथ उनके सहयोगी बुच विल्मोर भी गए हैं।

ऐसा करने वाली दुनिया की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बनीं

बताया गया है कि बोइंग स्टारलाइनर यान की उड़ान में कई बार, कई वजहों से दरी हुई। आखिरकार, फ्लोरिडा के केप कैनवेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से इस यान की रवानगी हुई। इस तरह के मिशन पर जाने वाली सुनीता विलियम्स दुनिया की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बन गईं हैं। मई 1987 में सुनीते ने अमेरिका की नौसेना अकादमी से प्रशिक्षण लिया था। इसके बाद वे अमेरिका की नौसेना से जुड़ीं थीं। 1998 में उन्हें नासा द्वारा अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुना गया था। इससे पहले वर्ष 2006 और वर्ष 2012 में सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष अभियानों का हिस्सा बन चुकीं हैं।

खेती और जलीय कृषि में प्लास्टिक प्रदूषण का बढ़ता जोखिम, तत्काल कदम उठाने की जरूरत

संयुक्त राष्ट्र ।
दुनिया भर में दैनिक जीवन में एकल प्रयोग वाले प्लास्टिक, बोतलों व अन्य उत्पादों को लेकर जागरूकता का प्रसार किया जाता है। उसकी री-सायकलिंग पर काम किया जा रहा है और प्लास्टिक के उचित निपटान व सतत उपयोग के तरी सुझाए जा रहे हैं, लेकिन उत्पादन के आरम्भ में, कृषि और उससे संबद्ध क्षेत्रों में, प्लास्टिक के इस्तेमाल की समस्या तेजी से उभरकर सामने आई है, जिसके लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है। 47 वर्षीय हरिपाल सिंह उत्तर प्रदेश के नंजली किठौर गांव में एक पॉलीहाउस में खेती का काम करते हैं। उनके पॉलीहाउस में खेती के लिए मल्च फिल्में, बीज के लिए बोरियाँ, कीटनाशकों की बोतलें, सिंचाई के लिए छोटे-लम्बे पाइप, मंडी में ले जाने के लिए थैले, सभी प्लास्टिक के हैं। हरिपाल सिंह बताते हैं कि खेती का ज़्यादातर सामान प्लास्टिक में ही आता है, ये उत्पाद सस्ते होते हैं, एयर टाइट रहते हैं, जिससे भंडारण क्षमता बढ़ जाती है और उन्हें

बाजार में बेचने के लिए ले जाने में भी आसानी होती है। लेकिन इस्तेमाल के बाद प्लास्टिक की इन विभिन्न वस्तुओं का होता क्या है हरिपाल सिंह के मुताबिक, मल्च फिल्में तो दो तीन साल तक चलती हैं, बाकी प्लास्टिक को बाहर कूड़े में फेंक देते हैं या इकट्ठा करके जला देते है। कृषि व उससे जुड़े क्षेत्रों, यानि फसल व पशुधन उत्पादन, वानिकी, मत्स्य पालन एवं अन्य जलीय कृषि आदि में प्लास्टिक का व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता रहा है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संस्था (एफ़एओ) के अनुसार, 2019 में कृषि मूल्य श्रृंखलाओं में वैश्विक स्तर पर 1.25 करोड़ टन प्लास्टिक उत्पादों का उपयोग किया गया, लेकिन इस्तेमाल के बाद खुले स्थानों में फेंक दिए जाने पर, इनसे पर्यावरण के लिए खतरा पैदा हो रहा है और मिट्टी में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कण जमा होने से, स्वास्थ्य जोखिम बढ़ता जा रहा है। भारत में संयुक्त राष्ट्र के कृषि संगठन (एफएओ) में वरिष्ठ कानूनी शोधकर्ता, नीति विश्लेषक व परियोजना प्रबन्धक शालिनी भूटानी बताती हैं कि कृषि उत्पादन के क्षेत्र में हर एक स्तर पर प्लास्टिक का इस्तेमाल होता है। अगर देखा जाए तो बहुत ही गिने-चुने देश हैं, जहां इस कूड़े को एकत्रित कर उचित ढंग से निपटान किया जाता है वरना या तो उन्हें जलाया जाता है, मिट्टी में दबा दिया जाता है या फिर बस खुले स्थानों में फेंक दिया जाता है। इतने सालों के इस्तेमाल के बाद, अब इसने एक विशाल समस्या का रूप ले लिया है, क्योंकि इससे न केवल मिट्टी व पानी की गुणवत्ता पर असर हो रहा है, बल्कि यह एक खाद्य सुरक्षा व कृषि उत्पादकता व भावी पीढ़ी के भविष्य का मुद्दा भी बन गया है। जलीय कृषि में प्लास्टिक प्रदूषण केवल भूमि पर ही नहीं, जलीय कृषि उत्पादन में भी हर स्तर पर प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है, फिर चाहे वो टैंक, जाल, फीड बैग, लाइनर, पाइपिंग, पॉलीस्टाइनिन बक्से, उत्पाद परिवहन या फिर रासायनिक के भंडारण के लिए हों। एफएओ के अनुमानों के मुताबिक, अभी तक यह माना जाता रहा है कि महासागरों में पाए जाने वाला लगभग 80 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा, जलीय कृषि जैसे समुद्री उद्योगों के बजाय भूमि-आधारित स्रोतों से उत्पन्न होता है, लेकिन अब यह स्पष्ट हो रहा है कि विभिन्न प्रकार के मछली पकड़ने वाले गियर भी समुद्र को नुकसान पहुंचा सकते हैं। शालिनी भूटानी कहती हैं कि जल कृषि में जो मछुआरे और विशेषकर जो बड़े ट्रोलर्स हैं, उनमें जिन फिशिंग गियर का इस्तेमाल होता है, उसे एक खास नाम दिया गया है यानि फेंका हुआ, खोया हुआ या त्यागा हुआ, मछली पकड़ने का सामान - यह एक बहुत बड़ा मसला बनकर सामने आया है। इसके अलावा, रोजमर्रा में सामान्य प्लास्टिक उत्पाद भी उपयोग किए जाते हैं, जैसेकि मछली पकड़ने जाते समय प्लास्टिक के कप और पीने के पानी की बोतलें। इनमें से कई उत्पाद आम दिन में मछुआरों के लिए आवश्यक बन गए हैं, लेकिन इस सामग्री की सूची की समीक्षा की जाए तो कुल प्लास्टिक कचरे की मात्रा आश्चर्यजनक होगी। आंकड़ों का अभाव अधिकांश वर्तमान आंकड़ें, समुद्र तट के सफाई अभियानों, तटीय सर्वेक्षण और निकाले गए कचरे की उत्पत्ति का निर्धारण करने के लिए उसके पृथ्वकीकरण से आते हैं, लेकिन इसकी अपनी सीमाएं हैं और इस पर बहुत काम किए जाने की आवश्यकता है। जलीय कृषि क्षेत्र में प्लास्टिक कचरे का उत्पादन और प्रबन्धन एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण से समुद्री जैव-विविधता और समुद्री उत्पादों से स्वास्थ्य जोखिमों का भी खतरा बढ़ रहा है। तटीय जल में माइक्रोऔर नैनोप्लास्टिक्स की उपस्थिति से जलीय कृषि व पारिस्थितिकी पर बुरा असर पड़ रहा है। जलीय कृषि उत्पादन पर प्लास्टिक का प्रभाव बेहद जटिल है- प्लास्टिक के आकार और उनमें मौजूद रसायनों के मिश्रण के आधार पर, इसका जानवरों पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। मीसोप्लास्टिक्स जलीय जानवरों के लिए जोखिम नहीं बनते, क्योंकि अपने बड़े आकार के कारण वो आहार एवं श्वसन बाधाओं को पार करने में असमर्थ होते हैं।

एक सुखद आश्चर्य...

हाल ही में पेश हुए आम बजट में तंबाकू उत्पादों को महंगा कर दिया गया है। मकसद है इन उत्पादों से लोग दूरी बनाएं। इन प्रयासों के अच्छे परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। भारत में सिगरेट की खपत में गिरावट आ रही है। इसे एक सुखद संकेत माना जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के हालिया आंकड़ों के मुताबिक देश में 2015-16 में लगभग 10 अरब सिगरेट कम बिके हैं। इस समयावधि के दौरान सिगरेट का उत्पादन 117 अरब से घटकर 105.3 अरब सिगरेट रह गया। बढ़ती नशाखोरी के बीच ये आंकड़े समाज और सरकार दोनों के लिए आशा की नई किरण बन सकते हैं।

गुपचुप हुई गिरावट

बढ़ती नशाखोरी पूरे देश के लिए एक बड़ी चिंता बनती जा रही है। युवा और किशोर नशे के सर्वाधिक गिरफ्त में दिखते हैं। इस आयु में आधुनिक और अलग दिखने की सहज प्रवृत्ति होती है और नशे का कारोबार करने वाली कंपनियों ने बड़ी चालाकी से नशे को आधुनिक सोच और स्वच्छंद जीवनशैली से जोड़ दिया है। इसके कारण युवाओं में नशाखोरी की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। रही सही कसर अन्य देशों से होने वाली नशे की तस्करी ने पूरी कर दी है। नशे के बढ़ते चलन के बीच अच्छी खबर यह है कि भारत में बीते दो सालों में सिगरेट की खपत में तेजी से कमी आई है। यह खबर एक सुखद आश्चर्य पैदा करती है क्योंकि खपत गिरावट बहुत गुपचुप हुई है।

यह भी है वजह

संभवतः सरकार द्वारा सिगरेट के पैकेटों पर इसके नुकसानदेह होने की सूचना बड़े रूप में छापे जाने के कारण समाज में जागरूकता पैदा हो रही है। पहले शाब्दिक और छोटे रूप में यह सूचना लिखी जाती थी कि 'धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है' लेकिन अब इस सूचना के साथ कैंसर की स्थिति को दर्शाता एक बड़ा चित्र भी निकोटिन की उपस्थिति वाले उत्पादों पर लगता है। यह चित्र उपभोक्ताओं की मानसिकता पर गहरा प्रभाव छोड़ने में सफल रहा है। आंकड़ों से साफ संकेत मिलता है कि सदाबहार माना जाने वाला सिगरेट का बाजार भारत में मंदी के दौर से गुजर रहा है। कभी सिगरेट के हानिकारक प्रभावों और कंपनियों की रणनीति की तरफ संकेत करते हुए डब्ल्यूएचओ के एक निदेशक ने कहा था कि 'सिगरेट में सिर्फ उतना ही निकोटिन डाला जाता है।

भगवान शिव ने की थी श्रीगणेश की पूजा

शास्त्रों के अनुसार भगवान ब्रह्मदेव ने भविष्यवाणी की थी कि हर युग में श्री गणेश विभिन्न रुपों में अवतरित होंगे। कृतयुग में विनायक, त्रेतायुग में मयूरेश्वर, द्वापरयुग में गजानन एवं धूम्रकेतु नाम से कलयुग में अवतार लेंगे। गणपति जी के आठ प्रमुख मंदिरों में से एक है महागणपति मंदिर जो रांजणगांव में पुणे अहमदनगर राजमार्ग पर 50 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है। इतिहास पर दृष्टिपात करने से ज्ञात होता है की यह मंदिर 9वीं और10वीं सदी के मध्य होंद में आया। शिव जी ने त्रिपुरासुर के साथ युद्ध करने से पूर्व गणेश जी की पूजा की थी तत्पश्चात मंदिर का निर्माण करवाया। तब यह स्थान मणिपुर के नाम से जाना जाता था पर आज इसे लोग रांजणगांव कहते हैं। शिव जी ने दैत्यराज त्रिपुरासुर को गणेश जी के आशीर्वाद से पराजित किया था इसलिए इन्हें त्रिपुरारी महागणपति के रूप में भी पूजा जाता है। इतिहास में हुए हमलों के डर से गणपति जी का वास्तविक स्वरूप मंदिर के एक तहखाने में छिपाया हुआ है। मंदिर में विराजित गणेश जी की प्रतिमा को माहोतक भी कहा जाता है क्योंकि इसकी 10 सूंड और 20 हाथ हैं। गणेश जी की प्रतिमा बैठे आसन में दिखाई देती हैं और उनके ईर्द-गिर्द रिद्धी-सिद्धी की प्रतिमाएं हैं। भव्य प्रवेश द्वार में अलंकृत महागणपति मंदिर पूर्वमुखी है। जय और विजय दो द्वारपाल हैं जिनकी प्रतिमाएं मुख्य द्वार पर अवस्थित हैं। भोर फटते ही सूरज की पहली किरण सीधी प्रतिमा पर पड़ती है। श्री अष्टविनायक गणपति स्वरूपों में महागणपति गणेश जी का सबसे शक्तिशाली प्रतिरूप है।

भगवान के दिए तोहफे...

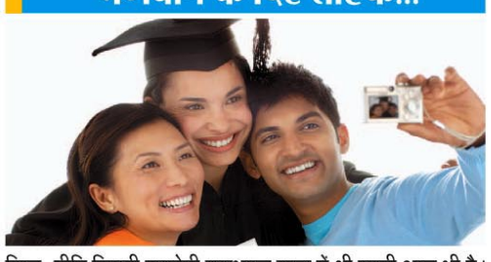

विदुर-नीति जितनी उपयोगी महाभारत काल में थी उतनी आज भी है। ऐसा भी कहा जा सकता है की इन नीतियों के अनुसार कुछ ऐसी चीजें हैं जो भगवान का दिया तोहफा होती हैं। जिस व्यक्ति के पास यह होती हैं उससे अधिक सुख और समृद्ध इस धरती पर कोई ओर नहीं हो सकता। जीवन यापन करने के लिए काम की आवश्यकता होती है। जिस व्यक्ति के पास कमाई के पर्याप्त साधन होते हैं। वह ईमानदारी से मेहनत करके अपना और अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकता है। काम के अभाव में जीविका चलाना असंभव है। रोग और शोक व्यक्ति को तन मन से कमजोर बना देते हैं। बार-बार बीमार पड़ने वाले व्यक्ति का धन तो जाता ही है साथ ही उसे अंदर से तोड़ भी देता है। निरोगी काया संसार के तमाम सुखों से बढ़कर है। जिस व्यक्ति की पत्नी मृदुभाषी होती है, वह धरती पर जन्नत का आनंद भोगता है। उसका घर स्वर्ग के समान होता है। देवी सरस्वती के साथ-साथ महालक्ष्मी भी उसके आलय में वास करती हैं। भाग्यवान है वह व्यक्ति जिसकी संतान उसके कहे अनुसार कार्य करती है। अच्छी संतान कुल के नाम में चार चांद लगा देती है, वही बुरी संतान कुल का नाश कर देती है। ज्ञान में ऐसी शक्ति है जो रंक को भी राजा बनाने का सामर्थ्य रखती है। इससे न कोई छीन सकता है न चोरी होने की आशंका रहती है। जीवन में जैसी भी परिस्थितियां आएं, ज्ञान से कुछ भी अर्जित किया जा सकता है। जो पत्नी अपने पति को सच्चे दिल से मान देती है उसे धर्म ग्रंथों में पतिव्रता कहा जाता है। वह पत्नी अपने पति के मन भाती है जो पति की भावनाओं का सम्मान करती है और अपने घर की सभी जिम्मेदारियों को पूरा करती है।

जीवन का जरूरी तत्व क्षमा...

> भूल करना मानव की स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है; हम सभी भूल करते हैं, लेकिन उन्हें दोहराने का कोई औचित्य नहीं हो सकता। हमें अपनी भूल का अहसास हो गया है यह दिखाने की केवल दो विधियां हैं। पहली विधि है कि भूल को न दोहराएं और दूसरी एक सच्ची क्षमा याचना द्वारा। सही ढंग से क्षमा मांगना कोई विशेष कला या ज्ञान नहीं। यह तो केवल इस पर निर्भर है कि आप स्पष्ट रूप से सत्य बोल पाते हैं कि नहीं। जब हमें वास्तव में अपने कार्य पर पछतावा होता है, तो सही शब्द स्वतः ही बाहर आने लगते हैं और क्षमा मांगना अत्यंत सरल हो जाता है।

क्षमा याचना विश्वास की एक पुनःस्थापन है। इसके द्वारा आप यह कह रहे हैं कि मैं ने एक बार आपका विश्वास तोड़ा है किंतु अब आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं और मैं ऐसा फिर कभी नहीं होने दूंगा। जब हम एक भूल करते हैं, तो दूसरे व्यक्ति के विश्वास को झटका लगता है। अधिकतर सकारात्मक भावनाओं की नींव विश्वास ही होती है। उदाहरणार्थ जब आप किसी से प्रेम करते हैं, तो आप उन पर विश्वास करते हैं कि वे वास्तव में वैसे ही हैं जैसा वे स्वयं को दर्शाते हैं किंतु जब वे उसके विपरीत कार्य करते हैं, तो आप का विश्वास टूट जाता है। इस विश्वासघात से आप को बहुत कष्ट होता है और यह दूसरे व्यक्ति के प्रति आप की भावनाओं को भी प्रभावित करता है। यदि आप अपराध को दोहराने का विचार कर रहें हैं, तो ऐसी क्षमा याचना विश्वसनीय नहीं है। उदाहरणार्थ एक टूटे हुए घड़े को ले लीजिए। यदि आप सावधानी और सबूरी से प्रयत्न करें तो संभवतः एक बार उसे जोड़ सकते हैं किंतु उसे फिर से तोड़ने पर उसे जोड़ना अधिक कठिन या लगभग असंभव हो जाता है। इसी प्रकार यदि आप किसी के विश्वास को तोड़ते हैं संभवतः वह आपको एक बार क्षमा कर सकते हैं, लेकिन यदि आप ऐसा फिर से करते हैं तो आप उनसे क्षमा की आशा नहीं कर सकते। इसलिए, एक निष्ठाहीन क्षमा याचना सम्पूर्ण रूप से व्यर्थ है।

निष्कपट क्षमा याचना

क्षमा याचना विश्वसनीय तभी होती है जब आप यह ठान लें कि आप अपने अपराध को दोहराएंगे नहीं और जब आप कोई बहाना या औचित्य नहीं देते हैं। आप अपने कार्य का पूरा उत्तरदायित्व लेते हैं और सच्चे दिल से आप क्षमा मांगते हैं। पश्चाताप की भावना से रहित क्षमा याचना व्यर्थ है। वास्तव में, इससे दूसरे व्यक्ति को और अधिक कष्ट होगा। अक्सर लोग कहते हैं, मुझे क्षमा करें परंतु मैंने ऐसा सोच कर यह काम किया था या मुझे क्षमा करें परंतु मैं ने यह कार्य इस कारण किया था या मुझे क्षमा करें यदि मेरे कारण आप को कोई चोट पहुंची हो। यह क्षमायाचना नहीं केवल बहाना है। एक सच्ची क्षमा याचना में यदि और परंतु जैसे शब्दों का कोई स्थान नहीं होता। यह कहना कि आपने ऐसा क्यों किया इसका भी कोई अर्थ नहीं। सर्वश्रेष्ठ क्षमा याचना वह है जहां आप यह पूर्ण रूप से समझें, महसूस करें तथा स्वीकार करें कि आपके कार्यों ने अन्य व्यक्ति को ठेस पहुंचाई है। एक कारण या औचित्य दे कर अपनी क्षमा याचना को दूषित न करें। यदि आप सच्चे दिल से क्षमा नहीं मांगते हैं तो आप अपनी क्षमा प्रार्थना का नाश कर रहे हैं। इससे दूसरे व्यक्ति को और अधिक कष्ट होगा। आप एक क्षमा याचना अथवा एक बहाने में से केवल एक को ही चुन सकते हैं, दोनों को नहीं। एक सच्ची एवं निष्कपट क्षमा याचना वह होती है जिसमें आप अपने अपराध को पूर्ण रूप से स्वीकार करते हैं।

क्षमा मांगना क्यों जरूरी

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को किसी ने पत्थर का बना सुंदर पेन भेंट किया। उनका उस पेन से बहुत लगाव हो गया था। वे अपना लेखन कार्य उसी पेन से करते थे। काम खत्म होने के बाद स्वयं उसे संभाल कर मेज पर रख देते थे। एक दिन उनके ऑफिस का सेवक उनकी मेज की सफाई कर रहा था। सफाई करते समय अचानक उससे वह पेन नीचे गिर गया और टूट गया। स्याही के कुछ छींटे कमरे में बिछे कालीन और महामहिम राष्ट्रपति के कपड़ों पर जा गिरे। राष्ट्रपति को उसकी लापरवाही पर क्रोध आ गया और उसको डांटते हुए उसे काम से हटा कर दूसरी जगह भेज दिया। सेवक चला तो गया, किन्तु डॉ. राजेन्द्र प्रसाद बैचैन हो उठे। अंदर ही अंदर उनका मन उन्हें बुरा-भला कहने लगा। वे उदास हो गए। इसी बीच कई मिलने वाले लोग आए, किन्तु उनकी उदासी दूर नहीं हुई। उन्हें अपने सेवक से बुरा भला कहने पर बड़ी ग्लानी हो रही थी। सेवक से अनजाने में हुई गलती पर उसे डांटना उन्हें उचित नहीं लगा। वे उससे क्षमा मांगना चाहते थे। दूसरे दिन उन्होंने सेवक को बुलाया और उससे क्षमा याचना करने लगे। भारत का राष्ट्रपति एक सेवक से क्षमा मांगे, यह देखकर सेवक श्रद्धा से उनके चरणों में झुक गया। उनकी आंखे भर आई। उन्होंने उसी दिन उस सेवक को फिर से कार्य पर रख लिया। जिंदगी में हम लोग भी कई बार छोटी-छोटी बातो पर गुस्सा हो जाते है और दुसरे की थोड़ी सी गलती करने पर उससे उलझने लगते है और क्रोधित हो जाते हैं पर क्या ऐसा करना उचित है। सत्य तो यह है की क्रोध हमेशा ही हमारा स्वयं का ही नुकसान करता है और इससे समस्या का समाधान नहीं निकलता है। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जीवन की यह कहानी हमें सीख दे जाती है की एक उच्च चरित्र का आदमी स्वयं की गलती होने पर माफी मांगने से भी नहीं कतराता। इसलिए अपने जीवन में कभी भी छोटी-छोटी बातो को लेकर गुस्सा न करे और जीवन को प्रसन्नता से जिएं।

क्षमा मांगना और क्षमा करना

बिना शर्त पूर्णरूप से क्षमायाचना करें और क्षमा भी करें। लाभ-हानि या किसी निहित स्वार्थ से ऊपर उठकर क्षमा मांगने और क्षमा देने से क्षमा निष्काम कर्म की कोटि में आ जाती है और निष्काम कर्म सबसे उत्तम माना गया है। जो लोग न क्षमा मांगना जानते हैं और क्षमा करना नहीं तो वे अपने लिए इस धरती पर ही नरक की सृष्टि कर लेते हैं। क्षमाशील व्यक्तित ही इस धरती पर स्वर्ग की सृष्टि कर जीतेजी स्वर्ग भोगते हैं। क्षमा कब करें? यदि कोई व्यक्ति क्षमा मांगता है, तो क्षमा न करना अपराध जैसी स्थिति हो जाती है। क्षमा मांगने पर मांगने वाला अपनी गलती को स्वीकार कर अपराधबोध से मुक्त हो जाता है, लेकिन क्षमा न करने वाला उसकी पीड़ा से सुलगता रहता है। अतः किसी के क्षमा मांगने पर क्षमा कर देना उसके स्वयं के लिए एक उपयोगी क्षण है। कोई अपनी गलती के लिए क्षमा न मांगे तो भी क्या उसे क्षमा किया जा सकता है? यह क्षमा करने वाले पर निर्भर है, पर क्षमा न करने पर क्षमा न करने वाला भी तो भुगतेगा। क्षमा मांगने पर भी और क्षमा न मांगने पर भी। बस थोड़ी सूझबूझ की जरूरत है। दूसरा क्षमा मांगे या न मांगे आप तो किसी भी तरह उसे क्षमा कर घातक मनोभावों से मुक्त हो जाइए। आप क्यों दूसरे की गलती का बोझ अपने मन में ढो रहे हैं? क्षमा न मांगने पर भी किसी को सही तरीके से उसकी गलती का एहसास कराकर क्षमा कर देने से गलती के शीघ्र परिष्कार की अपेक्षा की जा सकती है। क्षमा करना दूसरे को सुधरने का अवसर प्रदान करना ही है, अतः यह अनिवार्य भी है। अधूरी या आंशिक क्षमा का भी कोई अर्थ नहीं। भगवान महावीर इसलिए बाहुबली कहलाए, क्योंकि उन्होंने क्षमा को जीवन का अनिवार्य तत्व स्वीकार कर अपनाया। उनके बतलाए हुए मार्ग को धर्म कहा गया, क्योंकि इसमें क्षमा की प्रधानता थी। सम्राट अशोक इसलिए महान नहीं कहलाए कि उन्होंने कलिंग युद्ध में विजय प्राप्त की, अपितु ऐसे धर्म की शरण में चले गए जिसमें क्षमा की प्रधानता थी। ईसा मसीह ने उन लोगों को भी क्षमा कर दिया, जिन्होंने ईसा मसीह को सूली पर टांग दिया और ईसा मसीह प्रभु बन गए। उनके द्वारा दिखलाया गया मार्ग एक नया धर्म बन गया। क्षमा के अभाव में न कोई व्यक्ति वीर है और न कोई धर्म पूर्ण है। शत्रु और मित्र शब्दों का अस्तित्व वास्तव में 'क्षमा' के अभाव में ही है। जहां क्षमा है, वहां शत्रुता अथवा द्वेष का क्या काम?

वैर बिन, ये चार दिन

वैर मनुष्य के मन रूपी सरोवर में रहने वाली एक ऐसी गंदी मछली है जो सारे सरोवर को गंदा कर देती है। अगर हमारे मन में वैर, कपट, कलह और कटुता है, प्रतिशोध की भावना है तो हमने अपने मन के सरोवर में गंदी मछली को जन्म दे दिया है। जब तक यह गंदी मछली रहेगी हम अपने जीवन में दुर्गंध से भरे रहेंगे। वैर से वैर मिटता नहीं है। हम अपने विरोधी को भी प्रेम दें, उसके प्रति भी दोस्ती के भाव रखें, निंदा करने वाले व्यक्ति की भी प्रशंसा करें तो हम पाएंगे कि एक दिन वे हमारे साथ हो जाएंगे। जिसके मन में कठोरता, कटुता, कलह और संघर्ष की भावना रहती है उसके चित्त में कभी किसी के प्रति प्रेम नहीं होता। उसके प्रेम के सरोवर का पानी सूख जाता है और उसमें दरारें पड़ जाती हैं। स्नेह की कमी से मेलजोल में कटौती होती है। वह स्वयं तो दुखी रहता ही है किंतु अपनी उपस्थिति से आसपास के लोगों को भी दुखी करता है। अपने क्रोध और अहंकार से स्वयं को तो दंडित करता ही है, दूसरों को भी दंडित करने की सोचता रहता है। इतिहास में खून की जो नदियां बहती रही हैं, उनका एकमात्र कारण प्रतिशोध और बदले की भावना रही है। चिरकाल तक मनुष्य के मन में प्रतिशोध की भावना लहराती है। एक बार हम अपने मन को टटोलें, किसी धार्मिक ग्रन्थ की तरह ईमानदारी से अपने मन को पढ़ें। अपनी विचारस्थिति को पढ़े कि कहीं उसके भीतर कोई वैर तो नहीं है। चार दिन की छोटी-सी जिंदगी में दो दिन तो बीत गए और शेष दो दिन भी बीत जाएंगे - फिर किस बात का वैर-विरोध! छोटी-छोटी बातों की गांठें न बांधें। जैसे गन्ने की गांठ में एक बूंद भी रस नहीं होता वैसे ही जिस आदमी के मन में गांठें बन जाती हैं, उसका जीवन भी नीरस हो जाता है।

प्रेम प्रभावी हो ...

औरों के वचनों से मन को प्रभावित न करें, औरों की टिप्पणी से मन को कुंठित न करें, अपने मन को विचलित न करें। बुद्ध किसी गांव से जा रहे थे। गांव के लोगों ने उनकी बहुत निंदा की, अपशब्द कहे। गांव वाले जितना बुरा बोल सकते थे, बोले। जब वे चुप हो गए तो बुद्ध ने कहा - क्या अब मैं अगले गांव चला जाऊं? लोग दंग रह गये कि हमने इन्हें इतना भला-बुरा कहा और ये जरा भी प्रभावित नहीं हुए बल्कि मधुर मुस्कान से पूछ रहे हैं कि क्या मैं अगले गांव चला जाऊं? लोगों ने पूछा, हमारी गालियों का क्या हुआ? बुद्ध ने कहा - मैं जब पिछले गांव में था तो लोग मेरे पास मिठाइयां लेकर आए थे। उन्होंने मुझे मिठाइयां देने की बहुत कोशिश की और तरह-तरह के प्रयास भी किए लेकिन मैंने किसी की मिठाई स्वीकार नहीं की। आप मुझे बताएं कि वे मिठाइयां फिर किसके पास रहीं? लोगों ने कहा- यह तो बच्चा भी बता देगा कि मिठाइयां उन्हीं के पास रहीं। बुद्ध ने कहा- तुम्हारी बात तुम्हें मुबारक! पीछे के गांव वालों ने मिठाइयां दी, मैंने वे नहीं लीं अतः वे उन्हीं के पास रहीं, वैसे ही आप लोगों ने मुझे गालियां दीं और मैंने नहीं लीं तो आप लोगों की चीज आप ही के पास रह गई। जिनके मन में प्रेम और शांति का निर्झर बहा करता है वे ही लोग अप्रियता, कलह, कटुता और विरोध का वातावरण बनने पर भी उसे प्रेम और क्षमा में ढाल लिया करते हैं।

हर हाल में खुश रहो

प्रसन्न रहो, हर हाल में खुश रहो। प्रसन्नता आपके सौंदर्य को द्विगुणित करती है। आप प्रेम में, वात्सल्य में जीकर तो देखें। जितने आप जवानी में सुंदर हैं उससे भी अधिक बुढ़ापे में सुंदर दिखाई देंगे। क्या आपने गांधीजी का जवानी और बुढ़ापे का चित्र देखा है? तीस वर्ष की आयु में वे जैसे दिखते थे, सत्तर वर्ष की आयु में उससे कहीं अधिक सुंदर दिखने लगे थे। जैसे-जैसे व्यक्ति के विचार सुंदर होते जाते हैं उसका भीतरी सौंदर्य चेहरे पर प्रकट होने लगता है। आपने महर्षि अरविंद का वृद्धावस्था का चित्र देखा है? उनके चेहरे का ओज, तेज और सौंदर्य कितना अधिक आकर्षक था? बुढ़ापे में उसी का चेहरा बदसूरत होता है जिसके विचार सुंदर नहीं होते। जिसकी विचारदशा सुंदर होती है, वह जैसे-जैसे बूढ़ा होता है, उसके चेहरे पर सौन्दर्य छलछलाने लगता है। किसी के कल्याण के लिए अपनी ओर से जो कुछ भी हो सके, कर दो। अगर नहीं कर सको तो सहज रहो, अपने मन को हमेशा निर्मल रखो। वैर-विरोध और प्रतिशोध उसी को अच्छे लगते हैं जिसने अभी तक प्रेम और क्षमा का स्वाद नहीं चखा है। दुनिया में दो कठिन कार्य हैं- किसी से क्षमा मांगना या किसी को क्षमा करना। परन्तु ये दोनों ही कार्य आपको अनेक कठिनाईयों से मुक्ति दिलाते हैं। शुरू-शुरू में माफी मांगना हमें जहर पीने के समान लगता है परन्तु परिणाम में अमृत हो जाता है। क्षमा मांगना यदि प्रायश्चित का सुंदर व अच्छा रूप है तो क्षमा करना बड़प्पन का प्रतीक। इसमें आप न केवल मन की उलझन से मुक्त होंगे अपितु अपनी शक्ति और शांति में बढ़ोतरी करने में भी सफल हो जाएंगे।

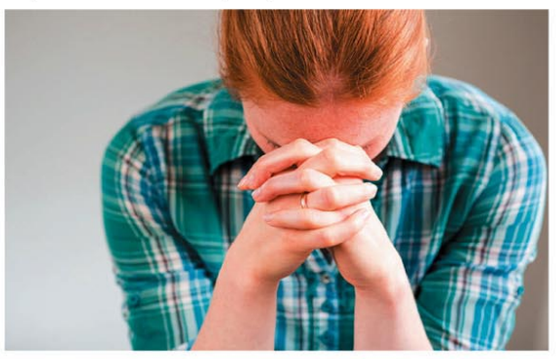

हस्ताक्षर व्यक्तित्व का आईना...

हस्ताक्षर व्यक्ति के व्यक्तित्व का सम्पूर्ण आइना है। व्यक्ति के हस्ताक्षर में उसके व्यक्तित्व की सभी बातें पूर्ण रूप से दिखाई देती हैं। हस्ताक्षर या लिखावट से हमारा सीधा संबंध मानसिक विचारों से होता है यानी हम जो सोचते हैं करते हैं जो व्यवहार में लाते हैं वह सब अवचेतन रूप में कागज पर अपनी लिखावट व हस्ताक्षर के द्वारा प्रदर्शित कर देते हैं। यहां यह जानना भी जरूरी है कि हस्ताक्षर के अध्ययन से व्यक्ति अपने भविष्य व व्यक्तित्व के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है और हस्ताक्षर में दिखाई देने वाली कमियों को दूर करते हुए अपने हस्ताक्षर के साथ-साथ अपना भविष्य व व्यक्तित्व भी बदल सकता है।

पहला अक्षर बड़ा

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर का पहला शब्द काफी बड़ा रखता है, वह व्यक्ति उतना ही विलक्षण प्रतिभा का धनी, समाज में काफी लोकप्रिय व उच्च पद प्राप्त करने वाला होता है। हस्ताक्षर में पहला शब्द बड़ा व बाकी के शब्द सुंदर व छोटे आकार में होते हैं ऐसा व्यक्ति धीरे-धीरे उच्च पद प्राप्त करते हुए सर्वोच्च स्थान पाता है। ऐसा व्यक्ति जीवन में पैसा बहुत कमाता है। कई भवनों का मालिक बनता है व समाज में काफी लोकप्रिय होता है किन्तु संकोची स्वभाव का उत्तम श्रेणी का विद्वान भी होता है। वह अपने कुल का नाम काफी ऊंचा करता है।

अस्पष्ट हस्ताक्षर

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर इस प्रकार से लिखता है, जो काफी अस्पष्ट होते हैं तथा जल्दी-जल्दी लिखे गए होते हैं वह व्यक्ति जीवन को सामान्य रूप से नहीं जी पाता, हर समय ऊंचाई पर पहुंचने की ललक लिए रहता है। इस प्रकार का व्यक्ति राजनीतिज्ञ, अपराधी, कूटनीतिज्ञ या बहुत बड़ा व्यापारी बनता है। जीवन आपाधापी में व्यतीत करने के कारण वह समाज से कटने लगता है तथा लोगों की उपेक्षा का शिकार भी बनता है। वह व्यक्तिगत रूप से पूर्ण सम्पन्न तथा इनका वैवाहिक जीवन कम सामान्य रहता है। वह धोखा दे सकता है, परंतु धोखा खा नहीं सकता है। यह इसकी विशेषता है।

काफी छोटे हस्ताक्षर

जो व्यक्ति हस्ताक्षर काफी छोटे व शब्दों को तोड़-मरोड़ कर उनके साथ खिलवाड़ करता है जिसके फलस्वरूप हस्ताक्षर बिल्कुल पढ़ने में नहीं आता है वह व्यक्ति बहुत ही चालाक होता है। अपने फायदे के लिए किसी का भी नुकसान करने व नुकसान पहुंचाने से नहीं चूकता। पैसा, धन भी गलत रास्ते से कमाता है। ऐसा व्यक्ति राजनीति एवं अपराध के क्षेत्र में काफी नाम कमाता है।

हस्ताक्षर के नीचे दो लाइनें

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर के नीचे दो लाइनें खींचता है, वह व्यक्ति भावुक होता है। पूरी शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाता, मानसिक रूप से थोड़ा कमजोर होता है। इसके जीवन में असुरक्षा की भावना रहती है। जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर के शब्दों को काफी घुमाकर, सजाकर प्रदर्शित करके करता है वह व्यक्ति किसी न किसी हुनर का मालिक अवश्य होता है यानी कलाकार, गायक, पेंटर, व्यंग्यकार आदि। ऐसे व्यक्तियों का समय जीवन के उत्तरार्द्ध में अच्छा होता है।

हस्ताक्षर के नीचे एक बिंदू

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर में नाम का पहला अक्षर सांकेतिक रूप से तथा उपनाम पूरा लिखता है तथा हस्ताक्षर के नीचे बिंदू लगाता है, ऐसा व्यक्ति भाग्य का धनी होता है। मृदुभाषी, व्यवहार कुशल, समाज में पूर्ण सम्मान प्राप्त करता है। ईश्वरवादी होने के कारण इन्हें किसी भी प्रकार की लालसा नहीं सताती, इसके फलस्वरूप जो भी चाहता है स्वतः ही प्राप्त हो जाता है। वैवाहिक जीवन सुखी व संतानों से भी सुख प्राप्त होता है।

हस्ताक्षर के नीचे दो बिंदू

अपने हस्ताक्षर के अंतिम शब्द के नीचे दो बिंदू रखने वाला व्यक्ति विलक्षण प्रतिभा का धनी होता है। ऐसा व्यक्ति जिस क्षेत्र में जाता है काफी प्रसिद्धि प्राप्त करता है और ऐसे व्यक्ति से बड़े-बड़े लोग सहयोग लेने को उत्सुक रहते हैं। जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर स्पष्ट लिखते हैं तथा हस्ताक्षर के अंतिम शब्द की लाइन या मात्रा को इस प्रकार खींच देते हैं जो ऊपर की तरफ जाती हुई दिखाई देती है, ऐसे व्यक्ति शिक्षक , विद्वान, बहुत ही तेज दिमाग के होते हैं। ऐसे व्यक्ति दिल के बहुत साफ होते हैं, हरेक के साथ सहयोग करने के लिए तैयार रहते हैं। मिलनसार, मृदुभाषी, समाजसेवक, परोपकारी होते हैं। वे कभी किसी का बुरा नहीं सोचते, सामने वाला व्यक्ति कैसा भी क्यों न हो, हमेशा उसे सम्मान देते हैं। सर्वगुण सम्पन्न होने के बावजूद काफी पैसा व पूर्ण सम्मान प्राप्त होता है।

यह है अलग तरह का म्यूजिक...

ईडीएम यानी इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक एक अलग तरह का म्यूजिक है जो सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रूमेंट के जरिए तैयार किया जाता है। ज्यादातर यह सिर्फ कंप्यूटर म्यूजिक सॉफ्टवेयर की मदद से ही संचालित किया जाता है। मौजूदा दौर में आउटडोर क्लबों में होने वाले आयोजन में यही म्यूजिक चलन में आता है।

लोगों की अभी यही धारणा है कि भारत में ईडीएम का प्रवेश अभी-अभी हुआ है। लेकिन हकीकत यह है कि संगीत की यह विधा बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही है और भारत इस मायने में कहीं भी पीछे नहीं है। दुनिया के करीब 250 से ज्यादा विदेशी कलाकार वर्षभर में भारत का दौरा करते हैं। इस क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले जर्मन मूल के अमेरिकन संगीत निर्माता मार्कुस शुल्ज ने कुछ समय पहले मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली और पुणे में अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए थे। तब उन्होंने कहा था भले ही मौजूदा दौर में बहुत ज्यादा क्लब नहीं हैं, लेकिन जिस तरह लोगों की रुचि इसमें बढ़ रही है उससे आयोजनों की भव्यता और बढ़ेगी। इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक की बढ़ती लोकप्रियता ने बॉलीवुड संगीत सितारों को भी हिलाकर रख दिया है। इसका असर अब सिर्फ बड़े शहरों तक नहीं रहा बल्कि अहमदाबाद, गुड़गांव, इंदौर, लखनऊ जैसे शहरों में भी देखने को मिल रहा है। यही वजह है कि बॉलीवुड सितारे भी अपने लाइव शो में ईडीएम को शामिल करने लगे हैं।

कुछ समय पहले इंदौर में पाकिस्तानी कलाकार आतिफ असलम ने डीजे चेतस के साथ मिलकर अपने छह हजार से ज्यादा प्रशंसकों के लिए ईडीएम की प्रस्तुति दी थी। एक ओर दिन रात इस तरह के म्यूजिक को चाहने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। उन्हें संगीत का एक नया बेहतरीन अनुभव भी मिल रहा, वहीं इस म्यूजिक को जीतोड़ कर चाहने के कारण कुछ अपवाद वाली स्थितियां भी सामने आ रही हैं। मसलन, इस तरह के आयोजनों में पश्चिमी रंग ज्यादा होता है और इसमें पात्रता 18 वर्ष से ज्यादा उम्र के युवाओं की रहती है। तो इस तरह के आयोजन में ग्लैमर, ड्रग्स और कुछ ज्यादा ही छूट मिलती है। पिछले साल गोवा में ऐसे ही एक डीजे की मौत ड्रग्स की ज्यादा मात्रा लेने से हो गई थी। गुड़गांव में अमेरिकन युवा लेडी आर्टिस्ट की मृत्यु भी ईडीएम में होने वाले तेज आवाज के शोर से हो गई थी। दिल्ली की फैशन डिजाइनर आंचल अरोड़ा की भी मौत ईडीएम आयोजन में दम घुटने से हो गई थी।

पेटीएम ने ट्रैवल कार्निवल सेल का किया एलान, ट्रेन-बस बुकिंग पर मिल रहा बंपर डिस्काउंट; बाकू की उड़ान भी हुई सस्ती

नई दिल्ली ।
पेटीएम ने अपने ग्राहकों के लिए यात्रा कार्निवल सेल की शुरुआत की है। इस यात्रा कार्निवल सेल के साथ ट्रेन और बस की बुकिंग और बाकू की फ्लाइट्स पर 25 प्रतिशत की छूट के साथ मेगा डिस्काउंट ऑफर किए जा रहे हैं।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर मिलेगी छूट

इस सेल के साथ पेटीएम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर 10 प्रतिशत-25 प्रतिशत तक की छूट दे रहा है। इसमें उड़ान, रेल और बस की टिकट शामिल हैं। यात्रा कार्निवल सेल के तहत, कंपनी ने बैंक ऑफ बड़ौदा और आईसीआईसीआई बैंक के साथ साझेदारी की है।

ग्राहक घरेलू उड़ानों के साथ तकनीकी उड़ानों पर 15 प्रतिशत तक की छूट, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 10 प्रतिशत तक की छूट, और बस बुकिंग पर 25 प्रतिशत तक की छूट का फायदा ले सकते हैं।

यूपीआई का इस्तेमाल कर पेटीएम के जरिए ट्रेन बुकिंग की जाती है, तो ट्रेन बुकिंग के लिए भुगतान गेटवे शुल्क नहीं होता है।

नए गंतव्यों पर हर हफ्ते मिलेगी विशेष छूट पेटीएम ने बाकू और अल्माटी (कजाकिस्तान) जैसे अनोखे स्थानों में लोगों के बढ़ते रुझान को देख रहा है। यही वजह है कि कंपनी नए गंतव्यों पर हर हफ्ते विशेष छूट दे रही है। इस हफ्ते का गंतव्य बाकू है। ट्रेन यात्रियों के लिए, पेटीएम यूपीआई के माध्यम से ट्रेन टिकट बुकिंग के लिए सभी शुल्कों को माफ करता है।

प्लेटफार्म लाइव ट्रेन स्थिति अपडेट, आसान तत्काल बुकिंग, पीएनआर जांच, गारंटीड सीट सहायता और फ्री कैंसेलेशन जैसी सुविधाएं देता है। बस यात्रियों के लिए, कंपनी लाइव बस ट्रैकिंग, फ्री कैंसेलेशन जैसी सुविधाएं ऑफर कर रही है।

महिला बस यात्रियों के लिए, सुरक्षा और सुविधा को बढ़ावा देने के लिए बस की रेटिंग, महिलाओं द्वारा सबसे अधिक बुकिंग,जैसे फैक्टर को ध्यान में रखा जा रहा है। यूजर पूरे रिफंड के लिए फ्री कैंसेलेशन ऑप्शन का फायदा उठा सकते हैं। यूजर पेटीएम यूपीआई, वॉलेट, नेट बैंकिंग, और क्रेडिट या डेबिट कार्ड जैसे पेमेंट ऑप्शन के साथ बुकिंग कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

एनविडिया बनी दुनिया की दूसरी बड़ी वैल्यूएबल कंपनी, एप्पल को पीछे छोड़कर हासिल किया यह मुकाम

मुंबई । दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों की फेहरिस्त इस साल तेजी से बदल रही हैं। जहां एप्पल को पीछे छोड़कर लंबे समय बाद माइक्रोसॉफ्ट पहले पायदान पर काबिज हो चुकी है, वहीं एनविडिया ने कई स्थानों की लंबी छलांग लगाई है। अब एनविडिया का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो चुका है और यह कामयाबी हासिल करने वाली वह दुनिया की सिर्फ तीसरी कंपनी है। उससे पहले यह उपलब्धि सिर्फ माइक्रोसॉफ्ट व एप्पल को मिली है। अभी एनविडिया का बाजार पूंजीकरण 3.011 ट्रिलियन डॉलर हो चुका है और वह दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। पिछले 3 महीने में एनविडिया का एमकैप लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर बढ़ गया है। माइक्रोसॉफ्ट लंबे समय तक एप्पल से पीछे दूसरे नंबर पर रहने के बाद इसी साल फिर से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी बनी है। अभी उसका मार्केट कैप 3.151 ट्रिलियन डॉलर है। हालांकि अब उसकी पोजिशन को एनविडिया से खतरा है। सालों तक दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रहने वाली एप्पल अब तीसरे स्थान पर खिसक गई है। आईफोन बनाने वाली कंपनी का मार्केट कैप अभी 3.003 ट्रिलियन डॉलर है। चौथे स्थान पर गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट है, जिसका मौजूदा बाजार पूंजीकरण 2.177 ट्रिलियन डॉलर है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की डिमांड बढ़ने से गूगल को भी फायदा हो रहा है। जेफ बेजोस की कंपनी अमेजन अभी मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनी है। उसका एमकैप अभी 1.886 ट्रिलियन डॉलर है। एमकैप के हिसाब से दुनिया की पांचों सबसे बड़ी कंपनियां अमेरिकी हैं। एक समय दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी का दर्जा हासिल करने में कामयाब हुई सऊदी अरब की सऊदी अरामको अब छठे पायदान पर खिसक गई है। उसका एमकैप अभी 1.820 ट्रिलियन डॉलर है।

एनएसई ने सबसे ज्यादा ट्रांजैक्शन का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया: 6 घंटे 15 मिनट में 1971 करोड़ ट्रांजैक्शन और 28.55 करोड़ ट्रेड हुए

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने एक कारोबारी दिन में सबसे ज्यादा ट्रांजैक्शन का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। एनएसई के सीईओ आशीष चौहान ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 6 घंटे और 15 मिनट (सुबह 9: 15 बजे से दोपहर 3: 30 बजे तक) के एक कारोबारी दिन में 1971 करोड़ ट्रांजैक्शन और 28.55 करोड़ (280.55 मिलियन) ट्रेड हुए। यह अब तक का सबसे ज्यादा का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। एनएसई का मुनाफा सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़ा एनएसई का वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 2,488 करोड़ हो गया है। ऑपरेशन रेवेन्यू सालाना आधार पर 34 प्रतिशत बढ़कर 4,625 करोड़ हो गया है। ट्रेडिंग वॉल्यूम की बात करते तो कैश मार्केट ने एवरेज डेली ट्रेडिंग वॉल्यूम 1,11,687 करोड़ दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 127 प्रतिशत की ग्रोथ है। वहीं, इक्विटी फ्यूचर्स एडीटीवी सालाना आधार पर 60 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 1,79,840 करोड़ पर पहुंच गया है।

रुपया एक पैसे बढ़कर 83.43 डॉलर पर

मुंबई । कमजोर अमेरिकी मुद्रा और सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों के समर्थन से रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.43 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने भारतीय मुद्रा की वृद्धि को रोका। घोषित होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति के फैसले से पहले निवेशक भी सतर्क हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.40 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद फिसलकर 83.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.44 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.06 पर रहा।

एयर इंडिया के सीईओ बोले- हम अच्छी स्थिति में स्पाइसजेट के सीएमडी ने कहा- हमें खत्म करना मुश्किल

नई दिल्ली ।
एयर इंडिया के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने एयरलाइन की भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। उन्होने कहा कि एयर इंडिया अपने बेड़े में सुधार के तहत 40 बड़े विमानों सहित 100 से अधिक विमानों की मरम्मत करेगी। इसके लिए कंपनी ने बेड़े को बढ़ाने की योजना के तहत करीब 25,000 एयरक्राफ्ट सीटों का आर्डर दिया है। विल्सन ने कहा कि एयर इंडिया में बदलाव के लिए बहुत सारी चीजें की जा रही है, लेकिन सबसे ज्यादा उनका ध्यान एकीकरण, वृद्धि, अधिकतम उपयोग और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने पर है।

टाटा समूह की ओर से अपने विमानन कारोबार को मजबूत करने की योजना के तहत एआईएक्स कनेक्ट, जिसे पहले एयरएशिया इंडिया के नाम से जाना जाता था, का एयर इंडिया एक्सप्रेस और विस्तारा का एयर इंडिया में विलय किया जा रहा है। एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक ने नई दिल्ली में सीएपीए इंडिया एविएशन समिट में कहा कि चाहे वह पूर्ण उड़ान सेवा हो या कम लागत की सेवाएं हों समूह को ये काफी काफी लचीलापन प्रदान करते हैं।

एयर इंडिया सीईओ ने बड़ा बढ़ाने के लिए 25000 सीटों का ऑर्डर दिया

उनके अनुसार, एयर इंडिया 100 से अधिक विमानों को फिर सेवा में लाने और विमानों के पुनर्निर्माण के तहत लगभग 25,000 सीटों का भी आदेश दिया गया है। एयरलाइन उद्योग के लागत पर विल्सन ने कहा कि हवाई

किराए समग्र मुद्रास्फीति की तुलना में कम तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया ने बदलाव के लिए पांच साल की परिवर्तन योजना शुरू की है। विल्सन ने कहा कि इसके तहत बहुत सारी चीजें चल रही हैं। विल्सन ने बदलाव और संभावित साझेदारी के बारे में बात करते हुए कहा कि नई एयर इंडिया पुरानी एयर इंडिया जैसी नहीं है और लोग (अन्य एयरलाइंस) अब हमारे जैसा करना चाहते हैं। द्विपक्षीय अधिकारों के मुद्दे पर एयर इंडिया प्रमुख ने कहा कि इस मामले में व्यावहारिक रुख अपनाया जाना चाहिए।

25 करोड़ डॉलर जुटाने की योजना पर काम कर रहा स्पाइसजेट, बोले सीएमडी अजय सिंह

सीएपीए समिट के दौरान स्पाइसजेट के प्रमुख अजय सिंह ने कहा कि एयरलाइन अगले कुछ महीनों में 25 करोड़ डॉलर जुटाएगी क्योंकि बजट एयरलाइन अपने परिचालन को बढ़ाने पर काम कर रही है। सिंह ने कहा कि एयरलाइन को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिसमें पट्टेदार और ऋण संकट शामिल हैं। उन्होंने कहा, स्पाइसजेट को खत्म करना मुश्किल है। हम समस्याओं को ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि एयरलाइन की बैलेंस शीट अगली दो तिमाहियों में साफ हो जाएगी। हाल ही में, एयरलाइन ने 15 करोड़ अमरीकी डॉलर जुटाए हैं। इसके साथ ही और अधिक धन जुटाने की कोशिश की जा रही है। सीएपीए इंडिया एविएशन समिट के दौरान अजय सिंह ने कहा कि अगले कुछ महीनों में एयरलाइन 250 करोड़ डॉलर की फंडिंग जुटाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि हमारा भविष्य पर्याप्त रूप से उवल है। स्पाइसजेट के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सिंह ने कहा कि हम अपना बेड़ा बढ़ाएंगे। सिंह ने कहा कि भारत में कई एविशन हब हैं और इसे देखते हुए हमें सभी जरूरी कदम उठाने होंगे।

विमानन कर्मचारियों की कमी जितनी दिख रही उससे भी ज्यादा गंभीर: कापा इंडिया

नई दिल्ली । पायलटों, चालक दल के सदस्यों और विमानन क्षेत्र के अन्य प्रमुख कर्मचारियों की कमी अनुमान या अभी दिखने वाली कमी की तुलना में कहीं ज्यादा गंभीर है। विमानन सलाहकार फर्म कापा इंडिया ने यह जानकारी दी। इसके अलावा भारतीय विमानन कंपनियां साल 2024-25 के दौरान अपने बेड़े में 82 और विमान शामिल करेंगी, जिससे देश में वाणिज्यिक विमानों की कुल संख्या बढ़कर 812 हो जाएगी। विस्तारा ने मार्च से अप्रैल के दौरान पायलटों के एक समूह द्वारा ली गई बीमारी की छुट्टी के कारण अपनी 10 फीसदी उड़ानें रद्द कर दी थीं। विमानन कंपनी का एयर इंडिया में विलय किया गया था। इसके तहत उन्हें दिए जाने वाले वेतन के नए पैकेज और काम के सख्त शेड्यूल के कथित असंतोष के बीच उन्होंने ऐसा किया था। पिछले साल सितंबर में अकासा एयर को करीब 24 दैनिक उड़ानें रद्द करने के लिए विवश होना पड़ा था क्योंकि लगभग 43 पायलटों ने प्रतिस्पर्धी विमानन कंपनी में जाने के लिए नोटिस की जरूरी अवधि पूरी किए बिना अचानक इस्तीफा दे दिया था। कापा इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कंपनी के वार्षिक शिखर सम्मेलन में कहा कि पायलटों, एएमई (विमान रखरखाव इंजीनियरों), चालक दल, फ्लाइट डिस्पैचर आदि की कमी मौजूदा अनुमान या अभी जो दिख रही है।

केंद्रीय बैंक के एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक शुरू, रेपो रेट पर फैसले का होगा एलान

नई दिल्ली ।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दर निर्धारण समिति ने अगली मौद्रिक नीति तय करने के लिए तीन दिवसीय बैठक शुरू की। यह बैठक 7 जून 2024 तक चलेगी। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की ओर से लिए गए फैसलों का एलान करेंगे। जानकारों का मानना है कि केंद्रीय बैंक की ओर से इस बार भी नीतिगत दर (रेपो रेट) में कटौती की संभावना नहीं है, क्योंकि मुद्रास्फीति (महंगाई) अब भी चिंता का विषय बनी हुई है। एमपीसी रेपो रेट में इसलिए भी कटौती से भी परहेज कर सकती है क्योंकि फरवरी 2023 से जारी 6.5 प्रतिशत की उच्च रेपो दर के बावजूद आर्थिक विकास दर मजबूत बनी हुई है। केंद्रीय बैंक ने पिछली बार फरवरी 2023 में रेपो दर बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत की थी और तब से उसने लगातार 7 बार रेपो रेट में यथास्थिति बनाए रखी है। रेपो रेट से बैंकों की ईएमआई जुड़ी होती है। ऐसे में लोगों में यह जिज्ञासा है कि क्या इस बार मौद्रिक नीति समिति रेपो दर में कटौती करेगी क्या लोगों को ईएमआई से राहत मिलेगी एसबीआई के एक शोध पत्र के अनुसार, केंद्रीय बैंक को ब्याज दरों में कटौती के अपने मौजूदा रुख को जारी रखने की जरूरत है। एमपीसी बैठक से पहले शीर्षक वाली रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई है कि रिजर्व बैंक चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में रेपो दर में कटौती करेगा और यह कटौती मामूली हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सीपीआई आधारित खुदरा मुद्रास्फीति मई में 5 प्रतिशत के करीब रहने की उम्मीद है (आंकड़े इस महीने के अंत में जारी किए जाएंगे) और उसके बाद जुलाई में घटकर 3 प्रतिशत रह जाएगी। इसमें कहा गया है कि मुद्रास्फीति अक्टूबर से शुरू होकर 2024-25 के अंत तक पांच प्रतिशत से नीचे रहने की उम्मीद है। आरबीआई की एमसीसी बैठक से उम्मीदों पर हाउसिंग डॉट काम और प्रोप्टाइगर डॉट कॉम के सीईओ ध्रुव अग्रवाल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था ने अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 8.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर हासिल की।

भारत में नथिंग फोन 3 जल्द होगा लांच, स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 एसओसी से लैस हो सकता है फोन

नई दिल्ली ।
भारतीय बाजार में नथिंग कंपनी जल्द एक नया प्रोडक्ट लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी के सीईओ कार्ल पेई ने सोशल मीडिया पर एक नए प्रोडक्ट को टीज़ करना शुरू कर दिया है। हालांकि ब्रांड ने कोई घोषणा नहीं की है, लेकिन उम्मीद है कि नथिंग फोन 3 जल्द ही सामने आएगा।

ये फोन स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 एसओसी से लैस हो सकता है। बता दें कि नथिंग फोन 2 को भारत में 2022 में लॉन्च किया गया था। हालांकि टीज़र से बिलुकल भी क्लियर नहीं है कि ये डिवाइस का कौन सा हिस्सा है। लेकिन साइड की झलक देखकर लग रहा है कि ये किसी फोन का साइड डिज़ाइन है। इस समय नथिंग के अगले ऐलान के बारे में कोई खास जानकारी नहीं मिली है, लेकिन लेटेस्ट लीक रिपोर्ट से तो ऐसा लग रहा है कि नथिंग फोन की पिछली लॉन्च टाइमलाइन को देखते हुए ये कहा जा सकता है कि नथिंग फोन 3 को जल्द लॉन्च किया जा सकता है।नथिंग के फोन लिस्ट में फिलहाल नथिंग फोन 1, फोन 2 और फोन 2ए शामिल है।

फोन 2 को कंपनी ने जुलाई 2022 में 44,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया गया है, जो कि इसके बेस 8जीबी रैम + 128जीबी स्टोरेज वेरिएंट के लिए है।

नथिंग फोन 2ए को मार्च में बेस 8जीबी + 128जीबी वेरिएंट को 23,999 रुपये में लॉन्च किया गया था। नथिंग फोन 3 क्वालकॉम के नए स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 एसओसी से लैस हो सकता है। उम्मीद की जा रही है कि इसकी कीमत लगभग 40,000 रुपये से 45,000 रुपये के बीच हो सकती है। इसमें ग्लिफ एलईडी इंटरफेस के साथ ट्रांसपेरेन्ट डिज़ाइन मिल सकता है। बता दें कि नथिंग अपने यूनीक प्रोडक्ट को लेकर काफी चर्चा में रहती है। कंपनी भारत में फोन, ईयरबड पहले ही लॉन्च कर चुकी है।

चांदी की बढ़ती मांग के बीच मुंबई में सिल्वर एग्जीबिशन, 7 से 10 जून के बीच होगा आयोजन

मुंबई ।
चांदी की बढ़ती मांग के बीच मुंबई में देश का दूसरा सबसे बड़ा सिल्वर एग्जीबिशन का आयोजन होने जा रहा है। जहां ज्वेलर्स के साथ कारीगर और निवेशक भी शामिल होंगे। इस एग्जीबिशन में लगभग 350 टन चांदी के आभुषणों का प्रदर्शन किया जाएगा।

इस साल चांदी की कीमतों ने सोने से बेहतर प्रदर्शन किया है। पिछले कुछ समय से चांदी की बढ़ती मांग के कारण इसकी कीमत में अब तक 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी आई है। चांदी की मांग प्रमुख उद्योगों में बढ़ी है। इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, सोलार पैनल, मोबाइल फोन के निर्माण में चांदी का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर किया जाता है। चांदी की बढ़ती हुई मांग ने

कारोबारियों, ज्वेलर्स और निवेशकों को भी आकर्षित किया है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुंबई में 7 से 10 जून 2024 तक जियो कन्वेशन सेंटर बीकेसी मुंबई में देश के दूसरे सिल्वर एग्जिबिशन का आयोजन किया जा रहा है।

यहां 800 रजिस्ट्रर बूथ्स के साथ ग्लोबल स्तर से ज्वेलर्स डिजाइनर भाग लेंगे। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजे) राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ चेतन मेहता ने कहा कि यह केवल प्रदर्शनी ही नहीं यहां चांदी की ज्वेलरी की उत्कृष्टा को दर्शाया जाएगा। यहां हम चांदी को केवल गहनों में नहीं निवेश के तौर पर भी शो केस करेंगे। आईबीजे के सचिव सुरेंद्र मेहता ने बताया प्रदर्शनी में चांदी को बढ़ावा देने के लिए भी किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में चांदी की कलाकृतियों का एक व्यापक संग्रह पेश किया जाएगा। गहनों के अलावा घरेलू सजावट, बारीक रूप से तैयार की गई कटलरी भी इसमें शामिल होगी।

बता दें कि यहां 25000 रजिस्ट्रर विजिटर आने का अनुमान है। ज्वेलर्स, कारीगर, निवेशक और ग्राहक एक मंच पर होंगे। यहां प्रदर्शनी में आने वाले लोग सिल्वर के यूनिक पीस भी देख और खरीद सकते हैं। चांदी के इस एग्जिबिशन में लगभग 350 टन चांदी प्रदर्शित की जाएगी। मुंबई में चांदी का भाव 88,530 रुपये प्रति किलो रहा।

भारत की सर्विस सेक्टर की ग्रोथ घटकर निचले स्तर पर आई

नई दिल्ली।
भीषण गर्मी, कड़ी प्रतिस्पर्धा, मूल्य दबाव के चलते मई माह में भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर निचले स्तर पर आ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों से नए ठेकों में एक दशक में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। एक सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक मई माह में गिरकर 60.2 पर आ गया जो पिछले साल दिसंबर के बाद से सबसे निचला स्तर है।

अप्रैल में यह 60.8 पर था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। मई माह के आंकड़ों से पता चलता है कि नए व्यवसाय में मजबूत वृद्धि ने भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में उत्पादन वृद्धि को बल देना जारी रखा है। सर्वेक्षण के मुताबिक एक और सकारात्मक बात यह है कि कारोबारी विश्वास में 8 महीनों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई। बिक्री में बढ़ोतरी, उत्पादकता में तेजी और मांग में मजबूती से वृद्धि को समर्थन मिला है। प्रतिस्पर्धा और मूल्य दबावों के कारण वृद्धि में कुछ बाधा भी आई। एचएसबीसी की वैश्विक अर्थशास्त्री मैत्रेयी दास ने कहा कि मई में भारत की सेवा गतिविधि थोड़ी धीमी गति से बढ़ी, घरेलू नए ठेकों में थोड़ी कमी आई लेकिन वे मजबूत बने रहे। यह मजबूत मांग को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मई में कच्चे माल और श्रम की लागत में बढ़ोतरी के चलते लागत दबाव बढ़ गया। कंपनियां मूल्य वृद्धि का एक हिस्सा ग्राहकों तक पहुंचाने में सक्षम रहीं। मई में जिस क्षेत्र में पर्याप्त सुधार हुआ, वह नए निर्यात ठेके थे, जिसमें बढ़ोतरी सितंबर 2014 में श्रृंखला की शुरुआत के बाद से सबसे तेज रही। सर्वेक्षण प्रतिभागियों ने यूरोप, पश्चिम एशिया, एशिया, अफ्रीका, और अमेरिका से मांग में मजबूत वृद्धि देखी। इस बीच एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स मई में गिरकर 60.5 हो गया जो अप्रैल में 61.5 था।

स्पेक्ट्रम की नीलामी अब 25 जून को

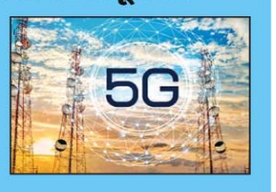

नई दिल्ली। टेलीकॉम डिपार्टमेंट ने स्पेक्ट्रम नीलामी की समय सीमा 19 दिन बढ़ा दी है यह नीलामी अब 25 जून होगी। विभाग की वेबसाइट पर यह जानकारी मिली है। नीलामी के लिए आवेदन आमंत्रित करने वाले नोटिस में किए गए संशोधन के मुताबिक कि लाइव नीलामी की शुरुआत की नई तारीख 6 जून से बदलकर 25 जून कर दी गई है। सरकार मोबाइल फोन सेवाओं के लिए करीब 96,317 करोड़ रुपए के आधार मूल्य पर 8 स्पेक्ट्रम बैंड की नीलामी करेगी। नीलामी में 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 2300 मेगाहर्ट्ज, 2500 मेगाहर्ट्ज, 3300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज बैंड में उपलब्ध सभी स्पेक्ट्रम उपलब्ध हैं। रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए 3000 करोड़ रुपए की सबसे ज्यादा बयाना राशि जमा की है। इससे कंपनी मैक्सिमम रेडियो फ्रीक्वेंसी के लिए बोली लगा सकेगी। बोलीदाता के लिए पूर्व-पात्रता विवरण के मुताबिक भारती एयरटेल ने 1050 करोड़ रुपए और वोडाफोन आइडिया ने 300 करोड़ रुपए की बयाना राशि जमा कर दी है। कंपनियों को जमा की गई बयाना राशि के आधार पर पॉइंट मिलते हैं। इसके आधार पर वे अपनी इच्छा अनुसार सर्किल की संख्या और स्पेक्ट्रम की मात्रा के लिए बोली लगा सकते हैं। हाई पॉइंट्स का मतलब बोली लगाने की उच्च क्षमता है। स्पेक्ट्रम 20 साल की अवधि के लिए दिया जाएगा और सफल बोलीदाताओं को 20 समान सालाना किस्तों में भुगतान करने की सुविधा होगी। टेलीकॉम डिपार्टमेंट ने आगामी नीलामी के माध्यम से प्राप्त स्पेक्ट्रम को न्यूनतम 10 साल की अवधि के बाद वापस करने का विकल्प है। अब 25 जून को देश में एक्टिव टेलीकॉम सर्विसेज प्रोवाइडर कंपनियां भारती एयरटेल, रिलायंस जियो इंफोकॉम, वोडाफोन-आइडिया जैसी कंपनियों को अगले 20 सालों के लिए 8 तरह के स्पेक्ट्रम बैंड के लिए बोली लगाने का मौका मिलेगा।

भंसाली और नेटफ्लिक्स ने किया सीजन 2 का ऐलान

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म निमार्ता संजय लीला भंसाली और नेटफ्लिक्स ने सीजन 2 का ऐलान किया है, जिसके लिए दर्शकों में भारी उत्साह देखने मिल रहा है। इसके अलावा, शो में उसकी कास्ट की परफॉरमेंस एक बड़ी हाइलाइट बनकर सामने आई है। शो में मौजूद एक्ट्रेस शर्मिन सहगल, अपनी परफॉर्मेंस के लिए दर्शकों से तारीफ पा रही हैं, जबकी उनके को-स्टार ताहा शाह बदुशा भी एक्ट्रेस की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए हैं। हाल ही दिए अपने इंटरव्यू में, ताहा शाह बदुशा ने शर्मिन सहगल की तारीफ करते हुए कहा,मैं सेट पर था और मैं उन्हें एक व्यक्ति और एक एक्ट्रेस के रूप में जानता हूं। मुझे पता है कि एक एक्ट्रेस के रूप में वह हमेशा टाइम पर रहती हैं और वह हमेशा अपना अच्छा देने की कोशिश करती है। एक इंसान से और क्या आप उम्मीद कर सकते हैं ? मैं देख सकता हूं कि वह मेहनत कर रही हैं। शरमीन बहुत स्ट्रॉन्ग गर्ल हैं और वह मेंटली भी बहुत स्ट्रॉन्ग हैं, और मैं ये मानता हूं कि ये सब चीजें पूरी प्रोसेस का हिस्सा हैं, और यह ग्रोथ है। जितना मैं कह सकता हूं, वो मेरे लिए एक कमाल की इंसान रही है। एक्टिंग में भी उन्होंने अपना सबसे अच्छा दिखाया है, और बाकी का तो कुछ आपके हाथ में नहीं है। संजय लीला भंसाली द्वारा डायरेक्ट की गई, हीरामंडीः द डायमंड बाजार एक आठ-पार्ट वाली सीरीज है, जो 1 मई से 190 देशों में नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है। बता दें कि संजय लीला भंसाली की हीरामंडीः द डायमंड बाजार की नेटफ्लिक्स पर रिलीज ने ओटीटी की दुनिया में क्रांति लाई है। उसकी शानदार स्केल, शानदार माहौल, दिलचस्प प्रदर्शन और जबरदस्त म्यूजिक ने दर्शकों को अपनी तरफ खींचा है।

दीपिका की 3 फिल्मों ने बाक्स आफिस पर कमाए 2550 करोड़

-लगातार हिट फिल्मों ने एक्ट्रेस के असाधारण प्रदर्शन को दर्शाया

मुंबई (ईएमएस)। हाल के दिनों में बालीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने बैक टू बैक पठान, जवान और फाइटर जैसी तीन ब्लॉकबस्टर फिल्म दी है। तीनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अपना दम दिखाते हुए 2550+ करोड़ की शानदार कमाई अपने नाम की है। इन लगातार हिट फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर उनके असाधारण प्रदर्शन को दर्शाया है, साथ ही उन्हें इंडियन सिनेमा में एक मजबूत ताकत के रूप में भी स्थापित किया है। एक के बाद एक ब्लॉकबस्टर सफलता देने की उनकी क्षमता उनकी लगातार बढ़ती पॉपुलैरिटी और स्टार पावर को दशार्ती है। यह किसी भी बड़े फैंस बेस को हासिल करने वाली इंडियन एक्ट्रेस के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। बॉक्स ऑफिस पर यह बड़ी सफलता दशार्ती है कि दीपिका पादुकोण दुनिया भर में कितनी पॉपुलर हैं और लोग उनकी फिल्मों की चॉइस पर कितना भरोसा करते हैं। इनमें से हर फिल्म ने कलेक्शन और रिव्यू दोनों में बहुत अच्छा परफॉर्म किया है, जिससे क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों को खुश करने वाली भूमिकाएँ चुनने की एक्टर्स के टेलेंट का पता चलता है। 2550+ करोड़ के आंकड़े तक पहुँचना एक बहुत बड़ी सफलता है जिसका दावा बहुत कम लोग कर सकते हैं। यह कहना गलत नही होगा कि यह किसी भी एक्ट्रेस के लिए पिछले दो सालों में तीन हिट फि ल्में देना एक नया रिकॉर्ड है। यह उपलब्धि दीपिका पादुकोण के इस टैलेंट को दर्शाती है कि एक्ट्रेस जिस भी प्रोजेक्ट से जुड़ती हैं, उसके लिए उत्साह पैदा होना लाजमी है।

अपकमिंग प्रोजेक्ट द ब्लफ की तैयारी में जुटी प्रियंका

-एक्ट्रेस ने यॉट पार्टी का वीडियो किया शेयर

मुंबई (ईएमएस)। अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट द ब्लफ की तैयारी में एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जोनस जुट गई हैं। एक्ट्रेस ने अपकमिंग फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले एक यॉट पार्टी का वीडियो शेयर किया। वीडियो क्लिप में उनकी बेटी मालती मैरी जोनस भी नजर आ रही हैं। वीडियो में प्रियंका सफेद शॉर्ट्स और क्रॉप टॉप में बेहद खूबसूरत लग रही हैं और अपनी बेटी मालती के साथ मस्ती करती दिख रही हैं। द ब्लफ की टीम भी पार्टी का हिस्सा है। रील शेयर करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा : जब मैं कोई नया प्रोजेक्ट शुरू करती हूं, तो मेरे लिए यह जानना बहुत जरूरी होता है कि इसे बनाने के लिए जो लोग साथ आते हैं, वे बेहतरीन हैं। हम अपने परिवारों और घरों से दूर, एक साथ बहुत समय बिताते हैं, उस आर्ट के बारे में ही सोचते हैं, उसे जीते हैं, जिसके लिए हम कंट्रीब्यूट कर रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, यह बहुत आसान हो जाता है जब आपके आस-पास के सभी लोग डेडिकेशन और उत्साह से भरे होते हैं। यहां नई शुरूआत है। फ्रैंक ई फ्लावर्स, द रुसो ब्रदर्स और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज को अविश्वसनीय लोगों को एक साथ लाने के लिए धन्यवाद। ऑस्ट्रेलिया में अगले तीन महीनों का बेसब्री से इंतजार है। द ब्लफ फ्रैंक ई. फ्लावर्स द्वारा निर्देशित फिल्म है। यह 19वीं सदी की एक कैरेबियाई महिला समुद्री डाकू की कहानी पर आधारित है, जो अपने परिवार की रक्षा के लिए एक सफर पर निकलती है, लेकिन उसके पिछले पाप उसका पीछा नहीं छोड़ते। फिल्म में प्रियंका उसी समुद्री डाकू का किरदार निभा रही हैं। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की स्क्रिप्ट की एक झलक भी शेयर की, जिसका कैप्शन थाः इट बिगिन्स... एक्ट्रेस की फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट भी जल्द ही रिलीज होने वाली है।

पत्नी ने आरती उतारकर किया एक्टर का स्वागत

लोकसभा चुनाव के नतीजों के साथ आंध्र प्रदेश विधान सभा चुनाव के नतीजे भी आ चुके हैं, जिनमें पवन कल्याण की पार्टी जन सेना पार्टी ने ठीकठाक प्रदर्शन किया तथा उनकी पार्टी ने 21 सीटों पर जीत दर्ज किया है । पवन ने पीठपुरम सीट से जीत हासिल की है। एक्टर की जीत से उनका परिवार और फैंस खुशी से झूम उठे हैं। चुनाव जीतने के बाद घर पहुंचे पवन कल्याण का उनकी पत्नी ने आरती उतारकर स्वागत किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता कि पवन कल्याण जैसे ही घर पहुंचे, उनके परिवार ने दिल खोल कर उनका स्वागत किया और पत्नी एना लेझनेवा ने माथे पर तिलक लगाकर एक्टर की आरती भी उतारी। फैंस एक्टर के इस वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब लाइक कर रहे हैं और उन्हें बधाई भी दे रहे हैं। बता दें, पवन कल्याण साल 2013 में रूसी मॉडल अन्ना लेझनेवा से शादी की थी।

बेटी ईशा ने दी हैट्रिक के लिए मां को बधाई

2024 लोकसभा चुनाव के नतीजे मंगलवार को घोषित हो गए हैं, जिसमें कई बॉलीवुड सितारों की किस्मत चमक गई हैं। अपने समय की ड्रीमगर्ल अभिनेत्री और भाजपा लीडर हेमा मालिनी ने लोकसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल किया है। अभिनेत्री की इस शानदार जीत के बाद उन्हें खूब बधाइयां मिल रही हैं। वहीं अभिनेत्री ईशा देओल ने भी अपनी मां हेमा मालिनी को इस जीत की शानदार हैट्रिक के लिए बधाई दी है। ईशा ने अपने इंस्टाग्राम पर मां हेमा मालिनी की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की, जिसमें वह रेड कलर के सूट में नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, बधाई हो मम्मा. हैट ट्रिक। इसके साथ ही उन्होंने नजर ना लगने वाली और प्यार वाली इमोजी भी लगाई है। मां के लिए किया ईशा देओल का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

बहुत सेक्सी लगा है बहन मन्नारा का ट्रेलर : परिणीति चोपडा

-पेपराजी से बोली- बंद कर दो हम दोनों की तुलना करना

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा का एक वीडियो चर्चा में बना हुआ है। इस वीडियो में परिणीति से जब अपनी कजिन सिस्टर मन्नारा चोपडा के साथ इंडस्ट्री में कॉम्पिटिशन को लेकर सवाल किया गया तो एक्ट्रेस के जवाब ने सबका दिल जीत लिया। परिणीति चोपड़ा का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। ये वीडियो किसी इवेंट का लग रहा है। इस वीडियो में जब परिणीति से पूछा, बहन का ट्रेलर लॉन्च हुआ है आपने देखा है मन्नारा का कैसा लगा। इस मन्नारा ने कहा, हां जरूर देखा है। बहुत सेक्सी लगा है उसका ट्रेलर। इसके बाद मीडिया ने जब परिणीति से पूछा कि आपको क्या लगता है वो आपकी कॉम्पिटीटर बन सकते हैं? इस पर परिणीति ने कहा, ह्यायर वो और मैं एक ही साथ बड़े हुए हैं एक ही माहौल में। हमारे बीच में सिर्फ दो साल का अंतर है। अब समय आ गया है कि हम दोनों को तुलना करना बंद कर दें। हम बहनें एक दूसरे के साथ निगेटिव तरह से नहीं रहते हैं हमारे बीच काफी प्यार है। मन्नारा चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वो अक्सर अपनी लेटेस्ट तस्वीरों और वीडियो के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। फैंस भी मन्नारा के लेटेस्ट फोटोशूट को काफी पसंद करते हैं।

सोशल मीडिया पर मन्नारा की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। बता दें कि बिग बॉस 17 फेम और एक्ट्रेस मन्नारा चोपड़ा को सलमान खान के इस शो से एक अलग पहचान मिली है। शो में मन्नारा ने अपने खास अंदाज से फैंस को खूब एंटरटेन किया। प्रियंका चोपड़ा और परिणीति चोपड़ा की बहन होने की वजह से भी मन्नारा को शो में काफी फायदा मिला। उन्हें इस बात के लिए भी जाना जाता है कि वो प्रियंका की कजिन हैं। शो से निकलने के बाद मन्नारा लगातार खबरों में छाई हैं। उनके कई म्यूजिक वीडियो भी रिलीज हुए हैं। कुछ दिनों पहले मन्नारा ने अपना बर्थडे बहन प्रियंका चोपड़ा और जीजा निक जोनस के साथ सेलिब्रेट किया था, जिसकी कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुईं थीं।

तलाक की अफवाहों के बीच एक साथ स्पॉट हुआ कपल

तलाकी अफवाहों के बीच हॉलीवुड कपल जेनिफर लोपेज और बेन एफ्लेक कई बार एक साथ स्पॉट किया गया है। दोनों हर बार साथ स्पॉट होकर तलाक की खबरों को खारिज करते नजर आते हैं। अब हाल ही में जेनिफर और बेन को लॉस एंजिल्स में स्पॉट किया गया, जहां दोनों का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला। कपल की ये तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। दरअसल, बेन और जेनिर को बेटे सेमूएल को बास्कटबॉल गेम में चियर करने के लिए एक साथ देखा गया। इस दौरान जहां जेनिफर ब्लैक टॉप और डेनिम के काफी स्टाइलिश दिखी। वहीं उनके पति रेड जैकेट और ब्लू डेनिम में दिखे। गाड़ी के बाहर दोनों का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला। एक्ट्रेस बेन को गले लगाकर उनके गाल पर किस करती नजर आ रही है। कपल की ये तस्वीरें देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं।

बेटी संग एंजॉय कर रही स्वरा भास्कर

आजकल बालीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर बेटी राबिया संग मदरहूड पीरियड को एंजॉय कर रही हैं। इन दिनों स्वरा ने काम से ब्रेक लेकर अपनी बेटी और परिवार के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रही है। स्वरा सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने नए पोस्ट में बॉडी शेमिंग करने वालों की लताड़ लगाई है। उनका ये पोस्ट खूब वायरल हो रहा है। स्वरा ने अपने एक्स अकाउंट पर एक न्यूज पोस्ट करते हुए लिखा- अन्य मीडिया चैनल- चुनाव एग्जिट पोल.. इतनी सीटें.. फलां उम्मीदवार.. अगला प्रधानमंत्री.. आदि.., लेकिन जिस महिला ने नवजात शिशु को जन्म दिया उसका वजन बढ़ गयाधीमी ताली ! उनकी पत्रकारिता की अद्भुत स्थिति के लिए और जीव विज्ञान और सामान्य ज्ञान के उनके ज्ञान के लिएङ्घ आह आला !!!! आगे ट्वीट में एक्ट्रेस ने लिखा, जो लोग देवनागरी लिपि नहीं पढ़ सकते, उनके लिए यह एक प्रमुख हिंदी समाचार पत्र है, जो सोचता है कि यह खबर के लायक है कि एक मां, जिसने कुछ महीने पहले एक बच्चे को जन्म दिया था, उसका वजन बढ़ गया है !

पूरे देश में प्रशंसक आधार बना रहे दक्षिण के अभिनेता

-क्षेत्रीय सीमाओं से परे ये एक्टर दर्शकों को कर रहे हैं आकर्षित

मुंबई (ईएमएस)। दक्षिण भारतीय सिनेमा के अभिनेता अब पूरे देश में अपने प्रशंसकों का आधार बना रहे हैं। क्षेत्रीय सीमाओं से परे ये एक्टर देश भर के दर्शकों को आकर्शित करने में कामयाब हो रहे हैं। इन अभिनेताओं ने अपने समर्पण और बहुमुखी प्रदर्शन के माध्यम से भारतीय सिनेमा के परिदृश्य को फिर से परिभाषित किया है। अपने क्षेत्रीय दायरे से परे दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता उनकी प्रतिभा और उनकी कहानी कहने की सार्वभौमिक अपील के बारे में बहुत कुछ बताती है। दक्षिण सिनेमा के ये चमकते हुए सितारे है, रामचरण, प्रभास, जूनियर एनटीआर तथा अल्लू अर्जुन। एक्टर राम चरण की पैन-इंडिया स्टार बनने की यात्रा असाधारण से कम नहीं है। उस समय की सबसे महंगी तेलुगु फिल्म मगाधीरा के साथ, उन्होंने न केवल अपनी अभिनय क्षमता और स्टार अपील का प्रदर्शन किया, बल्कि खुद के लिए एक समर्पित और पागल प्रशंसक भी अर्जित किया, जो सभी आयु समूहों और क्षेत्रों में फैला हुआ था। जो बात राम चरण को अलग करती है, वह अपने लुक और प्रदर्शन को लगातार नया रूप देने की उनकी क्षमता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रत्येक फिल्म दर्शकों के लिए कुछ नया लाती है और अभिनेता का प्रशंसक आधार दिन पर दिन बढ़ता ही जाता है।

उनका करियर लगातार आरआरआर सहित जबरदस्त सफलताओं से चिह्नित है, जिसने न केवल देश को हिलाकर रख दिया, बल्कि पश्चिमी सिनेमा में भी धूम मचा दी। उनके शक्तिशाली और सूक्ष्म चित्रण ने विदेशों में उनके प्रशंसकों का विस्तार किया। अभिनेता प्रभास ने महाकाव्य बाहुबली श्रृंखला से अंतर्राष्ट्रीय ख्याति हासिल की। अमरेंद्र बाहुबली और महेंद्र बाहुबली के उनके चित्रण ने लाखों लोगों के दिलों पर कब्जा कर लिया, जिससे वह अखिल भारतीय सनसनी के रूप में स्थापित हो गए। बाहुबली फिल्मों की अभूतपूर्व सफलता ने प्रभास को देश और विदेश में बड़े पैमाने पर प्रशंसक बना दिया। अपनी सशक्त स्क्रीन उपस्थिति और बहुमुखी अभिनय कौशल के लिए जाने जाने वाले जूनियर एनटीआर भी पैन-इंडिया आइकन बन गए हैं। राम चरण के साथ आरआरआर में कोमाराम भीम के रूप में उनके प्रदर्शन ने उनकी अपार प्रतिभा को प्रदर्शित किया। विविध किरदारों को गहराई और तीव्रता के साथ अपनाने की जूनियर एनटीआर की क्षमता ने उन्हें पूरे भारत में एक विशाल और वफादार प्रशंसक आधार प्रदान किया है। अपनी बेबाक शैली और ऊजार्वान अभिनय के लिए जाने जाने वाले अल्लू अर्जुन ने भी भारतीय फिल्म उद्योग में अपने लिए एक महत्वपूर्ण जगह बनाई है। पुष्पा जैसी फिल्मों ने उनकी प्रतिभा और व्यापक अपील को प्रदर्शित किया है। अल्लू अर्जुन के अनूठे डांस मूव्स और उनकी करिश्माई स्क्रीन उपस्थिति ने सैकडों लोगों को उनका फैंस बना दिया है। आने वाले समय में ये चारों सुपरस्टार पूरे भारत में अपने बेहतरीन अभिनय के माध्यम से छा जाने को तैयार है।

कंगना रनौत को गाड़ी चलाने से लगता है डर, हो चुकी हैं तीन दुर्घटनाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत भाजपा के टिकट पर हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से जीत का परचम लहरा चुकी हैं। मंडी सीट पर कंगना के खिलाफ कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह थे। दमदार पर्सनैलिटी वाली कंगना के बारे में आपको यह जानकर हैरानी हो सकती है कि उन्हें गाड़ी चलाने से डर लगता है। कंगना को ड्राइविंग से डर तो लगता है, लेकिन उन्हें महंगी कारों का शौक है। एक इंटरव्यू में कंगना ने कहा था, मुझे ड्राइविंग का बहुत शौक है, लेकिन जब मैंने गाड़ी चलाने की कोशिश की तो मेरा तीन बार एक्सीडेंट हुआ। इसके बाद मुझे कार का स्टेरिंग पकड़ने से भी डर लगता है, मुझे लगता है कि मैं फिर किसी कार से टकरा जाऊंगी। सांसद बनने के बाद हर किसी के जहन में ये सवाल उमड़ रहा है कि कंगना रनौत अपना एक्टिंग करियर जारी रखेंगी या नहीं। कंगना की मोस्ट अवेटेड फिल्म इमरजेंसी काफी समय से चर्चा में है और हर कोई इसकी रिलीज का इंतजार कर रहा है। इस फिल्म में वह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभा रही हैं। कंगना हर मुद्दे पर अपनी बेबाक राय रखती हैं। शायद इसीलिए उन्हें इंडस्ट्री की क्वीन भी कहा जाता है। बॉलीवुड में उनके काम से उनकी बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग बन गई है। अब उनके फैंस कंगना को राजनीति में काम करते देखने के लिए उत्सुक हैं।

सूडोकु नवताल- 6815

मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6814 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्दजाल - 7562

ना	हु	मे	रि	ना	ट	क	ल	च	ट	र्जी
ज	खु	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
नी	पी	ना	यि	का	ग	बा	द	ह	प	ल
न	ग	ए	ना	मु	म	कि	न	ह	लि	ना
व	र	ना	ग	रि	क	ला	कि	यो	प	मा
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	कू
न	ना	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	ल
क	रि	का	र	य	र	ना	का	म	वि	रे
र	या	बा	बि	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ल	व	ना	का	रा	टि	ल
बां	स	ना	रा	य	ण	ले	स	सु	रा	ल

शब्दजाल में 'ना' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए.शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

नामाकूल,नाकारा,नाकाबिल,नाजनीन, नागरिक,नाटक,नामुमकिन,नाकाम, नारायण,नायिका

शब्दजाल - 7561 का हल

गं	ल	जें	द्र	कु	मा	रा	श	न	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा
वि	स	रा	म	रा	ज	नी	ति	ल	ख	म
रा	स	स	क्ष	दि	वा	ज	ध	रा	श	दु
ज्य	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	म	झ	रा
पा	ल	ला	र	दि	म	रा	ती	चं	घ	ज
ल	व	रा	ज	तं	त्र	ह	ज	द्र	व	धा
श	एं	वा	ई	द	ब	गी	डू	ए	श	नी
मी	ड	ल	रा	व	ण	र	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	रा	ज	म	ह	ल	त	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6515

7		5	2			
	38		32	1	27	
4	3			6		2
	29	2	45		33	
1	3			5		4
	24	1	36	4	30	
6		4	7		5	3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6514 का हल

7	4	5	2	3	6	1
5	38	3	32	1	27	7
4	3	7	5	6	1	2
3	29	2	45	7	33	6
1	3	6	7	5	2	4
2	24	1	36	4	30	5
6	1	4	7	2	5	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

अल्कारेज ने लगातार दूसरे साल बनाई सेमीफाइनल में जगह, बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी अंतिम-चार में पहुंची

पेरिस ।

अल्काराज ने मैच के बाद कहा- मैं फ्रेंच ओपन में फिर से सेमीफाइनल में पहुंचकर बहुत खुश हूं। ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में खेलना हमेशा से खास रहता है। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में लगातार दूसरे साल जगह बनाई। उन्होंने स्टेफानोस सितसिपास को पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सीधे सेटों में पराजित कर दिया। अल्काराज ने यह मुकाबला 6-3, 7-6, 6-4 से अपने नाम किया। अल्काराज का सेमीफाइनल में मुकाबला इटली के खिलाड़ी जैनिक सिनर से होगा जिन्होंने अपने क्वार्टर फाइनल मैच में ग्रिगोर दिमित्रोव को सीधे सेटों में 6-2, 6-4, 7-6 से शिकस्त दी थी। अल्काराज ने मैच के बाद कहा- मैं फ्रेंच ओपन में फिर से सेमीफाइनल में पहुंचकर बहुत खुश हूं। ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में खेलना हमेशा से खास रहता है। जैनिक सिनर के खिलाफ मुकबाला आसान नहीं रहेगा। वह कड़े प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन मैं इस चुनौती के लिए तैयार हूं। बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी अंतिम-चार में पहुंची भारतीय खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन की जोड़ी ने फ्रेंच ओपन के पुरुष युगल में अंतिम-चार में जगह बनाई। बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में जरिन वलीगन और सांडर गिले की जोड़ी को तीन सेट तक चले मुकाबले में 7-6, 5-7, 6-1 से हराया। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी का सेमीफाइनल में मुकाबला सिमोन बोलेल्ली और एड्रिया वाससोरी की जोड़ी से होगा। रिबाकिना को हराकर पाओलिनी सेमीफाइनल में जैसमीन पाओलिनी ने चौथी वरीयता प्राप्त एलेना रिबाकिना को 6-2, 4-6, 6-4 से हराकर फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया और कैरियर में पहली बार वह किसी ग्रैंडस्लैम के अंतिम चार में पहुंची है। इटली की 12वीं वरीयता प्राप्त पाओलिनी अब तक 16 ग्रैंडस्लैम खेलकर पहले या दूसरे दौर में बाहर होती आई है । उन्होंने इस साल जनवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन में चौथे दौर में जगह बनाई थी। अब उनका सामना दूसरी रैंकिंग वाली एरिना सबालेंका या 17 वर्ष की गैर वरीय मीरा आंद्रीवा से होगा।

न्यूज ब्रीफ

पाक के दिग्गज क्रिकेटर ने पीसीबी को जमकर लताड़ा, बाबर आजम को भी नहीं बख्शा और लगाया पक्षपात करने का आरोप

नई दिल्ली। बाबर आजम इस समय टी20 वर्ल्ड कप 2024 की तैयारियों में जुटे हुए हैं, जहां उनकी कोशिश

पाकिस्तान को चैंपियन बनाने की होगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 से कुछ समय पहले ही बाबर आजम को दोबारा कप्तान बनाया। हालांकि, बाबर आजम की कप्तानी और पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान क्रिकेट जिस दिशा में जा रहा है, उससे पूर्व दिग्गज क्रिकेटर अहमद शहजाद खुश नहीं हैं। शहजाद ने पाकिस्तान के एक टीवी चैनल पर पीसीबी की जमकर आलोचना की और बाबर आजम पर बड़ा आरोप भी लगाया। यह पूछने पर कि बाबर आजम राष्ट्रीय टीम में खिलाड़ी चुनने में पक्षपात दर्शाते हैं तो शहजाद ने खुलकर अपनी राय रखी। शहजाद ने कहा, बाबर आजम के बारे में बोलूं तो वहां दोस्ती दिखती है। देखें वो लंबे समय तक खिलाड़ियों को लेकर चलते हैं। यह अच्छा नहीं लगता है। अगर मैं मैचों की संख्या पर ध्यान दूंगा तो महसूस होगा कि खिलाड़ियों को इतना लंबा समय मिला नहीं। अगर कोई अन्य कप्तान होता तो वो खिलाड़ियों को 35-40 मैच तक नहीं लेकर बढ़ता बाबर आजम को अपने बारे में सोचने की जरुरत है। नहीं जीतने का कारण क्या शहजाद ने साथ ही कहा, हम क्रिकेट द्विपक्षीय सीरीज जीतने के लिए नहीं बल्कि आईसीसी इवेंट्स जीतने के लिए खेलते हैं। क्या पिछले पांच साल में हमने कोई इवेंट जीता अगर हम नहीं जीते तो मैं कहूंगा कि राष्ट्रीय टीम में गैंग, दोस्ता और एक एजेंट के साथ तोला था, जो पिछले चार-पांच साल में क्रिकेट को घुमा रहे हैं।बता दें कि बाबर आजम ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद सभी प्रारूपों से कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद शान मसूद को टेस्ट कप्तानी जबकि शाहीन अफरीदी को टी20 कप्तानी सौंपी गई थी। हालांकि, पीएसएल और फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ शाहीन अफरीदी के नेतृत्व में टीम का प्रदर्शन खराब रहा। फिर पीसीबी ने बाबर आजम को दोबारा सफेद गेंद कप्तान बनाया।

टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं ये टीमें : कैफ

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में

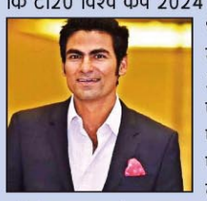

भारत, न्यूजीलैंड और मेजबान वेस्टइंडीज के अलावा ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान में से कोई एक टीम अंतिम चार में पहुंचेगी। टी20 विश्व कप के लिए भारत और पाक को के ग्रुप ए में रखा गया है और दोनों ही टीमों के बीच 9 जून को न्यूयॉर्क में आमने-सामने होंगे। यह टूर्नामेंट का सबसे महत्वपूर्ण मुकाबला भी है। 138 आधिकारिक मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले कैफ का कहना है कि उन्हें वेस्टइंडीज में चिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच फाइनल दिख रहा है। कैफ ने कहा कि किसी तरह न्यूजीलैंड ने शीर्ष 4 में जगह बना ली है, आईसीसी आयोजनों में आप उन्हें ख़ारिज नहीं कर सकते इसलिए न्यूजीलैंड को जोड़ें। मुझे लगता है कि वेस्ट इंडीज चूंकि अपने घर में खेल रही है इसलिए घरेलू मैदान पर वह एक खतरनाक टीम हो सकती है। मुझे नहीं पता कि शायद ऑस्ट्रेलिया या पाकिस्तान में से कोई एक आ सकता है। अगर पाकिस्तान के साथ फाइनल आता है तो अच्छा है। बता दें कि भारत और पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में एक साथ कुल सात मैच खेले हैं जहां टीम इंडिया 6 बार विजयी हुई है। पाकिस्तान को एकमात्र जीत 2021 में मिली थी। बहरहाल, कैफ का मानना है कि भारत के पास 2022 के मुकाबले बेहतर टीम है। कैफ ने कहा कि पिछली बार की तुलना में हमारे पास काफी बेहतर गेंदबाजी आक्रमण है, हमारे पास चहल थे लेकिन हम उन्हें पहले एकादश में नहीं खिला सके। इस साल हमारे पास कुलदीप यादव हैं, हमारे पास अक्षर पटेल, जडेजा हैं, अच्छे स्पिनर हैं। सभी अनुभवी और विकेट लेने वाले खिलाड़ी अपने दिन पर खेल बदल सकते हैं।

एमएलसी में खेलेंगे कमिंस, फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ किया करार

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज पैट कमिंस अब अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में भी खेलेंगे। कमिंस ने इसके लिए एमएलसी टीम सेन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ चार साल का अनुबंध है। इसी के साथ ही वह एमएलसी से जुड़ने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। एमएलसी लीग को हाल ही में आईपीसी ने लिस्ट ए का दर्जा दे दिया था। इस टूर्नामेंट का दूसरा सत्र छह से 29 जुलाई तक खेला जाएगा। कमिंस ने कहा, 'एमएलसी काफी तेजी से आगे बढ़ रही है। इससे क्रिकेट के लिए अमेरिकी बाजार में काफी क्षमता दिख रही है। कमिंस ने अब तक विदेशी लीग के तौर पर केवल आईपीएल में ही खेला है। वह 2018-19 सत्र से ऑस्ट्रेलिया की घरेलू बिग बैश लीग से भी बाहर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम को अगले साल जून-जुलाई में सीरीज के लिए वेस्टइंडीज का दौरा करना है और ऐसे में देखना होगा कि कमिंस तब इस टी20 लीग के लिए उपलब्ध रहते हैं या नहीं। सेन फ्रांसिस्को की टीम में पहले से ही ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज जेक फ्रेजर मैकगर्क भी शामिल हैं।

आयरलैंड के कोच ने हार के बाद न्यूयॉर्क पिच की आलोचना की

न्यूयॉर्क।

आयरलैंड के कोच हेनरिक मलान ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मुकाबले के लिए इस्तेमाल की गयी पिच की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अच्छा खेलने के लिए अच्छी पिच का होना महत्वपूर्ण है लेकिन नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की पिच मानकों पर खरी नहीं उतरी।

मलान की यह प्रतिक्रिया भारत से आठ विकेट से हार के बाद आयी है जब भारत ने आयरलैंड को मात्र 96 रन पर समेट दिया था। पिच पर काफी स्विंग और असमान उछाल थी।

कोच ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,जब आप मैच खेलते हैं तो आपको वास्तव में अच्छी सतह की आवश्यकता होती है जो आप प्राप्त कर सकते हैं लेकिन दुर्भाग्य से हमने पिछले कुछ मैचों में जो देखा है वह उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी है। इसलिए उम्मीद है कि यह आगे चलकर थोड़ा सपाट हो सकती है और हम कुछ अच्छा क्रिकेट देख सकते हैं।

सोमवार को इस मैदान पर श्रीलंका की टीम 77 रन पर आउट हो गई और दक्षिण अफ्रीका ने चुनौतीपूर्ण पिच पर मैच जीत लिया। मैच न्यूयॉर्क की पिचों की अधिक जांच कराएगा, विशेषकर तब जब यहां आयरलैंड का सामना कनाडा से होगा और रविवार को भारत का पाकिस्तान से जोरदार मुकाबला होगा।

मलान ने कहा,मुझे लगता है कि हम सिर्फ अच्छा क्रिकेट देखना चाहते हैं, है ना यह हमारे आयोजन का शिखर है और इसमें हर समय 200 का मैच होना जरूरी नहीं ।

हार्दिक पांड्या के 3-27 के नेतृत्व में भारत के तेज गेंदबाजों ने सामूहिक रूप से आठ विकेट लेकर आयरलैंड को ध्वस्त कर दिया। आयरलैंड को कठिन पिच पर अपनी बल्लेबाजी योजनाओं को अनुकूलित करने और बदलने में संघर्ष करना पड़ा। केवल गैरेथ डेलानी 26 रन बनाकर शीर्ष स्कोर बनाने में सफल रहे और नौवें और दसवें विकेट के लिए क्रमशः 27 और 19 की साझेदारी में शामिल थी।

जब हमें यह वास्तव में कठिन लग रहा था, तो हम इस बारे में बात कर रहे थे कि क्या हम 130-140 तक पहुंच सकते हैं और क्या हम गेंदबाजी के दृष्टिकोण से अपने कौशल के निष्पादन में इसका समर्थन कर सकते हैं, शायद, हम कोशिश करने पर विचार कर रहे थे।

जिस तरह से उन्होंने सामने गेंदबाजी की, उसे देखें, तो यह स्पष्ट रूप से काफी चुनौतीपूर्ण था। हमें अपना गेम प्लान कई बार बदलना पड़ा और दुर्भाग्य से यह उस तरह से नहीं हुआ जैसा हम चाहते थे और मुझे लगता है कि उन्होंने कुछ शानदार गेंदबाज़ी थी। उनके पास तीन या चार अच्छे तेज गेंदबाज हैं जिन्हें हमने काफी समय से देखा है जो इस स्तर पर प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके बारे में बात करना एक बात है और दबाव होने पर इसे निष्पादित करना दूसरी बात है।

उन्होंने यह कहते हुए हस्ताक्षर किए कि आयरलैंड ने न्यूयॉर्क में पिचों के व्यवहार पर काफी होमवर्क किया था, लेकिन इससे उन्हें भारत से बेहतर प्रदर्शन करने में मदद नहीं मिली। हमने जितना हो सके उतना होमवर्क करने की कोशिश की, भले ही हम ग्राउंड ट्रेनिंग या सतह पर नहीं खेल रहे थे।

हमने ग्राउंड्समैन से बात की; उस अभ्यास मैच में स्कोर बिल्कुल अलग थे जो उस सतह पर खेला गया था। इसलिए, हमें जरूरी नहीं था कि यह वैसा ही व्यवहार करेगा जैसा उसने किया, लेकिन फिर से हमें बेहतर होना होगा हम अपने कौशल का निष्पादन कर रहे हैं और यह स्पष्ट रूप से कुछ ऐसा है जिस पर हम विचार करेंगे।

रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं: बोले- बस थोड़ा दर्द है; आयरलैंड के खिलाफ चोट की वजह से रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा

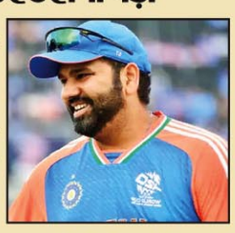

न्यूयॉर्क। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं है। रोहित ने आयरलैंड के खिलाफ मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में कहा, बस थोड़ा सा दर्द (हाथ में) है। न्यूयॉर्क के नसाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में भारत-आयरलैंड मैच के दौरान ड्रॉप-इन पिचों में असामान्य उछाल देखा गया, जिस कारण भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विकेटकीपर ऋषभ पंत चोटिल हो गए। रोहित को तो रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। उन्हें नौवें ओवर की दूसरी गेंद पर ऊपरी बांह पर चोट लगी। चोट के कारण उन्हें 10वें ओवर की अंतिम गेंद के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा। रोहित की अर्धशतकीय पारी भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने नसाउ में स्विंग और बाउंस हो रही आयरलैंड की गेंदबाजी के सामने आक्रामक बैटिंग की। टीम पर दबाव नहीं बनने दिया। 140 के स्ट्राइक रेट से 52 रन बनाए। 4 चौके और 3 छक्के जड़े। जब रोहित चोट के चलते रिटायर हुए, तब इंडिया को जीत के लिए 21 रन चाहिए थे। रोहित ने विराट के साथ 22 और ऋषभ पंत के साथ 54 रन की साझेदारी भी की। विराट ने रोहित के साथ साझेदारी में सिर्फ 1 रन बनाया था। भारत ने आयरलैंड को हराया टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया ने आयरलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच जीत लिया। न्यूयॉर्क के नसाउ इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। इंडियन बॉलर्स ने आयरलैंड की टीम को 96 रन पर ऑलआउट कर दिया। इसके बाद बल्लेबाजों ने 13वें ओवर में टारगेट चेज कर लिया। रोहित शर्मा ने फिफ्टी लगाई।

कोच स्टिमक के बाद रियल मैड्रिड के स्टार ने दी छेत्री को विदाई मैच के लिए बधाई, कही यह बात

नई दिल्ली ।

भारतीय फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमक ने सुनील छेत्री को उनके करियर के आखिरी मुकाबले के लिए बधाई दी। कुवैत के खिलाफ भारतीय टीम के कप्तान अपना अंतिम मुकाबला खेलेंगे। इस मैच के लिए रियल मैड्रिड के मिडफील्डर लुका मोड्रिक ने भी छेत्री को शुभकामनाएं दी। स्टिमक ने उनकी वीडियो पोस्ट कर उन्हें धन्यवाद दिया।

भारत दूसरे स्थान पर

भारत ग्रुप ए में चार मैचों में चार अंकों के साथ कतर (12 अंक) के बाद दूसरे स्थान पर काबिज है। अफगानिस्तान गोल अंतर से पिछड़कर तीसरे स्थान पर है। कुवैत तीन अंक के साथ आखिरी पायदान पर है। भारतीय टीम अगर कुवैत को हराने में सफल रही तो वह तीसरे चरण के क्वालिफिकेशन में जगह लगभग पक्की कर लेगी क्योंकि अफगानिस्तान गोल अंतर के मामले में भारत से सात गोल पीछे है। रियल मैड्रिड के स्टार ने दी बधाई लुका ने कहा, हाय सुनील, मैं आपको बधाई देना चाहता हूं और राष्ट्रीय टीम के लिए आपके आखिरी मैच के लिए शुभकामनाएं देना चाहता हूं। आपके करियर के लिए बधाई। आप इस खेल के लीजेंड हैं। आपके साथियों से मैं उम्मीद करता हूं कि आप उनके आखिरी मैच को यादगार बनाएंगे। टीम क्रोएशिया की ओर से शुभकामनाएं।

छेत्री के संन्यास पर कोच ने जताई निराशा

भारतीय फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमक ने दिग्गज भारतीय फुटबॉलर सुनील छेत्री के संन्यास पर भी बात की। उन्होंने कप्तान के रिटायरमेंट पर निराशा जताई। स्टिमक ने कहा, एक कोच के तौर पर जाहिर है मैं निराश हूं क्योंकि सुनील हमें छोड़कर जा रहा है। वह अगर बेंगलुरु एफसी के लिए अच्छा करते है और हमें उनकी जरूरत हुई तो मैं उन्हें इस फैसले पर फिर से विचार करने के लिए बोल सकता हूं।

इमाद वसीम अमेरिका के खिलाफ मुकाबले से हटे ताकि भारत के खिलाफ मैच के लिए फिट रह सकें

डलास ।

पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिन आलराउंडर इमाद वसीम बगल में खिंचाव के कारण अमेरिका के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप मुकाबले से हट गए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि विश्व कप के लिए अंतर्राष्ट्रीय संन्यास से बाहर आने वाले इमाद को मेडिकल टीम ने आराम की सलाह दी है और उनके नौ जून को भारत के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मैच से पहले तक फिट हो जाने की उम्मीद है। इमाद को पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी 20 से पहले नेट्स में अभ्यास करते समय दायीं बगल में कुछ परेशानी महसूस हुई थी और वह उस मैच में नहीं खेले थे। कप्तान बाबर आजम ने पत्रकारों से कहा कि उनकी टीम अमेरिका को हल्के में नहीं लेगी, जिसने ह्यूस्टन में बांग्लादेश को 2-1 से हराया था और टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में 195 रनों का पीछा करते हुए कनाडा को हराया था। हम टीम चयन में हॉर्स-

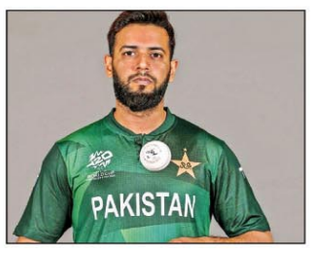

फॉर-कोर्स नीति का पालन करेंगे क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका में परिस्थितियां नई होंगी और कुछ ऐसे प्रतिद्वंद्वी होंगे जिनके साथ हमने पहले नहीं खेला है। आधुनिक क्रिकेट में, फ्लोटिंग खिलाड़ियों की अवधारणा और महत्व पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है और हमारे खिलाड़ी इसके साथ-साथ अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में भी जानते हैं। यह संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए गर्व का क्षण और एक बड़ा अवसर होगा जब वे एक पूर्व चैंपियन से खेलेंगे। टूर्नामेंट से पहले बांग्लादेश को 2-1 से और फिर शुरूआती मैच में कनाडा को बड़े अंतर से हराने के बाद, उन्होंने दिखा दिया है कि वे यहां रहने के लायक हैं, जो इस क्षेत्र में क्रिकेट के प्रचार और विकास के लिए बहुत अच्छी खबर है। हम आत्मसंतुष्ट हुए बिना उन्हें वह सम्मान देंगे जिसके वे हकदार हैं।

पावरलिफ्टर संदीप कौर पर डोपिंग मामले में दस साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली ।

नाडा की डोपिंग निरोधक अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने पावरलिफ्टर संदीप कौर पर प्रतिबंधित दवाओं के इस्तेमाल के दूसरे अपराध के कारण दस साल का प्रतिबंध लगा दिया है। पंजाब की 31 वर्ष की पावरलिफ्टर संदीप पर डोपिंग के दूसरे अपराध के लिये आठ साल का प्रतिबंध लगाया गया और अतिरिक्त दो साल उनके नमूनों में कई प्रतिबंधित पदार्थ पाये जाने के कारण लगाया गया है। पहली बार उन्हें 2019 में स्टानोजोलोल के सेवन का दोषी पाया गया था।

कौर पिछले साल अगस्त में ही चार साल के प्रतिबंध के बाद लौटी है । वह उत्तराखंड के काशीपुर में राष्ट्रीय सीनियर महिला पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में ओपन 69 किलो वर्ग में तीसरे स्थान पर रही थी। प्रतिस्पर्धा के दौरान लिये गए उनके मूत्र के नमूनों में नोरांड्रोस्टेरोन, मेटांडियेनोन और मेफेंटरमाइन के अंश पाये गए। एडीडीपी ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कहा कि कौर यह बता नहीं सकी है कि ये पदार्थ उनके शरीर में कैसे गए। राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने अपने वकील के मार्फत पैनल से अनुरोध किया कि मामले की गंभीरता को भी ध्यान में रखा जाये क्योंकि खिलाड़ी ने कई प्रतिबंधित पदार्थों का सेवन किया है और निलंबन की अवधि दो साल और बढाई जाए। एडीडीपी ने नाडा की दलील स्वीकार करके प्रतिबंध दस साल का कर दिया जो छह सितंबर 2023 से लागू होगा। एक अन्य अहम फैसले में वुशू खिलाड़ी अवनीश गिरि पर प्रतिबंध के दौरान एक प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिये चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। गोवा राष्ट्रीय खेल 2023 में रजत पदक जीतने वाली केरल की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम की सदस्य नेहा वी पर भी डोप टेस्ट में नाकाम रहने के लिये चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है।

एंड्रीवा 27 वर्षों में सबसे युवा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनलिस्ट बनीं

पेरिस।

युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका को अपसेट करते हुए फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर इतिहास रच दिया। वह पिछले लगभग तीन दशक में 17 साल की उम्र में सबसे युवा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनलिस्ट बन गयीं। एंड्रीवा ने क्वार्टरफाइनल में पहला सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए 6-7(5), 6-4, 6-4 से जीत हासिल की। उनका सेमीफाइनल में इटली की जैस्मिन पाओलिनी से मुकाबला होगा जो पहली बार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंची हैं। एंड्रीवा ने दो घंटे 29 मिनट तक चले मुकाबले में सबालेंका के पूरी तरह फिट नहीं होने का फायदा उठाया। सबालेंका ने पहले सेट में मेडिकल टाइमआउट लिया और मैच में बाद में भी उन्हें इसकी जरूरत पड़ी। एंड्रीवा ने अंततः तीन करियर भिड़ंत में पहली बार विश्व नंबर 2 सबालेंका को हराया। एंड्रीवा पूर्व नंबर 1 मार्टिना हिंगिस के बाद ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचने

वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं, जो 1997 में रौलां गैरो और यूएस ओपन दोनों के सेमीफाइनल में पहुंचने पर 16 साल की थीं। इस साल एंड्रीवा का सामना करने से पहले सबालेंका ने किसी ग्रैंड स्लैम मैच में एक भी सेट नहीं हारा था। वह 11 मैचों में 22 सेटों में से केवल दो में चार से अधिक गेम हारी थीं। लेकिन 1999 में विंबलडन के पहले दौर में 16 वर्षीय जेलेना डॉकिक के हिंगिस को हराने के बाद किसी ग्रैंड स्लैम इवेंट में विश्व नंबर 1 या नंबर 2 को हराने वाली एंड्रीवा सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। एंड्रीवा 16 साल की मोनिका सेलेस के पेरिस के 1990 के फाइनल में स्टेफनी ग्राफ को हराने के बाद फ्रेंच ओपन में ऐसा करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गयी हैं। सबालेंका ने पहले सेट के दूसरे गेम में एंड्रीवा की सर्विस तोड़कर शुरुआत की, लेकिन किशोरी ने तुरंत सर्विस तोड़कर स्कोर 1-2 कर दिया। हालाँकि, सबालेंका ने तीसरे गेम में दूसरी बार सर्विस ब्रेक करके स्कोर 3-1 कर दिया, लेकिन एंड्रीवा ने फिर से वापसी करते हुए स्कोर 2-3 कर दिया। उन्होंने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए स्कोर 3-3 कर लिया। हालाँकि, सबालेंका ने लगातार तीन विनर लगाते हुए टाई-ब्रेकर 7-5 से जीत लिया। दूसरे सेट में, दोनों खिलाड़ियों ने फिर से कुछ मौकों पर ब्रेक का आदान-प्रदान किया, इससे पहले कि एंड्रीवा ने 10वें गेम में एक महत्वपूर्ण ब्रेक लिया, कुछ ज़बरदस्त बैकहैंड शॉट लगाए और सेट 6-4 से जीत लिया। निर्णायक सेट में गेम 2-2 तक सर्विस के साथ चलने के बाद, सबालेंका ने सर्विस तोड़ी और अगले गेम में एंड्रीवा को फायदा मिला। एंड्रीवा ने 10वें गेम में फिर से एक बेहतरीन बैकहैंड विनर के साथ महत्वपूर्ण ब्रेक लिया और मैच में जीत पक्की कर ली।

एक ओवर में पांच विकेट गिरने पर भी हैट्रिक नहीं लगा पाये थे आमिर

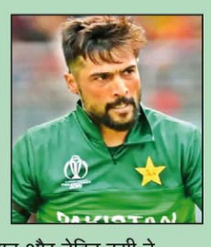

मुम्बई । क्रिकेट इतिहास में एक से बढ़कर एक रोमांचक मैच हुए हैं। इन्हीं में से एक वेस्टइंडीज में हुए साल 2010 के टी20 विश्वकप में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया का मैच भी रहा है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी के दौरान पांच विकेट गिरे थे पर इसके बाद भी गेंदबाज हैट्रिक नहीं ले पाया था जबकि ये ओवर मेडन रहा था। इस सब के बाद भी ये मैच ऑस्ट्रेलियाई टीम जीत गयी थी। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन और डेविड हसी ने अर्धशतक लगाए थे। वॉटसन के 49 गेंदों पर 81 (7 चौके व चार छक्के) और हसी के 29 गेंदों पर 53 (दो चौके व पांच छक्के) रन की मदद से ऑस्ट्रेलियाई टीम मजबूत स्कोर की ओर बढ़ रही थी. 16 ओवर के बाद टीम का स्कोर दो विकेट पर 162 रन था और ऐसा लग रहा था कि ऑस्ट्रेलियाई टीम आसानी से 200 रन से आगे बढ़ जाएगी पर 17वें ओवर में स्पिनर सईद अजमल ने हसी और वॉटसन को आउट कर दिया। इसके बाद 19वें ओवर में अजमल ने कैमरन व्हाइट का विकेट लिया। 19 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 5 विकेट पर 191 रन था। इसके बाद पाक तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने 20 वें ओवर में पहली गेंद पर ब्रेड हेडिन को आउट करने के बाद दूसरी ही गेंद पर मिचेल जॉनसन को बोल्ड कर दिया। इसके बाद वह अगली गेंद पर हैट्रिक नहीं बना सके हालांकि बल्लेबाज रन आउट हो गया। आमिर की इस यॉर्कर को स्टीव स्मिथ खेल नहीं पाये पर बाय रन लेने के प्रयास में उनके जोड़ीदार माइकल हसी रन आउट हो गए। ओवर की चौथी गेंद पर भी यही हुआ। आमिर की एक और यॉर्कर पर नए बल्लेबा डर्क नैंस रन नहीं बना पाये और बाय रन लेने के प्रयास में स्मिथ रन आउट हो गए।

36 साल की नेहा शर्मा

खूबसूरती में सबसे आगे

नेहा शर्मा उन चुनिंदा बॉलीवुड एक्ट्रेस में से एक हैं, जो अपनी बेबाक खूबसूरती के लिए प्रचलित हैं। फिलहाल पिता अजीत शर्मा को लोकसभा चुनाव में मिली हार से नेहा का दिल टूट गया। कुछ दिन पहले वह अपने पापा को सपोर्ट करने के लिए बिहार की लोकसभा सीट भागलपुर भी पहुंची थीं। इनके अलावा असल जिंदगी में नेहा शर्मा कितना ज्यादा हॉट हैं, उसका अंदाजा आप उनकी तस्वीरों से आसानी से लगा सकते हैं। आइए एक नजर नेहा की फोटोज पर डालते हैं। राजनेता की बेटी होने के बावजूद नेहा शर्मा ने फिल्म इंडस्ट्री की तरफ रुख किया। साल 2010 में एक्टर इमरान हाशमी की फिल्म क्रूक से नेहा ने हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। करीब 14 साल के फिल्मी करियर में उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई। 36 साल की नेहा शर्मा की ब्यूटी का कोई मुकाबला नहीं है। उनके ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर मौजूद इन तस्वीरों को देख कर आप भी ये जान जाएंगे कि रियल लाइफ में वह कितनी अधिक हॉट हैं। कातिलाना अदाएं और कमसिन हुस्न के दम पर अक्सर नेहा फैंस के दिलों पर बिजलियां गिराने की काम करती हैं। हॉटनेस की बदौलत आए दिन उनका नाम लाइमलाइट में बना रहता है। सिर्फ इतना ही नहीं नेहा शर्मा की ये बिकिनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल होते हैं और उनके चाहने वाले इन तस्वीरों पर जमकर लाइक और कमेंट भी करते हैं। हाल ही में नेहा शर्मा की वेब सीरीज इलीगल का तीसरा सीजन रिलीज हुआ है। इससे पहले वह यमला पगला दीवाना, तुम बिन 2, पोस्टर ब्वॉयज और तान्हा जैसी फिल्मों को करने के लिए जानी जाती हैं। इतना ही नहीं नेहा ने साउथ सिनेमा की फिल्मों भी काम किया है।

कुछ चीजों का दान फायदे की जगह कर सकता है नुकसान

हिंदू धर्म में दान करना बहुत ही पुण्यकारी माना गया है। दान का अर्थ होता है कि उस वस्तु पर से अपना अधिकार समाप्त करना। गरीबों, जरूरतमंदों या फिर धार्मिक स्थलों पर दान देना बहुत ही पुण्य का काम माना गया है। लेकिन हिंदू धर्म ग्रंथों में कुछ ऐसी चीजों का वर्णन किया गया है, जिन्हें भूल से भी दान के रूप में नहीं देना चाहिए। आइए जानते हैं वह कौन-सी चीजें हैं। झाड़ू केवल सफाई करने की वस्तु नहीं है, बल्कि हिंदू धर्म में इसे लक्ष्मी माता से जोड़कर देखा जाता है। साथ ही यह भी माना गया है कि झाड़ू को कभी दान के रूप में नहीं देना चाहिए। वरना इससे लक्ष्मी माता नाराज हो सकती है, जिससे व्यक्ति को धन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शास्त्रों में बताया गया है कि कभी भी नुकीली चीजों जैसे चाकू, छुरी, सुई या कैंची जैसी चीजों का दान नहीं करना चाहिए। धार्मिक दृष्टि से ऐसा करना बिलकुल भी शुभ नहीं माना जाता। मान्यताओं के अनुसार, इससे गृह क्लेश की स्थिति बनने लगती है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, शनि देव को तिल या सरसों के तेल का दान करने से शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है। लेकिन इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि दान में कभी भी इस्तेमाल हुआ तेल या फिर खराब हो चुका तेल नहीं देना चाहिए। इससे शनिदेव रुष्ट हो सकते हैं, जिससे जीवन में परेशानियां बढ़ सकती हैं। हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार ही दान करना चाहिए। किसी जरूरतमंद को भोजन का दान देते समय इस बात का ध्यान रखें कि भोजन बासी या खराब नहीं होना चाहिए। ऐसा भोजन दान के रूप में देने से इसका कोई पुण्य नहीं मिलता, बल्कि इसके विपरीत परिणाम मिल सकते हैं।

तलाक की अफवाहों के बीच नताशा ने शेयर की पोस्ट, भड़के नेटीजन

भारत के क्रिकेटर हार्दिक पंड्या पिछले कुछ दिनों से चर्चा में हैं। आईपीएल में मुंबई टीम की कप्तानी करने वाले हार्दिक का अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के लिए खूब ट्रोल किया गया था। इसी बीच हार्दिक और उनकी पत्नी एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक के बीच तलाक की चर्चाएं होने लगीं है। ऐसी भी अफवाह उड़ी थी कि हार्दिक और नताशा में तलाक हो चुका है, लेकिन अब नताशा की इंस्टाग्राम स्टोरी से पता चल रहा है कि दोनों के बीच सब ठीक है। हार्दिक और नताशा के बीच पिछले कुछ दिनों से दूरियां चल रही थीं। यह भी कहा गया कि वे एक साथ नहीं रहते थे। अब नताशा ने जो कहानी शेयर की है, उसमें साफ है कि वे साथ रह रहे हैं। नताशा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। इस स्टोरी में उन्होंने हार्दिक पंड्या के घर के एक कुत्ते की फोटो शेयर की है। उन्होंने इस फोटो को कैप्शन दिया है *बेबी रोवर पंड्या* नताशा की ये स्टोरी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। नताशा ने ये स्टोरी शेयर की और तलाक की चर्चाओं पर विराम लग गया। लेकिन, उनकी इस स्टोरी के कारण नेटिजन्स ने हार्दिक और नताशा को ट्रोल किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर नेटिजन्स ने खूब टिप्पणी की है। इनमें ऐसा लगता है कि हार्दिक और नताशा ने सहानुभूति पाने के लिए यह सब किया, यह सब पब्लिसिटी के लिए था, पंड्या आईपीएल के बाद सहानुभूति चाहते थे और पब्लिसिटी स्टंट जैसी टिप्पणी की गई हैं। उल्लेखनीय है कि क्रिकेटर हार्दिक ने वर्ष 2020 में नताशा से शादी की।

fssai

Government of Assam
Health & Family Welfare
Department

Food Safety, Assam

Raise Your
Health Quotient &
Food Standards

- One in ten people worldwide fall ill from contaminated food each year.
- Over 200 diseases are caused by eating contaminated food.
- 40 percent of the foodborne diseases occur among children under 5.

In the honorable presence of

Keshab Mahanta
Minister, Health & Family Welfare
Department, Government of Assam

This
WORLD FOOD SAFETY DAY

Commissionerate of Food Safety, Assam
is organizing an event on the theme -
PREPARE FOR THE UNEXPECTED

Join us in prioritizing the **safety standards** and importance of cautions about food hazard incidents.

Date: **7th of June 2024**
Time: **10:30 AM**
Venue: **Shri Shri Madhavadeva International Auditorium, Srimanta Sankaradeva Kalakshetra**

Published by Directorate of Information & Public Relations, Assam Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

-- Janasanyog /D/1276/ 24/7-Jun-24

Subscribe to Asom Barta Whatsapp 'Assam' at 8287912158

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**